प्रातःकालीन संस्करण
वर्ष- 12 अंक- 203
पृष्ठ-08 मूल्य- 2 रुपया

शुक्रवार 19 दिसम्बर 2025
कानपुर
विक्रम सम्वत् 2082

तापमान
अधिकतम 22°
न्यूनतम 09°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
कानपुर, लखनऊ, नई दिल्ली एवं देहरादून से प्रकाशित

खरी कसौटी

बुलंद आवाज सच्चाई के साथ

E-paper: www.kharikasauti.com
कानपुर संस्करण
RNI NO. UPHIN/2014/58320

आशाओं ने जिलाधिकारी ऑफिस... 03 | अमीरी की जीवनशैली, प्रदूषण... 04 | ग्लोबल कूटनीतिक रिश्ते में... 08

संसद ने दी मंजूरी

स्वतंत्र सांसद सुधा मूर्ति ने कहा कि निजीकरण बुरी बात नहीं है। इससे रोजगार पैदा होता है। गरीबी दूर होती है। परमाणु ऊर्जा को हमेशा हिरोशिमा और नागासाकी की घटनाओं से जोड़ा नहीं जाना चाहिए, क्योंकि परमाणु ऊर्जा का उपयोग शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए भी किया जा सकता है। इसलिए इस विधेयक को शांति विधेयक कहा जाता है। शांति, 2025 विधेयक में परमाणु ऊर्जा के उत्पादन, इस्तेमाल और नियमन के लिए एक नया वैध ढांचा तैयार करने का प्रस्ताव है।

बिल पासः परमाणु क्षेत्र में निजी कंपनियों की होगी एंट्री

सौरभ विश्नोई

नई दिल्ली। भारत में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ा एक अहम फैसला संसद में हो गया है। गुरुवार को संसद ने SHANTI विधेयक को मंजूरी दे दी, जिससे अब इस क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी संभव हो सकेगी। यह क्षेत्र अब तक पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में था। सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल को पहले लोकसभा में बुधवार को पारित किया गया था और गुरुवार को राज्यसभा ने भी इसे ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। इस विधेयक का मकसद देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए परमाणु ऊर्जा के इस्तेमाल को और मजबूत बनाना है।

परमाणु ऊर्जा विभाग के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि परमाणु ऊर्जा एक 24/7 भरोसेमंद बिजली स्रोत है। उन्होंने बताया कि दूसरी नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की तुलना में परमाणु ऊर्जा लगातार बिजली देने में सक्षम है। उन्होंने यह भी साफ किया कि इस क्षेत्र में निजी भागीदारी के बावजूद सुरक्षा मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सरकार के मुताबिक मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह लागू रहेगी। विधेयक पर चर्चा के दौरान रेडिएशन को लेकर उठी चिंताओं पर मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि अब तक जनता को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी रेडिएशन घटना की कोई रिपोर्ट नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनता की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और परमाणु ऊर्जा के इस्तेमाल में सभी जरूरी सावधानियां बरती जाती रहेंगी। रेडिएशन के मानकों को लेकर भी इस विधेयक में कई नियम शामिल किए गए हैं। विधेयक में कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा भारत की स्वच्छ ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी अहम है। खासकर जैसे-जैसे ऊर्जा की मांग वाली तकनीक की मांग बढ़ती जा रही है।

शेयर मार्केट

सेंसेक्स 84,482
निफ्टी 25,816

संक्षिप्त खबर

यूपीः प्रदेश में होने वाले पंचायत चुनाव में नहीं लागू होगा एसआईआरः हाईकोर्ट

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका को सारहीन कहकर खारिज कर दिया है। मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश संत कबीर नगर के नरेंद्र कुमार त्रिपाठी की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। कोर्ट ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का कोई ठोस कारण नहीं है। कहा कि एसआईआर प्रक्रिया 18 जुलाई 2025 से ही प्रारंभ हो चुकी है और इसकी अस्थायी मतदाता सूची 23 दिसंबर 2025 को प्रकाशित की जानी है। ऐसे में मात्र इस आधार पर कि लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों के लिए जारी दिशा-निर्देश पंचायत चुनावों पर भी लागू किए जाएं, इसमें न्यायिक हस्तक्षेप उचित नहीं है। पंचायत चुनाव के लिए कराए गए मतदाता पुनरीक्षण अभियान में 18196367 नए मतदाताओं को जोड़ा गया है।

संक्षिप्त

दिल्ली ब्लास्ट केस में 9वीं गिरफ्तारी, सुसाइड बॉम्बर यासिर डार अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली बम धमाके के मामले में एक अहम घटनाक्रम में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर के एक निवासी को गिरफ्तार किया है, जो इस मामले में नौवीं गिरफ्तारी है। अधिकारियों के अनुसार, उसे आत्मघाती हमलावर उमर-उन-नबी का करीबी सहयोगी माना जाता है। गिरफ्तारी के बाद, दार को गुरुवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। मामले में दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने दार को 26 दिसंबर तक राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। यह विस्फोट उमर उन नबी नाम के एक कथित आत्मघाती हमलावर द्वारा चलाई जा रही हुंडई आई20 कार में हुआ था। राष्ट्रीय न्याय एजेंसी (एनआईए) ने फोरेंसिक जांच के जरिए वाहन में रखे बम से लैस आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी की पहचान की है, जो पुलवामा जिले का निवासी और फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय के जनरल मेडिसिन विभाग में सहायक प्रोफ़ेसर था।

यूपीः हादसों के बाद एक्सप्रेस-वे पर यूपीडा ने घटाई वाहनों की स्पीड

उत्तर प्रदेश में 19 दिसंबर से अगले वर्ष 15 फरवरी तक सभी एक्सप्रेसवे पर नियम लागू, नियम तोड़ने पर एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से कट जाएगा चालान

उत्तर प्रदेश में घने कोहरे और गलन भरी ठंड का प्रकोप जारी है। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए प्रदेश के 35 जिलों में अत्यधिक घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया है। आज लगभग समूचा प्रदेश घने कोहरे में लिपटा रहा। कहीं कहीं दिन में हल्की धूप खिली लेकिन मौसम पर सर्दी हावी रही। कोहरे की चादर की वजह से यातायात प्रभावित हुआ और कई जिलों में स्कूलों का समय बदलना पड़ा। कानपुर, आगरा, दिल्ली और उत्तराखंड से सटे जिलों समेत प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में घने कोहरे के साथ चुभती हुई ठंडी पछुआ हवाएं चलीं।

दिए गये अहम निर्देश

- गश्ती दल रात में टीम बनाकर करें निगरानी, रिफ्लेक्टर, क्रासिंग, रैम्प, शुरू होते ही रोशनी की हो व्यवस्था

के. सी. विश्नोई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने कोहरे के मद्देनजर सभी एक्सप्रेसवे पर वाहनों की अधिकतम गति निर्धारित कर दी है। यूपीडा ने इस संदर्भ में संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके अनुसार एक्सप्रेसवे पर सुबह आठ से रात आठ बजे तक कार व आठ सीटर वाहनों की अधिकतम गति 80 किलोमीटर व रात आठ से सुबह आठ बजे तक अधिकतम गति 60 किलोमीटर निर्धारित की गई है।

इसके अधिक गति से वाहन चलाने वालों का एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए चालान किया जाएगा। एनएचएआई ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अगर ज्यादा कोहरा हो तो वाहनों की गति तीस किमी. प्रति घंटे से अधिक न हो। एनएचएआई ने इसके साथ ही पुलिस व राजमार्ग संचालनकर्ता टीम को अलग-अलग समय पर गश्त करने का आदेश दिया गया है। इतना ही नहीं टोल से गुजरने वाले वाहन चालकों को टोल पर लगे मोबाइल नंबर व निर्देशिका पुस्तिका देने के निर्देश दिए गए हैं। उद्देश्य है कि संबंधित मोबाइल नंबर पर चालक बता सके कि कहां कोहरा ज्यादा और कम है।

यह टीमें 50 मीटर से कम दृश्यता (विजिबिलिटी) होने पर टोल प्लाजा के पास, एक्सप्रेसवे के किनारे बने सुविधा केंद्रों, होटल, रेस्टोरेंट व पेट्रोल पंपों पर वाहनों को एकत्र कर उन्हें काफिले के रूप में रवाना करेंगी। इसके अलावा नौ या अधिक सीटों वाले वाहनों की पूर्व निर्धारित गति 100 किलोमीटर प्रति घंटे को कम करके सुबह आठ से रात आठ बजे तक 60 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई है। इसी प्रकार रात आठ से सुबह आठ बजे तक 50 किलोमीटर प्रति घंटा की गति निर्धारित की गई है। वहीं माल वाहक वाहनों की गति सुबह आठ से रात आठ बजे तक 50 किलोमीटर और रात आठ से सुबह आठ बजे तक 40 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है। पहले यह 80 किलोमीटर प्रति घंटा थी। लखनऊ से कानपुर, सीतापुर, रायबरेली, अयोध्या, हरदोई, सुलतानपुर सहित अन्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एनएचएआइ ने इंडियन रोड क्रांग्रेस की गाइडलाइनों को पूर्ण रूप से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

दुर्घटना की स्थिति में यातायात को निर्देशित करने के लिए लाल/हरे रंग की चमकती छड़ी रखने के साथ ही पुलिस, राजमार्ग संचालन और ठेकेदार को साप्ताहिक आधार पर अनिवार्य रूप से रात्रिकालीन राजमार्ग निरीक्षण करने को कहा है। इसके अलावा रिफ्लेक्टर, क्रासिंग, रैम्प, डिवाइडर शुरू होने से पहले ही रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था कराने के निर्देश दिए गए हैं। एनएचएआइ के महाप्रबंधक (समन्वयक) संजय कुमार पटेल ने आदेशों में उल्लेख किया है कि सड़क के किनारे बैरियर वाहन चालकों को दूर से दिखे, उन पर एक निर्धारित दूरी परी रिफ्लेक्टर लगाए जाए, जो दूर से दिखे। ब्लैक स्पाट पर रोड इंजीनियरिंग सुधारने के साथ ही रोशनी के पर्याप्त व्यवस्था हो। शहरी क्षेत्रों में दो मीटर की दूरी पर और ग्रामीण क्षेत्रों में राजमार्गों, एक्सप्रेस वे के पांच मीटर की दूरी पर मीडियन और आरसीसी यानी रेनफोर्सर्ड सीमेंट कंक्रीट बैरियर पर मीडियन मार्कर लगाएं।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर अगर रोशनी की व्यवस्था है तो वह कोहरे व रात में समय से पहले जला दी जाए। राजमार्ग पर डिवाइडर शुरू होते ही 25 मीटर ऊंची हाईमास्ट लगाकर रोशनी की व्यवस्था हो। लघु पुलों, आरओबी, प्रवेश/निकास रैंप पर सोलर स्टड लगाए जाएं। स्लिप रोड के प्रत्येक तरफ पांच सोलर स्टड यानी सौर ऊर्जा चालित सड़क सुरक्षा चेतावनी लाइट। निर्माण क्षेत्रों पर, डायवर्जन पर सुरक्षा उपाय किए जाएं, जैसे कि पक्के डायवर्जन फुटपाथ चिह्न, रोड स्टड, बैरिकेडिंग, डायवर्जन संकेत, सोलर ब्लिंकर। राजमार्ग पर चलने वाले वाहनों की पूरी चौड़ाई पर रिफ्लेक्टर टेप लगाना और आगे सफ़ेद व पीछे लाल रंग का जरूरी है। यूपीडा ने वाहन चालकों व यात्रियों की जान माल की रक्षा के लिए वाहन चलाने को लेकर मानक संचालन प्रक्रिया भी तैयार की है।

इसके अनुसार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे व गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर तत्काल प्रभाव से सुरक्षा टीमों की तैनाती के निर्देश दिए गए हैं।

एक्सप्रेसवे पर सुरक्षित यात्रा के लिए यात्रियों से की गई अपील

घने कोहरे/धुंध में (50 मीटर से कम दृश्यता होने पर) वाहन निकटतम वे-साइड अमेनिटीज, टोल प्लाजा या पेट्रोल पंप पर सुरक्षित रूप से रोकें और दृश्यता सामान्य होने पर ही यात्रा प्रारंभ करें। नींद या थकान महसूस होने पर तुरंत वाहन रोककर विश्राम करें। 19 दिसंबर 2025 से 15 फरवरी 2026 तक एक्सप्रेसवे पर लागू पुनर्निर्धारित अधिकतम गति सीमा का अनिवार्य रूप से पालन करें। निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने पर एटीएमएस के माध्यम से चालान किया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से टोल प्लाजा, वे-साइड अमेनिटीज, पेट्रोल पंप या रेस्टोरेंट पर रुककर कन्वॉय में यात्रा करने का प्रयास करें तथा यूपीडा सुरक्षा टीम का सहयोग लें। यात्रा के दौरान वाहन की सभी इमरजेंसी इंडिकेटर लाइट जलाकर चलें तथा वाहन के आगे-पीछे रिफ्लेक्टिव टेप अवश्य लगवाएं। चिन्हित स्थानों के अतिरिक्त एक्सप्रेसवे या उसके किनारे कहीं भी वाहन पार्क न करें, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। किसी भी आपात स्थिति में यूपीडा के हेल्पलाइन नंबर 14449 पर तुरंत संपर्क करें।

लोस में जी राम जी बिल पास, विपक्ष ने फाड़ा विधेयक

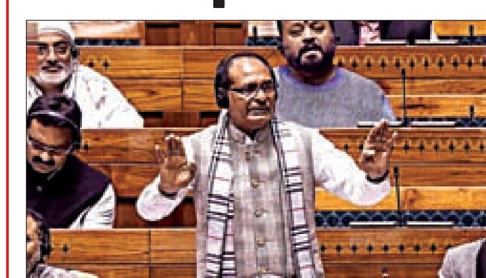

सरोज त्रिवेदी

नई दिल्ली। विपक्षी विरोध के बावजूद लोकसभा से गुरुवार को 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' पारित हो गया। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कंग्रेस ने बापू के आदर्शों को मार दिया, जबकि मोदी सरकार ने उन्हें जिंदा रखा है। मनरेगा योजना की जगह नया विधेयक लाने और उसमें से महात्मा गांधी का नाम हटाने को लेकर विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष को जमकर सुनाया। इससे पहले बुधवार को सदन में उक्त विधेयक पर देर रात तक चर्चा हुई और विपक्ष के अधिकतर सदस्यों ने इसे विभाग संबंधी संसदीय स्थायी समिति को विचार-विमर्श के लिए भेजने की मांग की। जिसे आसन की ओर से अस्वीकार कर दिया गया। सदन ने विपक्ष के कुछ सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस दौरान आसन के समीप हंगामा कर रहे कुछ विपक्षी सदस्यों ने मंत्री के सामने विधेयक के कागज फाड़कर भी उछाले।

शिवराज ने कहा कि मनरेगा के नाम में पहले महात्मा गांधी का नाम नहीं था और इसका नाम नरेगा था, लेकिन 2009 के लोकसभा चुनाव से पहले वोटों के कारण कांग्रेस को बापू याद आ गए और उनका नाम जोड़ा गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने तो गांधी का नाम चुराने का पाप किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सदन में कहा कि यह सरकार 'सनक' में नाम बदल रही है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम सनक में नाम नहीं बदल रहे, अपने परिवार के लोगों पर नाम रखने की सनक तो कांग्रेस की है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की सरकारों के समय सैकड़ों योजनाओं, इमारतों, उत्सवों, संस्थानों आदि के नाम गांधी परिवार के सदस्यों- जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के नाम पर रखे गए थे।

भारत और ओमान के बीच ट्रेड एग्रीमेंट पर हुए साइन

पीएम मोदी को ऑर्डर ऑफ ओमान सम्मान मिला, ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक ने किया सम्मानित

खरी कसौटी ब्यूरो

ओमान/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ओमान का दूसरा सर्वोच्च सम्मान मिला है। उन्हें सुल्तान हैथम बिन तारिक ने ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित किया है। इससे पहले दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान भारत और ओमान के बीच व्यापार समझौते पर साइन हुए।

समझौते से भारत के टेक्सटाइल, फुटवियर, ऑटोमोबाइल, जेम्स एंड ज्वैलरी, रिन्युएबल एनर्जी और ऑटो कंपोनेंट्स जैसे सेक्टर्स को सीधा फायदा होगा। इस पर नवंबर 2023 में बातचीत शुरू हुई थी।

इससे पहले पीएम ने बताया कि भारत और ओमान के बीच होने वाला व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता आने वाले कई दशकों तक दोनों देशों के रिश्तों की दिशा तय करेगा। उन्होंने इसे दोनों देशों के साझा भविष्य का खाका बताया। मस्कट में भारत-ओमान बिजनेस समिट को संबोधित करते हुए मोदी ने दोनों देशों के मजबूत रिश्तों की सराहना की। उन्होंने स्टार्टअप से भी अपील की कि वे भारत में निवेश करें, नए प्रयोग करें और भारत-ओमान के साथ मिलकर आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- आज हम एक ऐसा ऐतिहासिक फैसला ले रहे हैं, जिसकी गूंज आने वाले कई दशकों तक सुनाई देगी। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता यानी सीईपीए 21वीं सदी में हमें नया भरोसा और नई ऊर्जा देगा। यह हमारे साझा भविष्य का खाका है। इससे हमारे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, निवेश को नया आत्मविश्वास मिलेगा और हर क्षेत्र में नए अवसरों के दरवाजे खुलेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि कितने भी मौसम बदल जाएं लेकिन भारत से उनकी दोस्ती नहीं बदलेगी। उन्होंने राजधानी मस्कट में भारतीय प्रवासियों को भी संबोधित किया। उन्होंने प्रवासी भारतीयों की तारीफ करते हुए कहा कि वे जहां भी जाते हैं, वहां की विविधता की तारीफ करते हैं। इसके साथ ही पीएम मोदी की खाड़ी देश की यात्रा संपन्न हो गई। ओमान, पीएम मोदी के तीन देशों के दौरे का अंतिम पड़ाव था। उन्हें ओमान के उप प्रधानमंत्री अल सईद ने 'नमस्ते' कर विदाई दी।

दोनो देशों में आर्थिक संबंधों में एक नए युग की शुरुआत

भारत और ओमान ने आज अपने आर्थिक संबंधों में एक नए युग की शुरुआत की है। दोनों देशों के बीच गुरुवार को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता न केवल भारतीय निर्यातकों के लिए भारी अवसर लेकर आया है, बल्कि 2006 में अमेरिका के साथ हुए समझौते के बाद ओमान की ओर से किसी भी देश के साथ किया गया यह पहला द्विपक्षीय व्यापार समझौता है।ओमान मध्य पूर्व और अफ्रीका के बाजारों के लिए भारत का एक महत्वपूर्ण गेटवे (प्रवेश द्वार) है। ओमान में 6,000 से अधिक भारतीय प्रतिष्ठान काम कर रहे हैं। ब्रिटेन के बाद पिछले 6 महीनों में यह भारत का दूसरा बड़ा व्यापारिक समझौता है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया अहम फैसला

आजीवन कारावास देने का अधिकार केवल संवैधानिक अदालतों के पास

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अहम फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने कहा कि बिना रिमिशन (सजा में छूट) के आजीवन कारावास देने का अधिकार केवल संवैधानिक अदालतों यानी सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को है, न कि सेशन कोर्ट को। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि जब किसी आरोपी को आजीवन कारावास की सजा दी जाती है, तो इसका मतलब उसकी पूरी जिंदगी जेल में रहना होता है।

हालांकि, रिमिशन और सजा में कमी देने का अधिकार राज्य सरकार के पास होता है, जिसे सेशन कोर्ट सीमित नहीं कर सकती। पीठ ने साफ कहा कि सेशन कोर्ट यह आदेश नहीं दे सकती कि आजीवन कारावास आरोपी के स्वाभाविक जीवन के अंत तक ही रहेगा और उसे किसी भी तरह की रिमिशन नहीं मिलेगी। ऐसा आदेश दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के खिलाफ है। कोर्ट ने कहा कि राज्य को रिमिशन या सजा में कमी देने का जो अधिकार कानून ने दिया है, उसे छीना नहीं जा सकता।

सैनी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नोटिस

कांग्रेस के प्रस्ताव को किया गया मंजूर, आज विस में चर्चा

खरी कसौटी ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन की कार्यवाही शुरू हो गई है। सीएम नायब सैनी सदन में केसरिया रंग की पगड़ी पहनकर पहुंचे। सदन के पहले दिन ही कंाग्रेस ने अविश्वास प्रस्ताव लाया, जिसे स्पीकर हरविंदर कल्याण ने मंजूरी दे दी है।

शुक्रवार को सदन की दूसरी सिटिंग में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होगी। इससे पहले सदन की शुरुआत में मंत्री अनिल विज ने नेता प्रतिपक्ष बनने पर भूपेन्द्र हुड्डा को बधाई देते हुए कहा- हवाएं लाख मुखालिफ हो दिया वही जलेगा जो जिद्द पर अड़ा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सदन में शोक प्रस्ताव पेश किया जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। सदन में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सत्र को बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि अभी 22 दिसंबर को सेशन का आखिरी दिन है, 23 दिसंबर के बजाय सेशन 24 तक बढ़ा दिया जाए। इस पर स्पीकर ने एक सिटिंग और बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। तय किया गया कि कल यानी 19 दिसंबर को सदन की कार्यवाही डबल सिटिंग में की जाएगी। सीएम सैनी ने भी इस पर सहमति जताई।

कल पहली सिटिंग 10 बजे से 2 बजे तक दूसरी सिटिंग लंच के बाद होगी। स्पीकर ने कहा कि अगर फिर भी जरूरत पड़ी तो 22 तारीख को लंबी सिटिंग कर लेंगे। इस दौरान सिरसा से कंाग्रेस विधायक की ओर से पानी की दिक्कत को लेकर उठाए गए मुद्दे पर जमकर बहस हो गई।

यूपी व केरल में एसआईआर तारीख बढ़ाने पर विचार करे चुनाव आयोग

खरी कसौटी ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयोग से उत्तर प्रदेश और केरल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए समय बढ़ाने की मांग वाले निवेदनों पर विचार करने को कहा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने बताया कि अकेले उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से 25 लाख नाम हटा दिए गए हैं। सिब्बल ने कहा कि कुछ मामलों में पति का नाम होता है और पत्नी का नाम नहीं होता। कपिल सिब्बल ने यह भी बताया कि एसआईआर फॉर्म जमा करने की समय सीमा भी खत्म हो रही है। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के संशोधन की प्रक्रिया 3 दिसंबर को समाप्त होने वाली है। चुनाव आयोग की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने इन दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि इन चीजों को चुनाव आयोग पर छोड़ देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि समय सीमा पहले ही बढ़ा दी गई है। एक वकील ने जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 में होने हैं, फिर भी चुनाव आयोग पर्याप्त समय नहीं दे रहा है। पीठ ने प्रस्तुत दलीलों पर ध्यान दिया और चुनाव आयोग से जमीनी हकीकतों को ध्यान में रखते हुए समय बढ़ाने की मांग करने वाली किसी भी याचिका पर सहानुभूतिपूर्ण फैसला लेने को कहा। पीठ ने विभिन्न राज्यों में मतदाता सूचियों के एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर अंतिम सुनवाई 6 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। उस दिन द्विवेदी चुनाव आयोग की ओर से अंतिम दलीलें पेश करना शुरू करेंगे। 11 दिसंबर को याचिकाकर्ताओं में से एक ने कहा था कि चुनाव आयोग 'शक करने वाले पड़ोसी' या 'पुलिसकर्मी' की भूमिका नहीं निभा सकता, जो मतदाताओं के साथ संदेहपूर्ण व्यवहार करे।

संक्षिप्त खबरें

चार दुकानों में चोरी: ठंड-कोहरे का फायदा उठाकर मकरंद नगर में वारदात

कन्नौज। मकरंद नगर में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का फायदा उठाकर चोरों ने बीती रात चार दुकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मुख्य तिराहे पर हुई इस घटना में हजारों रुपए का कीमती सामान और नकदी चोरी हो गई, जिससे पुलिस गश्त पर सवाल उठ गए हैं। घटना का खुलासा तब हुआ जब मकरंद नगर निवासी दुकानदार जावेद सुबह अपनी सैलून की दुकान खोलने पहुंचे। उन्होंने देखा कि दुकान का ताला टूटा हुआ था। अंदर जांच करने पर दुकान से नकदी, इनवर्टर और सैलून में इस्तेमाल होने वाला कई महंगा सामान गायब मिला। जावेद ने बताया कि पिछले दो महीनों में उनके साथ चोरी की यह तीसरी घटना है। केवल उनकी दुकान ही नहीं, बल्कि आसपास की तीन अन्य दुकानों के ताले भी तोड़े गए हैं। एक ही रात में चार दुकानों में चोरी होने से स्थानीय व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है। लगातार हो रही इन वारदातों ने स्थानीय पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित दुकानदारों ने पुलिस प्रशासन से रात की गश्त बढ़ाने और चोरों को जल्द पकड़ने की मांग की है।

इंटरलॉकिंग सड़क का काम फिर शुरू: अतिक्रमण हटवाकर निर्माण कराया

कन्नौज। छिबरामऊ विकासखंड की ग्राम पंचायत कसाबा के मजरा भारापुर में पिछले आठ दिनों से रुका इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कार्य फिर से शुरू हो गया। यह कार्य सड़क की भूमि पर हुए अतिक्रमण को राजस्व टीम द्वारा हटाए जाने के बाद दोबारा शुरू किया गया है। ग्राम प्रधान द्वारा सूचना दिए जाने पर राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी। टीम ने सड़क की भूमि की पैमाइश की, जिसमें सामने आया कि कुछ ग्रामीणों ने सड़क की जमीन पर कब्जा कर रखा था। इसी अतिक्रमण के कारण निर्माण कार्य रुका हुआ था। राजस्व टीम ने मौके पर ही कब्जा हटवाकर सड़क की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। इसके बाद लगभग 100 मीटर लंबी सड़क पर इंटरलॉकिंग का कार्य दोबारा शुरू कर दिया गया। ग्राम पंचायत कसाबा के प्रधान मुकेश चंद्र ने बताया कि सड़क की भूमि को सुरक्षित करने के लिए राजस्व टीम को बुलाया गया था। उन्होंने पुष्टि की कि पैमाइश के बाद अतिक्रमण हटाकर इंटरलॉकिंग सड़क का कार्य अब सुचारु रूप से कराया जा रहा है। प्रधान ने यह भी बताया कि ग्रामीणों के कब्जे के कारण बीते आठ दिनों से काम बंद था।

कांग्रेसियों को भाजपा कार्यालय घेरने से रोका

कन्नौज। भाजपा कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं को एक ही स्थान पर बैठकर प्रदर्शन करना पड़ा। इस दौरान कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। दरअसल, यह प्रदर्शन नेशनल हेराल्ड मामले से जुड़ा है। हाल ही में दिल्ली कोर्ट ने इस मामले में ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि भाजपा सरकार सोनिया गांधी और राहुल गांधी को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। इसी मुद्दे पर कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर जिले में भाजपा कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया जाना था। प्रदर्शन के लिए पार्टी नेता सरायमीरा स्थित पूर्व जिलाध्यक्ष अजय पांडेय के आवास पर एकत्र हुए थे। कांग्रेसियों के एकजुट होने की सूचना मिलते ही सीओ तिर्वा कुलवीर सिंह और कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को भाजपा कार्यालय तक जाने से रोक दिया।

गर्भवती महिला के पेट में लगी ईंट :कन्नौज में इलाज के दौरान गर्भस्थ की मौत

कन्नौज। बिल्हौर के अरौल थाना क्षेत्र के सरैयां दस्तम गांव में दो पक्षों के बीच हुए पथराव में एक गर्भवती महिला के पेट में ईंट लगने का आरोप है। इस घटना के चार दिन बाद गर्भ में पल रहे शिशु की मौत हो गई। पीड़ित परिवार ने न्याय की मांग की है। गांव निवासी रईस पुत्र साकिर अली, जो ईंट भट्ठे पर ट्रैक्टर चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, ने पुलिस को बताया कि 13 दिसंबर की शाम उनके पड़ोसी भोले खां और शरीफ खां के बीच विवाद हुआ। यह विवाद जल्द ही पथराव में बदल गया। आरोप है कि इसी दौरान एक ईंट रईस की आठ माह की गर्भवती पत्नी परवीन बेगम के पेट में लगी, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। घटना के बाद परिजन परवीन बेगम को तुरंत इलाज के लिए कन्नौज जिला अस्पताल ले गए। 15 दिसंबर को डॉक्टरों ने गर्भस्थ शिशु को मृत घोषित कर दिया। इस दुखद घटना से परिवार सदमे में है।

कोहरे से बढ़ी गलन- एक्सप्रेस वे पर फिर वाहन टकराए

खरी कसौटी ब्यूरो

आगरा। आगरा में गुरुवार सुबह से ही हल्का कोहरा छाया हुआ है। बाहरी क्षेत्रों में कोहरे का असर ज्यादा है। जिसकी वजह से एक्सप्रेसवे पर वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गए हैं। ट्रेनों भी लेट चल रही हैं। कोहरे के साथ ही गलन बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिन में धुंध रहने की संभावना है।

आगरा-जयपुर हाईवे पर बुधवार देर रात करीब 12:00 बजे से 1:00 बजे के बीच कोहरे के कारण भीषण सड़क हादसा हो गया। किरावली कस्बे में बिजलीघर के सामने हुए इस हादसे में 6 वाहन आपस में टकरा गए, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इसमें दो ट्रक, दो स्लीपर बसें और दो कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही किरावली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को वाहनों से बाहर निकाला और गंभीर हालत में उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा। तापमान में उतार-चढ़ाव जारी है। 16 दिसंबर को अधिकतम तापमान जहां 26.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस था वहीं, 17 दिसंबर को अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस हो गया। 17 दिसंबर को अधिकतम तापमान सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 2.1 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। बाहरी क्षेत्रों में कोहरा अधिक होने की वजह से ट्रेनें लेट चल रही हैं। ताज एक्सप्रेस, वंदेभारत, शताब्दी जैसी ट्रेनें भी आधा से एक घंटे देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को दिन में हल्की धुंध छाई रही। दोपहर को हल्की धूप निकलने की संभावना है। तापमान में ज्यादा उतार-चढ़ाव की संभावना नहीं है। कोहरे और कम विजिबिलिटी के बीच सड़कों पर गड्ढे हड्डियों के मरीज बढ़ाने में बड़ी वजह बन रहे हैं। गड्ढों से गुजरते समय लगने वाला तेज झटका और बढ़ते रोड एक्सीडेंट्स की वजह से एसएन मेडिकल कॉलेज में हड्डी रोग और फिजियोथैरेपी विभाग में मरीजों की संख्या में 20 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

एसएन मेडिकल कॉलेज के हड्डी रोग विभाग के विशेषज्ञ डॉ. मयूर गुप्ता ने बताया कि कोहरे के कारण सड़क हादसों में इजाफा हुआ है, जिससे फ्रैक्चर के केस बढ़े हैं। इसके साथ ही सड़कों पर मौजूद गड्ढों से वाहन गुजरते समय जो तेज झटका लगता है, उससे नेक पेन, बैक पेन और जॉइंट्स पेन के मरीज भी तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गड्ढों से निकलते समय वाहन की रफ्तार धीमी रखें, ताकि झटके से बचा जा सके। जिन लोगों को पहले से दर्द की समस्या है, वे सपोर्ट बेल्ट का इस्तेमाल करें, जिससे झटके का असर कम हो। डॉ. मयूर के अनुसार सर्दियों में पुराने जोड़ों के दर्द दोबारा उभरने लगते हैं। इससे बचाव के लिए डाइट में कैल्शियम और विटामिन -डी की मात्रा बढ़ाने की सलाह दी गई है। उन्होंने दूध और दही को नियमित आहार में शामिल करने पर जोर दिया। वहीं, एसएन मेडिकल कॉलेज के फिजियोथैरेपी विभाग में भी मरीजों की संख्या 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ी है। फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. अतुल कुमार शर्मा ने बताया कि मौसम में बदलाव और अधिक ठंड की वजह से मांसपेशियों में अचानक तनाव आ जाता है, जिसे मेडिकल भाषा में स्पाज्म कहा जाता है। इसके अलावा जोड़ों के दर्द के मरीज भी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। डॉ. अतुल ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद फ्रैक्चर या सर्जरी के पश्चात आने वाली जटिलताओं में फिजियोथैरेपी की अहम भूमिका होती है। एक्सरसाइज और थैरेपी के जरिए जॉइंट्स की रिकवरी और पोस्ट-ट्रॉमेटिक मरीजों को सामान्य जीवन में लौटने में काफी मदद मिलती है। फतेहाबाद क्षेत्र में सर्दी की शुरुआत के साथ ही घना कोहरा छा गया है। लगातार दूसरे दिन घने कोहरे के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। कोहरे के कारण चारों ओर धुंध छा गई, जिससे सड़कों पर दृश्यता लगभग शून्य हो गई। इसके परिणामस्वरूप वाहनों की गति धीमी रही।

राजस्व टीम ने अवैध कब्जो को हटवाया, करवाई नपती

खरी कसौटी ब्यूरो

औरैया/ मिशन समाधान के तहत तहसीलों द्वारा गठित राजस्व व पुलिस की टीमों द्वारा पुराने एवं सरकारी भूमि, खाद के गड्ढे , चकरोड, बंजर भूमि , नाली/कूल, तालाब,खलिहान आदि के सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटवाने तथा ग्रामीणों के आपसी विवादों को नपती कराते हुए नियमानुसार पारदर्शिता के साथ निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसील औरैया के ग्राम मिहौली, भाऊपुर, चौकी,मलकपुर, भसीन, सलेमपुर नवलसिंह, रजौहापुर,पढीन, भरतपुर, सेहुद, जमुहां, उमरी, खानपुर फफूंद , जगजीवनपुर, गोपालपुर में वर्षों पुराने कुल 27 मामलों को मिशन समाधान के अन्तर्गत राजस्व व पुलिस ने चकमार्ग, नाली/कूल, तालाब, खेल का मैदान व बंजर भूमि आदि की पैमाइश कर निशान देही कराते हुए अवैध कब्जा हटवाया गया। इसके साथ-साथ आपसी विवादित मामलों का भी निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसील अजीतमल के ग्राम मलगंवा, मुरदना, बेरीकपरिया, बरुआई, रूरूआ, गोकुलपुर, जगदीशपुर, ऊंचा, अयाना, भौतापुर, मिश्रपुर प्रताप सिंह में वर्षों पुराने कुल 13मामलों को मिशन समाधान के अन्तर्गत राजस्व व पुलिस ने चकमार्ग, नाली/कूल, तालाब, खेल का मैदान व बंजर भूमि आदि की पैमाइश कर निशान देही कराते हुए अवैध कब्जा हटवाया गया। इसके साथ-साथ आपसी विवादित मामलों का भी निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसील बिधूना के ग्राम बेलपुर बेला, गुगपुर, दिबरांव, रूपपुर सहार, मऊ, सवहद, रूरूखुर्द, असजना, इटैली, नगरिया, मकरन्दपुर फफूंद, वधईपुर, मुहम्मदाबाद, बैलीपुर, बैसोली देहात घसारा, गुनौली, सुरजनपुर सल्हूपुर, रामपुर वैश्य, बीसरमऊ, गटेरा, चिरौली 2/3 करौली, जौहर, याकूबपुर, उसराहा, भदौरा, कुसी, हरदू, बरौली, नूरपुरखरगपुर, कैथावा , नूराबाद खास, कालाबोझ, बैवहा, गनूपुर, बीबीपुर, रामपुर खास , भदैरा, नगरिया राजाराम, हमीरपुर रूरू, बढिन, उर्दईपुर, करमूपुर, हरचंदपुर, फैजुल्लापुर, ऐरवाकुढ़ली, ऐरवाकटरा, सुरेथा, पखनगोई, जयसिंहपुर कनक, शहबाजपुर बिधूना, पुर्वादिलशाह, जीवा सिरसानी, हरपुर, गोपालपुर, लखूनी, बहलोलपुर, सहायल, बरियोरमऊ, ताजपुर छौंक, करचला, पौथो, पुर्वाफक्कीर, बरूफकूंद, बहलोलपुर, सहायल, अवावर, बिझाई, असैनी, मूलरिहा, ढिकियापुर, लछियामऊ, कन्हौं, ओतो, गहेसर, पाता में वर्षो पुराने कुल 59 मामलों को मिशन समाधान के अन्तर्गत राजस्व व पुलिस की टीमों ने आवासीय पट्टों, चकमार्ग, चकरोड, बंजर भूमि , नाली/कूल, बंजर भूमि आदि के विभिन्न मामलों को चिन्हित /पैमाइश कराते हुए कब्जा मुक्त कराने के साथ-साथ आपसी विवादित मामलों का भी निस्तारण किया गया।

काऊ मिल्क प्लांट की मशीनों की मरम्मत शुरू

कन्नौज। बढनपुर वीरहार गांव स्थित काऊ मिल्क प्लांट की मशीनों की साफ-सफाई और मरम्मत का काम शुरू हो गया है। दो साल से बंद पड़े इस प्लांट के जल्द दोबारा चालू होने की उम्मीद जगी है, जिससे पशुपालकों की आय बढ़ने की संभावना है। पशुपालकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से तहसील क्षेत्र के बढनपुर वीरहार गांव के पास 2018 में 140.39 करोड़ रुपए की लागत से इस काऊ मिल्क प्लांट की स्थापना की गई थी। इसका ऑनलाइन शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसी वर्ष किया था। प्लांट चालू होने के बाद कन्नौज, बाराबंकी, फिरोजाबाद, आगरा, मैनपुरी, बरेली, हमीरपुर सहित 14 जनपदों से दूध आना शुरू हो गया था। यहां प्रतिदिन 50 हजार से एक लाख लीटर तक दूध संसाधित होता था, जिससे घी, मक्खन, दही, पनीर और मठ्ठा जैसे उत्पाद तैयार होकर विभिन्न जनपदों में भेजे जाते थे।

स्वतंत्रता वर्षगांठ: वाइल्डलाइफ एसओएस में 10 और 15 साल पूरे होने का मना जश्न

खरी कसौटी ब्यूरो

मथुरा। वाइल्डलाइफ एसओएस ने अपने दो नर हाथी, सूरज और राजेश की स्वतंत्रता वर्षगांठ मनाई है। दोनों हाथी क्रमशः 10 और 15 वर्ष की स्वतंत्रता पूरी कर रहे हैं। लंबे समय तक दुर्व्यवहार और कैद में रहने के बाद बचाए गए ये हाथी वर्तमान में मथुरा के हाथी संरक्षण और देखभाल केंद्र में विशेष पशु चिकित्सा देखभाल प्राप्त कर रहे हैं।

सूरज और राजेश को अलग-अलग परिस्थितियों में वाइल्डलाइफ एसओएस द्वारा बचाया गया था। सूरज को महाराष्ट्र के एक मंदिर से वर्षों तक एकांतवास और बंधन में रहने के बाद मुक्त कराया गया था। वहीं, राजेश को उत्तर प्रदेश के एक सर्कस से बचाया गया था, जहां उसे मनोरंजन के लिए अप्राकृतिक करतब दिखाने के लिए मजबूर किया जाता था। 55 वर्षीय सूरज को 2015 में महाराष्ट्र के सतारा में बचाया गया था। उसने अपना अधिकांश जीवन एक अंधेरे बाड़े में जंजीरों से बंधा हुआ बिताया था। वाइल्डलाइफ एसओएस के पशु चिकित्सकों की जांच में पाया गया कि उसके पैर गंभीर रूप से सड़े हुए थे, कई घाव थे, संक्रमण और कुपोषण था, और उसका बायाँ कान स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था। जिला अधिकारियों के सहयोग से उसे केंद्र में स्थानांतरित किया गया। पिछले एक दशक में, सूरज को विशेष चिकित्सा देखभाल, संतुलित आहार और दैनिक गतिविधियां प्रदान की गईं। इसके परिणामस्वरूप उसने धीरे-धीरे अपनी ताकत और आत्मविश्वास वापस पाया। आज सूरज अपने शांत स्वभाव, गन्ने और फलों के प्रति लगाव और पूल में लंबे समय तक बिताए गए घंटों के लिए जाना जाता है। वाइल्डलाइफ एसओएस राजेश के बचाव के भी 15 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। राजेश एक पूर्व सर्कस हाथी था, जिसे जबरन प्रदर्शन के जीवन से मुक्त कराया गया था। वर्षों के दुर्व्यवहार के कारण उसे गंभीर मानसिक पीड़ा हुई थी।

आलू की फसल में लाल पत्ती रोग, बढ़ी किसानों की चिंता

खरी कसौटी ब्यूरो

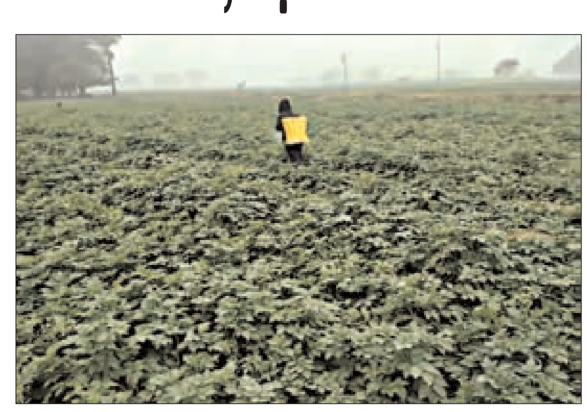

कन्नौज। जलालाबाद क्षेत्र में बिगड़ते मौसम के कारण आलू की फसल पर लाल पत्ती रोग का प्रकोप बढ़ गया है। तापमान में उतार-चढ़ाव, नमी और पाले के चलते आलू के पौधों की पत्तियां लाल पड़ने लगी हैं, जिससे किसान चिंतित हैं। किसानों का कहना है कि यदि इस रोग पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया, तो पैदावार पर गंभीर असर पड़ सकता है। रोगग्रस्त पौधों की बढ़वार रुक जाती है और कंदों का विकास भी प्रभावित होता है। अपनी फसल को बचाने के लिए क्षेत्र के किसानों ने दवाओं का छिड़काव शुरू कर दिया है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. अमर सिंह ने किसानों को आलू की फसल को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक उपाय सुझाए हैं। उन्होंने बताया कि लाल पत्ती रोग मुख्य रूप से विषाणुजनित होता है, जो कीटों के माध्यम से फैलता है। इसलिए, किसानों को सबसे पहले कीट नियंत्रण पर ध्यान देना चाहिए। डॉ. अमर सिंह ने इमिडाक्लोप्रिड या थायमेथोक्सम जैसे कीटनाशकों का अनुशंसित मात्रा में छिड़काव करने की सलाह दी है, ताकि रोग फैलाने वाले कीटों को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि फसल में संतुलित पोषक तत्वों की आपूर्ति, विशेषकर जिंक और मैग्नीशियम युक्त सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव, पौधों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। कृषि वैज्ञानिक ने सुझाव दिया कि रोगग्रस्त पौधों को खेत से निकालकर नष्ट कर दिया जाए, ताकि संक्रमण अन्य स्वस्थ पौधों तक न फैले। इसके अतिरिक्त, सिंचाई का उचित प्रबंधन और खेत में जलभराव से बचाव भी आवश्यक है। जलालाबाद के किसान कृषि वैज्ञानिकों की सलाह पर अमल कर अपनी आलू की फसल को बचाने की उम्मीद कर रहे हैं। वे लगातार खेतों की निगरानी कर रहे हैं और समय पर दवाओं का छिड़काव कर फसल को नुकसान से बचाने का प्रयास जारी रखे हुए हैं।

एक में व्यवस्थाएं संतोषजनक, दूसरे में चारदीवारी क्षतिग्रस्त

खरी कसौटी ब्यूरो

कन्नौज। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) रामकृपाल चौधरी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने नगर क्षेत्र कन्नौज के नसरापुर और जलालाबाद के अनोगी स्थित विद्यालयों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान नसरापुर विद्यालय में व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं, जबकि अनोगी विद्यालय में कुछ कमियां सामने आईं। नसरापुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में परिसर की स्वच्छता व्यवस्था संतोषजनक मिली।

छात्राओं के उपयोग के लिए बने बाथरूम स्वच्छ और सुव्यवस्थित थे, जिसके लिए अधिकारियों को पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। किचन का निरीक्षण करने पर वहां भी साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक पाई गई और पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध था। भोजन कक्ष में छात्राएं पंक्तिबद्ध होकर अनुशासित ढंग से भोजन कर रही थीं।छात्राओं को भोजन में दाल, आलू-पत्ता गोभी की सब्जी, रोटी, चावल, रायता और सलाद परोसा गया था। छात्राओं से बातचीत में पता चला कि उन्हें सुबह के नाश्ते में केला, दूध, कचौड़ी और अचार दिया गया था। छात्रावास (डॉरमेट्री) के निरीक्षण में ठंड के लिए पर्याप्त रजाइयों की व्यवस्था मिली, हालांकि दो खिड़कियों के शीशे टूटे पाए गए, जिन्हें तुरंत ठीक कराने के निर्देश वार्डन को दिए गए।

छात्राओं के कपड़ों की धुलाई के लिए वॉशिंग मशीन भी चालू हालत में मिली। विद्यालय में स्थापित आरओ पेयजल प्रणाली पूरी तरह कार्यरत पाई गई, जिससे छात्राओं को शुद्ध पेयजल मिल रहा था। कंप्यूटर कक्ष में सभी कंप्यूटर कार्यरत थे और स्मार्ट क्लास का संचालन हो रहा था। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, अनोगी, जलालाबाद का निरीक्षण किया। यहां विद्यालय की चारदीवारी क्षतिग्रस्त पाई गई, जिस पर संबंधित बीडीओ से एक सप्ताह के भीतर मरम्मत या निर्माण कराने के निर्देश दिए गए। टॉयलेट ब्लॉक और बाथरूम में साफ-सफाई मिली, लेकिन पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। किचन में भी छात्राएं भोजन करती हुई पाई गईं।निरीक्षण के उपरांत मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यालयों की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने छात्राओं के हित में सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

महालक्ष्मी मंदिर में पौष माह का दूसरा मेला शुरू: मांट में फूल बंगला से सजाया

मथुरा। मांट की निकटवर्ती ग्राम पंचायत जहांगीरपुर स्थित महालक्ष्मी मंदिर में पौष माह का दूसरा मेला आज से शुरू हो गया है। पौष माह के हर गुरुवार को यहां विशाल मेला आयोजित किया जाता है। आज माह का दूसरा गुरुवार है, जिसके लिए व्यापक तैयारियां की गई थीं। पिछले कई वर्षों से दूसरे गुरुवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। महालक्ष्मी ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष सत्यप्रकाश ने बताया कि इस बार भी भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इस बार भी महालक्ष्मी ने भक्तों को मंदिर के जगमोहन में दर्शन दिए। समिति की ओर से मंदिर को फूल बंगला से सजाया गया है। मेले को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सीओ आशीष शर्मा ने जानकारी दी कि कई थानों का पुलिस बल तैनात किया गया है। पीएसी के जवान भी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद हैं। मथुरा के जहांगीरपुर के बेलवन स्थित महालक्ष्मी मंदिर में पौष माह के तीसरे गुरुवार को विशाल मेला आयोजित किया गया। इस मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालु महालक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने पहुंचे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पौष माह के प्रत्येक गुरुवार को बेलवन में महालक्ष्मी मंदिर पर मेले का आयोजन होता है। इस गुरुवार के मेले के लिए मेला समिति द्वारा कई दिनों से तैयारियां की जा रही थीं। इस बार 100 से अधिक भंडारों का आयोजन किया गया, जिसके लिए भंडारा आयोजक बुधवार रात को ही बेलवन पहुंच गए थे। गुरुवार को मंगला आरती के साथ ही मेले का शुभारंभ हो गया। मंगला आरती से लेकर देर शाम तक मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। भक्तों ने मंदिर के बाहर लगे भंडारों में प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं ने महालक्ष्मी को खिचड़ी के साथ-साथ गजक, रेवड़ी और मेवे का भोग लगाया।

संक्षिप्त खबरें

महोबा में किसानों की फसल बीमा पॉलिसी रिजेक्ट

महोबा। जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों की पॉलिसी रिजेक्ट होने की शिकायतों पर जिलाधिकारी गजल भरद्वाज की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित इस बैठक में कृषि विभाग और बीमा कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसका मुख्य उद्देश्य खरीफ फसलों के लिए किए गए बीमा आवेदनों की समीक्षा और सत्यापन प्रक्रिया की स्थिति का आकलन करना था। बैठक में बताया गया कि जिले में कुल 2 लाख 67 हजार किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए आवेदन किया था। इनमें से लगभग 1 लाख 26 हजार किसान नॉन-केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड धारक नहीं) पाए गए। जिला प्रशासन द्वारा सत्यापन के बाद, केवल 1 लाख 22 हजार किसान ही पात्र पाए गए। बैंकों ने 1231 बीमा पॉलिसियां निरस्त कर दी हैं, जबकि 2200 पॉलिसियों का सत्यापन अभी बैंकों द्वारा किया जा रहा है। जिलाधिकारी गजल भरद्वाज ने बताया कि 1 लाख 41 हजार नॉन-केसीसी किसानों की पॉलिसियों की जांच के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। इनमें से 82,028 आवेदन सत्यापन के लिए तीनों तहसीलों को भेजे गए हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने दस्तावेज सही तरीके से अपलोड करें, ताकि वे योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

पूर्व विधायक दीपनारायण यादव ने किया सरेंडर: डकैती केस में 27 दिन से फरार थे, चकमा देकर पहुंचे कोर्ट

झांसी। सपा के पूर्व विधायक दीपनारायण यादव ने गुरुवार सुबह कोर्ट में सरेंडर कर दिया। वह डकैती और रंगदारी के केस में 27 दिन से फरार थे। पुलिस उनको गिरफ्तार करने के लिए पहले से सख्त पहरा लगाए हुए थी लेकिन उसे भनक तक न लगी। पहले 16 दिसंबर को उनको कोर्ट में सरेंडर करना था। मगर उस दिन कोर्ट में पुलिस की सतर्कता की वजह से वह नहीं पहुंचे। गुरुवार सुबह पुलिस को चकमा देकर अचानक कोर्ट खुलने से पहले ही पहुंच गए। पुलिस कुछ जान पाती इसके पहले उन्होंने कोर्ट पहुंचते ही जज के सामने सरेंडर कर दिया। 22 दिनों से पुलिस पूर्व विधायक की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही थी। फरार घोषित पूर्व विधायक के खिलाफ डीएम ने गैंगस्टर एक्ट में कुर्की के आदेश दिए थे।। 13 दिसंबर को पुलिस ने दीपनारायण यादव की 20 करोड़ रुपए की 3 प्रॉपर्टी कुर्क की थी। इसमें कुरगुआंजी स्थित प्लाट, भगवंतपुरा में मून सिटी की जमीन और बनगुआ गांव की जमीनें शामिल हैं। दो दिन पहले उनके मकान पर कुर्की का नोटिस चस्पा किया गया था। दीपनारायण यादव, समाजवादी पार्टी की टिकट पर गरौठा विधानसभा से चुनाव जीतकर विधायक बने थे। उन पर करीब 65 मुकदमें दर्ज हैं।

दो दोस्तों को गाड़ी ने मारी टक्कर, दोनों की मौत

मथुरा। बुधवार की देर रात दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर गाड़ी ने दो बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों अपनी नई बाइक से मथुरा से दवा लेकर फरह कस्बे में अपने घर के लिए लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही रिफाइनरी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फरह के रहने वाले शिव शंकर और उनके दोस्त राजकुमार बुधवार की शाम को मथुरा दवा लेने आए थे। वह देर रात दवा लेकर वापस अपने घर के लिए जा रहे थे। दोनों जैसे ही थाना रिफाइनरी क्षेत्र के बाद पुल के पास स्थित एगक्कपंप पर पहुंचे, तभी गाड़ी ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में देर रात ही दोनों की मौके पर मौत हो गई। हादसे में मृत हुए दोनों दोस्त सरकारी नौकरी में थे। शिवशंकर मथुरा के दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन के पास स्थित फाटक पर गेटमैन थे, जबकि उनके दोस्त राजकुमार आगरा के अछनेरा ब्लॉक के सिंघना उच्च प्राथमिक विद्यालय में टीचर थे। दोनों के मकान आमने-सामने होने के कारण दोनों में गहरी दोस्ती थी। हादसे में जान गवाने वाले गेटमैन शिवशंकर ने सोमवार को ही नई अपाचे बाइक खरीदी थी। इसी बाइक से दोनों दोस्त दवा लेने मथुरा गए थे।

पशुचर भूमि पर श्मशान निर्माण का विरोध: गांव के लोगों ने डीएम से की शिकायत, कार्रवाई की मांग

मथुरा। मथुरा सदर तहसील के ऊँचागांव कुदरवन में पशुचर भूमि पर श्मशान निर्माण का विरोध हो रहा है। दर्जनों ग्रामीण जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने की मांग करते हुए शिकायती प्रार्थनापत्र सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान द्वारा जबरन ग्राम सभा की पशुचर भूमि पर श्मशान का निर्माण कराया जा रहा है। उनका कहना है कि श्मशान के लिए अलग से भूमि पहले से निर्धारित है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान और लेखपाल की मिलीभगत से श्मशान की मूल भूमि अन्य लोगों को दे दी गई है, जिस पर बाउंड्री भी करा दी गई है। जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थनापत्र में ग्रामीणों ने बताया कि कुदरवन एक प्रसिद्ध धार्मिक और तपोवन स्थल है। यहां वल्लभाचार्य जी की बैठक, कपिल भगवान का मंदिर, कृष्णकुंड, गंगा सागर, कमोद विहार, राधा-कृष्ण मंदिर, चैतन्य महाप्रभु जी की बैठक और शनिदेव मंदिर जैसे कई महत्वपूर्ण स्थल स्थित हैं। देश-विदेश से श्रद्धालु यहां गंगा सागर में स्नान और आचमन के लिए आते हैं। ग्रामीणों का तर्क है कि ऐसे पवित्र स्थल के समीप पशुचर भूमि पर श्मशान निर्माण से धार्मिक महत्व प्रभावित होगा। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की अधिकांश जनता श्मशान निर्माण का विरोध कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य नहीं रोका गया, तो गांव में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

यूपी कबड्डी लीग के लिए विजय अभियान का आगाज

मथुरा। उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग (यूपीकेएल-2025) में भाग लेने जा रही ब्रज स्टार्स टीम ने मथुरा में अपने विजय अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। टीम ने आध्यात्मिक अनुष्ठानों और संतों के आशीर्वाद के साथ अपनी तैयारी शुरू की। सुबह ब्रज स्टार्स टीम के खिलाड़ियों और प्रबंधन ने वृंदावन स्थित केली कुंज आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। महाराज ने खिलाड़ियों को अंगवस्त्र पहनाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके बाद टीम ने यमुना नदी का विधि-विधान से पूजन किया। उन्होंने ठाकुर बांके बिहारी महाराज के दर्शन कर आगामी मुकाबलों में जीत का संकल्प लिया। संतों के आशीर्वाद के बाद टीम ने एक आशीर्वाद यात्रा भी निकाली, जिससे उन्हें जनसामान्य का समर्थन मिला। आध्यात्मिक अनुष्ठानों के बाद मसानी रोड स्थित ओम पैराडाइज में एक कर्टेन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ब्रज स्टार्स का आधिकारिक थीम सॉन्ग लॉन्च किया गया। वृंदा ग्रुप के चेयरमैन राम अग्रवाल ने ट्रॉफी का अनावरण किया।

प्रयागराज जं.-शकूर बस्ती विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये गाड़ी सं. 02417/02418 एवं 02275/02276 प्रयागराज जं.-शकूर बस्ती विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 02417/02418 एवं 02275/02276 प्रयागराज जं.-शकूर बस्ती विशेष रेलगाड़ी

02417/02275 प्रयागराज जं.-शकूर बस्ती		स्टेशन	02418/02276 शकूर बस्ती-प्रयागराज जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	23:20	प्रयागराज जं.	04:30	--
00:48	00:50	फतेहपुर	01:00	01:02
02:05	02:10	गोविन्दपुरी	23:45	23:50
04:30	04:32	इटावा	21:40	21:42
06:20	06:25	टूण्डला	19:40	19:45
07:38	07:40	अलीगढ़	17:28	17:30
11:25	11:35	नई दिल्ली	14:35	14:45
12:15	--	शकूर बस्ती	--	13:50

(1) प्रयागराज जं. से: गाड़ी सं. 02417 प्रत्येक रविवार एवं शुक्रवार, दिनांक 21.12.25 से 28.12.25, शकूर बस्ती से: गाड़ी सं. 02418 प्रत्येक सोमवार एवं शनिवार, दिनांक 22.12.25 से 29.12.25

गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-05, वातानुकूलित तृतीय इकॉनमी श्रेणी-05

(2) प्रयागराज जं. से: गाड़ी सं. 02275 प्रत्येक शनिवार एवं गुरुवार, दिनांक 20.12.25 से 27.12.25, शकूर बस्ती से: गाड़ी सं. 02276 प्रत्येक रविवार एवं शुक्रवार, दिनांक 21.12.25 से 28.12.25

गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-03, वातानुकूलित तृतीय इकॉनमी श्रेणी-03, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी-01

नोट: ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हैल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2451/25 (MG)

आशाओं ने जिलाधिकारी ऑफिस घेरा, किया प्रदर्शन

जिलाधिकारी ने मुलाकात कर लिया ज्ञापन, ज्ञापन में वेतन बढ़ाने और स्थायी नौकरी की मांग; बोलीं- 7 महीने से सैलरी नहीं मिली

कानपुर। कानपुर के डीएम ऑफिस में गुरुवार को सैकड़ों आशा वर्कर्स अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठ गईं। कलेक्ट्रेट के सामने वाली सड़क में बैठी आशा कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। आशा वर्कर्स की मांग है कि हमारा वेतन बढ़ाकर 15 से 20 हजार रुपए किया जाए।

आशा वर्कर्स धूप, बरसात और कड़ाके की ठंड में लगातार काम करती हैं। कई आशा ने बताया कि उन्हें 6 से 7 महीने से वेतन नहीं मिला, तत्काल वेतन भुगतान किया जाए। आशा को स्थायी किया जाए। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह आशा कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे। आशा कार्यकर्ताओं ने उनको ज्ञापन सौंपा। डीएम ने उनकी मांगों को लेकर आश्वासन दिया। बताते चलें कि इन्होंने तीन दिन पहले सीएमओ ऑफिस में आशा कार्यकर्ताओं ने धरना दिया था। वहां पर सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी ने ज्ञापन लिया और मांगों को लेकर शासन से बात करने का आश्वासन दिया था। आशा वर्कर्स ने कहा- हमारा वेतन बढ़ाकर 15 से 20 हजार रुपए किया जाए। आशा वर्कर्स धूप, बरसात और कड़ाके की ठंड में लगातार काम करती हैं। इसके बावजूद उन्हें कम पैसे मिलते हैं। कई आशा ने कहा- 6 से 7 महीने से वेतन नहीं मिला, तत्काल वेतन भुगतान किया जाए। आशा को स्थायी किया जाए। आशा ने कहा- टुकड़ों में भुगतान किया जाता है, वह भी पूरा नहीं मिलता। ज्योति ने कहा कि घर या खुद की तबीयत खराब होने पर अधिकारियों द्वारा काम से निकालने की धमकी दी जाती है।

आशा ने कहा- कम वेतन के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। सरकार बेटी पढ़ाओ का नारा देती है, लेकिन इतने कम मानदेय में बच्चों को कैसे पढ़ाया जाए। मानदेय बढ़ाया जाए, ताकि वे अपने बच्चों को पढ़ा-लिखाकर अधिकारी बना सकें। आशा वर्कर्स ने कहा, हमारी प्रमुख मांगें आशा वर्कर्स को 45/46वें भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों के अनुरूप राज्य स्वास्थ्य

खरी कसौटी
ब्यूरो

कर्मी का दर्ज़ा देकर न्यूनतम वेतन, मातृत्व अवकाश, ईएसआई, भविष्यनिधि, ग्रेच्युटी और पेंशन, 10 लाख का स्वास्थ्य बीमा, 50 लाख का जीवन बीमा गारंटी, आशा कर्मियों के काम के घंटे तय करें। 2017 से अब तक लंबित भुगतानों को पूर्ण करने समेत अन्य जब तक पूरी नहीं होंगी, धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। आशा कार्यकर्ता सन्नो चौरसिया ने बताया कि अनुग्रह राशि, नियमित प्रोत्साहन मानदेय और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत देय भुगतान लंबे समय से लंबित हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अधिकारियों से कई बार मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सन्नो चौरसिया ने यह भी आरोप लगाया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी बनाने का कार्य आशा कार्यकर्ताओं ने जिम्मेदारी से पूरा किया, लेकिन इसके लिए उन्हें आज तक मानदेय का भुगतान नहीं किया गया। आशा कार्यकर्ताओं की मुख्य मांगों में उन्हें वेतनभोगी कर्मचारी का दर्ज़ा देना और न्यूनतम 21 हजार रुपए मासिक वेतन सुनिश्चित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, प्रसव कराने पर मिलने वाले मानदेय के बकाया भुगतान की भी तत्काल मांग की गई है। प्रदर्शनकारी आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने उनसे संपर्क नहीं किया है और न ही कोई आश्वासन दिया गया है। इस स्थिति से कार्यकर्ताओं में असंतोष है। आशा वर्कर पूरी तरह से सरकारी नौकरी नहीं है; वे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत मानदेय-आधारित स्वास्थ्य स्वयंसेवक होती हैं, जो सरकारी स्वास्थ्य ढांचे का हिस्सा हैं लेकिन नियमित सरकारी कर्मचारियों के समान वेतन, पेंशन या अन्य लाभ नहीं मिलते, हालांकि उन्हें उनके काम के लिए प्रोत्साहन और मानदेय मिलता है, जिसे समय-समय पर बढ़ाया जाता है। आशा कार्यकर्ता अपने समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच बनाने और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने वाली प्रशिक्षित स्वयंसेवक होती हैं, न कि नियमित सरकारी कर्मचारी। उन्हें मासिक मानदेय और कार्य-आधारित प्रोत्साहन (जैसे प्रति डिलीवरी 600) मिलते हैं, जो सरकारी कर्मचारी के वेतन से अलग है। उनकी भर्ती राज्य स्वास्थ्य विभाग के तहत होती है और यह ग्राम सभा या स्थानीय निकायों की भागीदारी से होती है, जिसके विज्ञापन स्थानीय स्तर पर निकलते हैं। उन्हें पेंशन, मातृत्व लाभ या अन्य नियमित सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाले लाभ नहीं मिलते, लेकिन कुछ राज्यों में कल्याणकारी योजनाएं हो सकती हैं। कम वेतन, अनियमित प्रोत्साहन और स्थायी दर्ज़ा न मिलना उनकी प्रमुख चुनौतियाँ हैं। संक्षेप में, आशा कार्यकर्ता सरकार द्वारा समर्थित एक महत्वपूर्ण सामाजिक स्वास्थ्य कार्यबल हैं, लेकिन उन्हें नियमित सरकारी नौकरी की श्रेणी में नहीं रखा जाता है।

तालाब से बाहर निकले दो मगरमच्छ दहशत में निवासी मकान छोड़कर भागे

खरी कसौटी ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर स्थित एक तालाब में दो मगरमच्छ देखे जाने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार वन विभाग और अन्य अधिकारियों को इसकी सूचना दी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। दहशत के कारण तालाब से सटे दो मकानों में रहने वाले लोग अपने घरों को छोड़कर चले गए हैं और मकानों में ताले लगे हुए हैं।

यह मामला कल्याणपुर की गुप्ता सोसाइटी, नई बस्ती के पास बने तालाब का है। गुरुवार को मगरमच्छ दिखने के बाद क्षेत्र में दहशत फैल गई। स्थानीय निवासी बृजेश श्रीवास्तव ने बताया कि वे दो साल पहले यहां रहने आए थे। करीब दो साल से तालाब में दो विशाल मगरमच्छ दिख रहे हैं, जिससे इलाके में डर का माहौल है। निवासियों का कहना है कि मगरमच्छ दिखने के बाद उन्होंने कई बार वन विभाग सहित अन्य अधिकारियों को सूचित किया। वन विभाग के अधिकारी एक-दो बार आए भी, लेकिन मगरमच्छ को पकड़ा नहीं गया। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि बरसात के समय मगरमच्छ बिल्कुल घरों के पास आ जाते हैं, जिससे उन्हें घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ता है।

मगरमच्छ दिखने के बाद स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामले में कल्याणपुर एसीपी आशुतोष कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों से मगरमच्छ दिखने की सूचना मिली है। मौके पर पुलिस बल भेजा गया है और वन विभाग की टीम को भी सूचित किया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही मगरमच्छों का रेस्क्यू किया जाएगा।

भाजपा जिला कार्यालय घेरने जा रहे कांग्रेसी गिरफ्तार

खरी कसौटी ब्यूरो

कानपुर। नेशनल हेराल्ड मामले और मनरेगा का नाम बदलने के मामले में भाजपा जिला कार्यालय घेरने के लिए गुरुवार को तिलक हाल से सैकड़ों कांग्रेसियों पैदल निकले। नारेबाजी करते हुए जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने अस्पताल रोड पर बेरिकेटिंग लाकर रोका। रोके जाने के बाद कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नारेबाजी कर रहे कांग्रेसियों को पुलिस गिरफ्तार कर पुलिस लाइन ले गई।

जहां से कुछ देर बाद निजी मुचलके पर छोड़ दिया गया। कांग्रेस नगर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने बताया कि कांग्रेसी नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की चार्जशीट दिल्ली का स्थानीय अदालत द्वारा स्वीकार न किए जाने के बाद नवीन मार्केट स्थित भाजपा जिला कार्यालय का घेराव करने जा रहे थे। हम यह बताना चाहते थे कि राहुल गांधी व सोनिया गांधी पर लगे आरोप निराधार है। इसी बीच हम संवैधानिक तरीके से जा रहे तभी परेड अस्पताल रोड पर हमको रोका गया। पुलिस ने हमको भाजपा जिला कार्यालय जाने से रोका। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद कांग्रेसियों ने जमकर नारेबाजी की। पुलिस द्वारा कांग्रेसियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस लाइन ले जाया गया। जहां कांग्रेसियों ने रघुपति राघव राजा राम (राम-धुन) गाई। कुछ समय पुलिस लाइन में रखे जाने के बाद कांग्रेसियों को निजी मुचलके पर छोड़ दिया गया। बताते चलें कि बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय घेरने जा रहे लखनऊ जा रहे कांग्रेसियों को जाजमऊ चौराहे के पास पुलिस ने हिरासत में लिया था। प्रदर्शन की सूचना पर गुरुवार को कांग्रेसियों को पुलिस ने नजरबंद कर दिया। कांग्रेस नेता व एआईसीसी सदस्य विकास अवस्थी के बर्रा 2 आवास पर पुलिस ने देर रात ही पहुंचकर नजरबंद कर दिया। इस मौके पर कांग्रेस नेता जेपी पाल, प्रभाकर पाण्डे ,सोनू मारवाह और अनुराग पाल आदि रहे।

कानपुर में 2 दिन बंद रहेंगे सभी स्कूल, डीएम ने जारी किए आदेश

खरी कसौटी
ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में गुरुवार सुबह से घना कोहरा छाया रहा। हाईवे पर वाहनों की रफ्तार धीमी है। बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री गिरकर 6 डिग्री पर आ गया, जो कि यूपी में सबसे कम है।

कानपुर की रात को प्रदेश में सबसे ठंडा दर्ज किया गया। इसी के साथ अधिकतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो कि सामान्य से 4.6 डिग्री कम है। दिन में निकलने वाली धूप में भी तेजी नहीं रही। दिन में भी चली हवाएं लोगों को ठंडक का एहसास कराती रही। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान में उतार चढ़ाव जारी रहेगा। आने वाले दो दिनों में घने

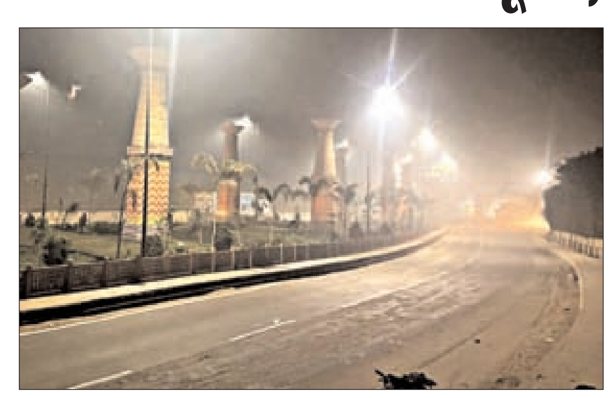

कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। ठंड को देखते हुए 19 और 20 दिसंबर को सभी स्कूल बंद रहेंगे। यह आदेश डीएम ने दिया है।

शीतलहर के मद्देनजर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने 19 और 20 दिसंबर को नर्सरी से 12वीं तक के सभी स्कूलों में अवकाश की घोषणा की है। यह घोषणा उन्होंने नगवाँ स्थित प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के सामने की, जिससे बच्चों में खुशी की लहर दौड़ गई। जिलाधिकारी को पिछले कुछ दिनों से बच्चों के सरकारी मोबाइल नंबर पर लगातार अवकाश की मांग से जुड़े संदेश मिल रहे थे। प्रिया, प्रांशु, संवृद्धि, पल्लू, प्रसिद्धि और नमा जैसे कई बच्चों ने ''डीएम अंकल छुट्टी कर दीजिए'' लिखकर संदेश भेजे थे। जिलाधिकारी ने इन संदेशों को गंभीरता से संज्ञान में लिया। श्री सिंह आज प्राथमिक विद्यालय नगवाँ में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला स्पेस साइंस एंड इनोवेशन लैब के शुभारंभ के अवसर पर पहुँचे थे। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पहली बार खुले मंच से बच्चों को यह अवकाश उपहार स्वरूप देने की घोषणा की। जिलाधिकारी की घोषणा के अनुसार, नर्सरी से कक्षा 12 तक के सभी विद्यालय 19 और 20 दिसंबर को बंद रहेंगे। यह खबर सुनते ही बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। बच्चों ने तालियों और उत्साह के साथ जिलाधिकारी का धन्यवाद किया। यह अवसर उनके लिए यादगार बन गया, जब उन्हें स्वयं जिलाधिकारी द्वारा मंच से दो दिनों की छुट्टी का तोहफा मिला। बीते दो दिनों से कोहरे के साथ पड़ रही कड़ाके की ठंड से लोगों की दिनचर्या में बदलाव किया है। सर्दी से बचाव के लिए आमजन सड़क किनारे अलाव तापते नजर आ रहे हैं। सर्दी के मौसम में नगर निगम व प्रशासन की ओर से अलाव के लिए चौराहों में लकड़ी दिए जाने की बात कही जा रही है लेकिन वह नाकाफी है। सर्दी और कोहरे का असर आमजनों के साथ साथ परिवहन के साधनों पर भी पड़ रहा है। बुधवार को राजधानी व गरीब रथ समेत 10 ट्रेनें देरी से कानपुर सेंट्रल पहुंची। 22823 भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस समय से 11 घंटे 51 मिनट देरी से आई। सुबह 4.40 पर आने वाली राजधानी शाम 04.31 पर सेंट्रल पहुंची। इसके अलावा 22405 भागलपुर गरीब रथ एक्सप्रेस समय से 15 घंटे 34 मिनट देरी से आई।

संक्षिप्त खबरें

स्कूल बस कंटेनर में टकराई: ड्राइवर घायल, 15 बच्चे सुरक्षित; एक्सप्रेसवे अंडरपास पर हुआ हादसा

कानपुर। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के अंडरपास के पास कानपुर में गुरुवार सुबह हादसा हुआ। स्कूली बस पीछे से कंटेनर से टकरा गई। बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बस ड्राइवर घायल है, हालांकि सभी बच्चे सुरक्षित हैं। हादसा अरौल थाना के मकनपुर में एक्सप्रेसवे के अंडरपास के पास हुआ। बीबीपुर स्थित प्रभा सनराइज एजुकेशन सेंटर की बस लगभग 15 बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। मकनपुर क्षेत्र में अंडरपास के पास बिल्हौर से कन्नौज के ठठिया की ओर जा रहे कंटेनर चालक ने अचानक तेज रफ्तार में वाहन मोड़ दिया, जिससे पीछे आ रही स्कूली बस उससे टकरा गई। टक्कर से बस चालक, सिंघौली गांव निवासी वीरेश तिवारी को मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और घायल चालक को इलाज के लिए भेजा। घटना की सूचना मिलते ही बच्चों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए और अपने बच्चों को घर ले गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा कंटेनर चालक की लापरवाही के कारण हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कंटेनर तथा बस को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने कंटेनर चालक को भी हिरासत में ले लिया है। इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव ने बताया कि सभी बच्चे पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी को कोई चोट नहीं आई है। पुलिस वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि तहरीर मिलने पर कंटेनर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गौ सेवा आयोग अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता कानपुर पहुंचे: सरसौल ब्लॉक प्रधान संघ अध्यक्ष से की मुलाकात

कानपुर। उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता कानपुर पहुंचे। यहां उन्होंने सरसौल ब्लॉक के प्रधान संघ अध्यक्ष अरुण तोमर (रोहित) से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान क्षेत्र की गौशालाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। अरुण तोमर ने गौ सेवा अध्यक्ष से सरसौल ब्लॉक क्षेत्र की गौशालाओं का निरीक्षण करने का आग्रह किया। उन्होंने गौशालाओं की व्यवस्थाओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश देने का निवेदन किया, ताकि उनमें सुधार किया जा सके। इस अवसर पर अरुण तोमर ने गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष को पटका पहनाकर सम्मानित भी किया। अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने इस दौरान कहा कि सरकार की नीति है कि किसानों के पास गोवंश हो और खेतों में गोबर गैस के प्लांट स्थापित हों, जिससे गोबर का उचित उपयोग किया जा सके।उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गौ सेवा को लेकर काफी सक्रिय हैं। इसी क्रम में वे प्रदेश में गौवंश के लिए कार्य करने के साथ-साथ प्रदेश सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। इस मौके पर अजय प्रताप सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्ट्रेचर पर लेटकर कोर्ट पहुंचा एक साल से फरार युवक

कानपुर। एक साल से फरार चल रहा युवक कानपुर कोर्ट में आज दोपहर करीब 12 बजे स्ट्रेचर पर लेटकर हाजिर होने पहुंचा। युवक का पत्नी से पांच सालों से विवाद चल रहा था, जिसमें हाजिर न होने के कारण कोर्ट ने उसके खिलाफ गैर जमानतीय वारंट जारी किया था। हाजिर न होने पर कुर्की के आदेश जारी कर दिए गए थे। गुरुवार को स्ट्रेचर में लेकर परिजन उसे कोर्ट पहुंचे, जहां गंभीर हालत देख कोर्ट ने उसे जमानत दे दी। अधिवक्ता विनोद पाल ने बताया कि बर्रा थानाक्षेत्र में रहने वाले युवक की 2018 में चकेरी निवासी युवती से शादी हुई थी। एक सप्ताह बाद युवती पति को छोड़कर अपने मायके चली गई, जिसके बाद ससुराल वापस नहीं लौटी। उन्होंने बताया कि कुछ समय बाद महिला ने पति के खिलाफ अमानत में खयानत व दहेज प्रथा का मुकदमा दाखिल किया। जिसमें आरोप लगाया कि ससुरालीजनों ने दहेज में दिए गए कैश समेत 25 से 30 लाख का सामान हड़प लिया। मामला न्यायिक मजिस्ट्रेट 9 की कोर्ट में ट्रायल पर है। अधिवक्ता विनोद पाल ने बताया कि युवक को 2020 में ब्रेन हेमरेज हो गया था, जिसके बाद से वह चलनेऽफिरने व बात करने में असमर्थ है। उसका लखनऊ पीजीआई में इलाज चल रहा है। जिस कारण वह कोर्ट में पेश नहीं हो पा रहा था। युवक के अधिवक्ता विनोद पाल ने कोर्ट में मेडिकल रिपोर्ट दाखिल की, लेकिन महिला पक्ष ने रिपोर्ट झूठी होने का हवाला दिया।

डीएम-सीडीओ ने केक कटवाकर मनाया बच्ची का बर्थडे

खरी कसौटी ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के नगवां प्राथमिक विद्यालय परिसर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में गुरुवार का दिन कुछ अलग था। यहां बच्चों की हंसी, खिलखिलाहट और चमकती आंखों ने पूरे माहौल को उत्सव में बदल दिया। अवसर था आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाली नन्हीं इशिता के चौथे जन्मदिन का। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह व सीडीओ दीक्षा जैन ने बच्ची का केक कटवाया और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

यह आयोजन केवल एक बच्चे के जन्मदिन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उस बदलती आंगनबाड़ी व्यवस्था की तस्वीर बना, जहां बचपन को सहेजने और मुस्कान संजोने की कोशिश साफ दिखाई दी। फूलों और रंगीन गुब्बारों से सजे आंगनबाड़ी केंद्र में जैसे ही इशिता ने केक काटा, तालियों और बच्चों की खुशी से पूरा परिसर गूंज उठा। केक के साथ खिली इशिता की मुस्कान मानो पूरे केंद्र में फैल गई। इस खुशी के मौके पर परी, मिस्टी, रूद्र, जयंती सहित आंगनबाड़ी केंद्र

के सभी 27 बच्चे मौजूद रहे। बच्चों के लिए विशेष पकवान तैयार किए गए, चॉकलेट और टॉफियां बांटी गईं। नन्हे हाथों में मिठास और चेहरों पर मुस्कान थी। जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया, उनके साथ बैठकर बात की और आंगनबाड़ी केंद्र की गतिविधियों को करीब से देखा। जिलाधिकारी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र अब केवल पोषण और टीकाकरण तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि ये बच्चों के भावनात्मक, सामाजिक और बौद्धिक विकास की मजबूत नींव बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे छोटे-छोटे आयोजन बच्चों के मन में अपनापन, सुरक्षा और आत्मविश्वास पैदा करते हैं। मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में माहौल को बच्चों के अनुकूल और आनंददायक बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यहां शिक्षा, पोषण और देखभाल के साथ-साथ बच्चों की मुस्कान भी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जब बच्चे खुशी के साथ सीखते हैं, तभी उनकी मजबूत नींव रखी जा सकती है। इस अवसर पर सीडीपीओ रत्ना श्रीवास्तव, मुख्य सेविका अनामिका एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुमन मौजूद रहे।

तीन क्षेत्रों में दो महिलाओं समेत 3 ने किया सुसाइड

कानपुर। कानपुर में पनकी, कल्याणपुर और नवाबगंज में 24 घंटे के भीतर दो महिलाओं समेत तीन लोगों ने फंदे से लटक कर सुसाइड कर लिया। पनकी में नौकरी की तलाश में निकले युवक शव घर से 500 मीटर की दूरी पर स्थित पशुबाड़े में लटकता मिला। सुंदरनगर निवासी 32 वर्षीय सुमित सिंह लोडर चालक था। परिवार में पत्नी सपना, दो वर्षीय बेटा व बेटी इश्किा है। पिता शिव बहादुर सिंह ने बताया कि सुमित अपनी लोडर चलाता था, लेकिन समय से किस्त जमा नहीं हो पाने के कारण फाइनेंस कंपनी ने लोडर जब्त कर लिया था। जिस कारण वह दो माह से वह बेरोजगार चल रहा था। कमाई का जरिया बंद होने से वह तनाव में था। वहीं कल्याणपुर के बारा सिरोही निवासी अंकित दुबे की 31 वर्षीय पत्नी ज्योति ने फांसी लगाकर जान दे दी। ज्योति के पित प्रापर्टी डीलर का काम करते हैं और दो बेटे उत्कर्ष व हर्ष है। दुर्गापुरवा निवासी सोने लाल निषाद खेती-किसानी करते हैं। सोने लाल के मुताबिक गांव में ही रहने वाली उनकी ताई सियादुलारी की बुधवार को तेरहवीं थी। वह अंदर पहुंचे तो पत्नी का शव फंदे से लटका था।

डीएम ने समाधान के लिए 20 दिसंबर तक का समय मांगा

खरी कसौटी ब्यूरो

उप-निबंधन कार्यालय विवाद, अधिवक्ता धरने पर: बार काउंसिल सदस्य का मिला समर्थन

कानपुर। बिल्हौर तहसील परिसर में संचालित उप-निबंधन कार्यालय के नए भवन को अन्य स्थान पर बनाए जाने के प्रस्ताव ने अधिवक्ताओं का आक्रोश भड़का दिया है। तहसील परिसर में ही नए भवन निर्माण की मांग को लेकर अधिवक्ता पिछले एक सप्ताह से धरने पर बैठे हैं। बावजूद इसके अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आ सका है।

गुरुवार को बार काउंसिल चुनाव में प्रत्याशी अनुराग पांडेय और राम प्रकाश गुप्ता बिल्हौर पहुंचे और आंदोलनरत अधिवक्ताओं को अपना समर्थन दिया। इस दौरान बार काउंसिल सदस्य अनुराग पांडेय ने

बताया कि उनकी जिलाधिकारी से बातचीत हुई है, जिसमें डीएम ने समस्या के समाधान के लिए 20 दिसंबर तक का समय मांगा है। उन्होंने अधिवक्ताओं को भरोसा दिलाया कि जल्द ही सकारात्मक निर्णय आएगा। अनुराग पांडेय ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इसके बाद भी प्रशासन उप-निबंधन कार्यालय को तहसील परिसर से बाहर बनाने की मंशा रखता है तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता समाज हमेशा सामाजिक हितों की लड़ाई जीतता आया है और इस बार भी जीत निश्चित है।वहीं राम प्रकाश गुप्ता ने दो टूक कहा कि किसी भी कीमत पर रजिस्ट्रार कार्यालय को अन्यत्र नहीं बनने दिया जाएगा और बिल्हौर के अधिवक्ताओं के संघर्ष में उनका पूरा समर्थन रहेगा। बताया गया कि उप-निबंधन कार्यालय के नए भवन के लिए सुभानपुर मुरादनगर में 0.0610 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है,लेकिन अधिवक्ता संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। बार एसोसिएशन अध्यक्ष बृजेश कटियार, महामंत्री सौरभ कटियार और लायर्स एसोसिएशन अध्यक्ष प्रवीण कटियार व महामंत्री राजीव कटियार का कहना है कि तहसील परिसर में ही पर्याप्त भूमि उपलब्ध है। कार्यालय दूर बनने से वकीलों के साथ-साथ आम जनता को भी भारी परेशानी होगी। अधिवक्ताओं ने एसडीएम संजीव दीक्षित से लेकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक तक ज्ञापन सौंपे हैं। आश्वासन के बावजूद डीएम का ठोस निर्णय आने तक धरना जारी रखने का फैसला लिया गया है। इस दौरान सैकड़ों अधिवक्ताओं ने सड़क पर उतरकर नारेबाजी की-जोर-जुल्म की टक्कर में,संघर्ष हमारा नारा है।

संक्षिप्त खबरें

एनएच-34 से रिंग रोड तक सर्विस रोड की मांग, गडकरी से मिले अशोक रावत व अरुण पाठक

कानपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-34 (पुराना एनएच-91) से कानपुर रिंग रोड के किनारे सर्विस रोड निर्माण की मांग को लेकर सदस्य विधान परिषद अरुण पाठक और मिश्रिख सांसद अशोक रावत ने बुधवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। दोनों जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से मंत्री को मांग पत्र सौंपते हुए क्षेत्र की गंभीर यातायात समस्याओं से अवगत कराया। एमएलसी अरुण पाठक ने बताया कि उनके विधान परिषद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत तातियागंज से होकर कानपुर रिंग रोड गुजरती है, जो आगे प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल बिठूर तक जाती है। इसके बावजूद एनएच-34 से रिंग रोड को जोड़ने वाला कोई सुरक्षित व सुगम संपर्क मार्ग नहीं है। इससे स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं, व्यापारियों और औद्योगिक इकाइयों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एमएलसी ने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि वर्ष 2023 में 4/6 लेन एनएच-34 के निर्माण के बाद क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ी हैं, लेकिन बिठूर के लिए कोई सीधा व सुविधाजनक मार्ग विकसित नहीं किया गया। पहले जो चकरोड आवागमन का सहारा था, वह रिंग रोड निर्माण में समायोजित हो गया, जिससे समस्या और गंभीर हो गई है। इस अवसर पर मिश्रिख सांसद अशोक रावत ने कहा कि एनएच-34 से कानपुर रिंग रोड के किनारे सर्विस रोड का निर्माण न केवल यातायात सुरक्षा के लिए जरूरी है, बल्कि इससे क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। धार्मिक पर्यटन, स्थानीय व्यापार और उद्योगों को इससे सीधा लाभ मिलेगा। एमएलसी अरुण पाठक ने मांग की कि प्रस्तावित सर्विस रोड के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित और सुगम यातायात सुविधा मिलेगी तथा सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक विकास को नया आयाम प्राप्त होगा। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मांग को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया।

लिफ्ट देने के बहाने शिक्षक को लूटने वाले अरेस्ट: बोले- नशे का शौक पूरा करने के लिए करते थे क्राइम

कानपुर। काकादेव में शिक्षक को लिफ्ट देने के बहाने लूटने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने बुधवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में तीन नाबालिग हैं। एडीसीपी सेंट्रल अर्चना सिंह ने गुरुवार को काकादेव थाने में घटना का खुलासा करते हुए बताया कि लुटेरों ने लिफ्ट देने के बहाने शिक्षक को दो घंटे तक शहर की सड़कों पर घुमाया। इसके साथ ही उनसे नकदी, मोबाइल और क्रेडिट व डेबिट कार्ड लूट लिया। उन्होंने शिक्षक पर परिजनों से रुपये मंगाकर आनलाइन ट्रांसफर करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर वह उन्हें पीटकर मरणासन्न करने के बाद दादा नगर में स्थित सुनसान एरिया में फेंककर फरार हो गए थे। नशे का शौक पूरा करने के लिए लुटेरों ने वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने रावतपुर से दादा नगर तक 50 सीसीटीवी फुटेज की जांच से घटना का खुलासा हुआ। मूलरूप से लखनऊ के निगोहा ग्राम निवासी राजकुमार भारती सरकारी ने बताया कि वह शिक्षक है। वर्तमान में वह फर्रुखाबाद के बबना स्थित महिला शास्त्री इंटर कालेज में तैनात हैं। दो दिन की छुट्टी खत्म होने के बाद 15 दिसंबर को लखनऊ से झकरकटी बस अड्डे पहुंचे। जहां से वह रावतपुर पहुंचे वहां पर मिले कार सवार चार लोगों ने फर्रुखाबाद जाने की बात कहकर कार में बैठा लिया। आरोप है कि कुछ देर बाद रास्ते में आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने दो हजार रुपये नकद, मोबाइल और डेबिट-क्रेडिट छीन लिया। साथ ही परिवार से आनलाइन रुपये मंगाकर ट्रांसफर करने का दबाव बनाया। साथ ही उनके यूपीआई का भी पिन मांगा। जिसके विरोध करने पर आरोपितों ने उनके सिर पर लोहे की राड मारकर उन्हें लहूलुहान कर दिया। करीब दो घंटे तक शहर की सड़कों पर घुमाने के बहाने आरोपी उन्हें दादा नगर स्थित सुनसान इलाके में फेंककर भाग निकले। जिसके बाद उन्होंने गोविंद नगर थाने जाकर शिकायत की। पुलिस ने उन्हें काकादेव थाने भेजा। थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर कार सवार अज्ञात लुटेरों पर रिपोर्ट दर्जकर लुटेरों की तलाश शुरू की गई। क्राइम ब्रांच और सर्विलांस टीम की मदद से विजय नगर टीनशेड कालोनी निवासी

ईश्वर किसी को बीच में से ना उठाए तो हर इंसान को तीन उम्र से गुजरना ही पड़ेगा- बचपन, जवानी और बुढ़ापा। हमारे जीवन में एक उम्र होती है- अधेड़ उम्र। आंकड़ों के अनुसार इसे 40 से 60 के बीच माना जाता है। यही वो उम्र है, जो हमें बुढ़ापे में ले जाती है। अब इसके बीच 50 से 70 की उम्र पकड़ी जाए। जैसे इसे मिडिल एज कहते हैं, ऐसे हम इसे हाफ एज मान लें। मिडिल और हाफ में फर्क है, मध्य और आधे का। हम अपनी अधेड़ उम्र को ऐसा मानें कि आधी बीत चुकी है, आधी बची है।

सम्पादकीय

चेतावनी है पहलगाम-बोंडी हमले

केसी विश्नोई (समूह सम्पादक)

दुनिया के मानचित्र पर जब-जब निर्दोष नागरिकों का खून बहता है, तब-तब एक ही प्रश्न उठता है, आखिर आतंकवाद का यह सिलसिला कब थमेगा? भारत के कश्मीर स्थित पहलगाम से ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर के बोंडी बीच जैसे सुरक्षित माने जाने वाले पर्यटन स्थल तक, हिंसा का पैटर्न एक जैसा है, भीड़, निहत्थे लोग और अंधाधुंध हमला। न कोई युद्धभूमि, न कोई सैन्य ठिकाना, फिर भी गोलियां चलती हैं, लाशें गिरती हैं और मानवता शर्मसार होती है। बोंडी बीच की घटना ने पश्चिमी दुनिया को झकझोर दिया है, तो पहलगाम घटनाक्रम भारत के लिए कोई नई त्रासदी नहीं थी। भारत दशकों से इस आग में जल रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि जो दर्द भारत लंबे समय से झेल रहा था, उसकी आंच अब वैश्विक चौखटों तक पहुंच चुकी है। अब मौका है कि, दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होना चाहिए और भावनात्मक संवेदना से आगे बढ़कर आतंकवाद की पोषक सरकारों से ठोस सवाल पूछने चाहिए। आज सबसे असहज करने वाला और विवादास्पद प्रश्न यही है कि अधिकांश अंतरराष्ट्रीय आतंकी घटनाओं में कट्टर इस्लामिक विचारधारा से प्रेरित तत्वों की संलिप्तता क्यों बार-बार सामने आती है। भारत दशकों से आतंकवाद झेल रहा है। कश्मीर में पहलगाम, उड़ी, पुलवामा और मुंबई जैसे हमले केवल सुरक्षा चूक नहीं, बल्कि सीमा-पार प्रायोजित आतंकवाद की परिणति रहे हैं। भारत ने बार-बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह प्रश्न उठाया है कि जब आतंकवादी संगठनों की जड़ें और प्रशिक्षण शिविर स्पष्ट रूप से कुछ देशों और कट्टर नेटवर्कों से जुड़े हों, तो वैश्विक समुदाय कठोर कार्रवाई करने से क्यों बचता है? पहलगाम जैसे पर्यटन स्थल पर हमला यह दर्शाता है कि आतंकवादियों का उद्देश्य सैन्य जीत नहीं, बल्कि डर का वातावरण बनाना है, ताकि भारत की अर्थव्यवस्था, पर्यटन और सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचे। कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों और जांचों में यह बात सामने आती रही है कि दक्षिण एशिया में सक्रिय अनेक आतंकी संगठनों को पाकिस्तान स्थित कट्टरपंथी नेटवर्कों से वैचारिक या लॉजिस्टिक समर्थन मिलता है। यही कारण है कि भारत बार-बार यह कहता रहा है कि आतंकवाद को 'अच्छा' और 'बुरा' में बांटना अंततः पूरी दुनिया के लिए घातक सिद्ध होगा। दुर्भाग्यवश, जब तक यह आग दूसरों के घर में लगी रहती है, तब तक वैश्विक शक्तियां कूटनीतिक औपचारिकताओं से आगे नहीं बढ़ती हैं। बोंडी बीच जैसी घटनाएं इसी उदासीनता का परिणाम हैं। आज जो कट्टरता दक्षिण एशिया में पन रही है, वह वैश्वीकरण के दौर में सीमाओं में बंधी नहीं रह सकती। लेकिन यह सवाल पूछना पूरी तरह से जायज है कि कट्टर इस्लामी आतंकवाद के विरुद्ध मुस्लिम-बहुल देशों और समाजों में वैचारिक स्तर पर पर्याप्त प्रतिरोध क्यों नहीं खड़ा हो पाया है? क्यों आतंकवाद की स्पष्ट और एकस्वर से निंदा अक्सर राजनीतिक शर्तों में उलझकर रह जाती है? भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध अपना रुख स्पष्ट रखा है। सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने यह स्पष्ट संकेत दिए हैं कि, भारत अब केवल बयान नहीं देता, बल्कि निर्णायक कार्रवाई भी करता है। केवल संवेदनाएं व्यक्त करने से न बोंडी बीच सुरक्षित होगा, न पहलगाम। निष्कर्षतः, बोंडी बीच से पहलगाम तक फैला यह खून का नक्शा एक चेतावनी है।

अमीरी की जीवनशैली, प्रदूषण का बोझ और गरीब की त्रासदी

ललित गर्ग

आज एसी, कूलर और अन्य वातानुकूलन साधनों का बढ़ता उपयोग भी पर्यावरण संकट को गहराता जा रहा है। इससे बिजली की खपत बढ़ती है, तापमान में वृद्धि होती है और अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण का दायरा फैलता है। उद्योगों में भी पर्यावरणीय नियमों का ईमानदार पालन नहीं होता। जल संकट इसका एक और क्रूर उदाहरण है-जहां झुग्गी-बस्तियों में पीने के पानी की किल्लत है, वहीं पॉश कॉलोनियों में लॉन सींचे जाते हैं, कारें धुलती हैं और स्विमिंग पूल भरे रहते हैं। कुदरत ने हवा, पानी और संसाधन सभी के लिये दिए हैं, लेकिन अमीरी के असमान दखल ने इनके वितरण को अन्यायपूर्ण बना दिया है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप तो करते हैं, लेकिन ठोस और दीर्घकालिक समाधान सामने नहीं आते। अब समय आ गया है कि सरकार और जनता-दोनों अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएं। सरकार को सार्वजनिक परिवहन को मजबूत, सस्ता और आकर्षक बनाना होगा, उद्योगों पर पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा और शहरी विकास की नीतियों को पर्यावरण-संवेदनशील बनाना होगा। वहीं जनता को भी अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा-अनावश्यक वाहन उपयोग से बचना, ऊर्जा की खपत कम करना, एसी और अन्य सुविधाओं का संयमित इस्तेमाल करना और साझा संसाधनों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना होगा।

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आज जिस घातक पर्यावरण संकट से गुजर रही है, वह केवल एक शहर की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के लिये चेतावनी है। विडंबना यह है कि इस संकट के नाम पर जो तात्कालिक उपाय लागू किए जाते हैं, उनका सबसे बड़ा खामियाजा वही तबका भुगतता है, जिसकी इसमें सबसे कम भूमिका होती है-गरीब और श्रमिक वर्ग। इसी पीड़ा को शब्द देते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवनशैली से पैदा हुई मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। यह टिप्पणी न केवल कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और नैतिक चेतना को झकझोरने वाली भी है। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की।

वरिष्ठ अधिवक्ता और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए अदालत ने स्पष्ट कहा कि ग्रैप-4 जैसी सख्त पाबंदियों का सबसे ज्यादा असर गरीबों पर पड़ता है। निर्माण कार्य रुकते हैं, दिहाड़ी मजदूरों की रोजी-रोटी ठप हो जाती है, जबकि प्रदूषण पैदा करने वाली जीवनशैली में शामिल संपन्न तबके पर अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ता। मुख्य न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या की जड़ अमीरों की जीवनशैली है और समाधान भी वहीं से शुरू होना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अदालत ऐसे प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगी, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सख्ती से लागू भी किया जा सकेगा। जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश-पर्यावरण साफ-सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा, अपने जीवन को पर्यावरण के अनुकूल ढालना होगा एवं प्रकृति-एवं पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया अपना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर-गरीब पर समान असर पड़ता है फिर भी अमीर लोग इससे बेपरवाह रहते हैं। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने समाज की दुखती रग पर हाथ रखा है। चौड़ी होती सड़कें, नए फ्लाईओवर और हाईवे बनने के बावजूद जाम और प्रदूषण कम नहीं हो रहे। कारण साफ है निजी वाहनों का बेहिसाब इस्तेमाल। एक व्यक्ति, एक कार का चलन न केवल सड़क की जगह घेरता है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कई गुना बढ़ाता है। कभी ऑड-इवन जैसी योजनाओं पर चर्चा हुई, कार-पूलिंग की बात चली, लेकिन सार्वजनिक परिवहन को सस्ता, सुगम और भरोसेमंद बनाने की इच्छाशक्ति लगातार कमजोर रही।

आज एसी, कूलर और अन्य वातानुकूलन साधनों का बढ़ता उपयोग भी पर्यावरण संकट को गहराता जा रहा है। इससे बिजली की खपत बढ़ती है, तापमान में वृद्धि होती है और अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण का दायरा फैलता है। उद्योगों में भी पर्यावरणीय नियमों का ईमानदार पालन नहीं होता। जल संकट इसका एक और क्रूर उदाहरण है-जहां झुग्गी-बस्तियों में पीने के पानी की किल्लत है, वहीं पॉश कॉलोनियों में लॉन सींचे जाते हैं, कारें धुलती हैं और स्विमिंग पूल भरे रहते हैं। कुदरत ने हवा, पानी और संसाधन सभी के लिये दिए हैं, लेकिन अमीरी के असमान दखल ने इनके वितरण को अन्यायपूर्ण बना दिया है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप तो करते हैं, लेकिन ठोस और दीर्घकालिक समाधान सामने नहीं आते।

अब समय आ गया है कि सरकार और जनता-दोनों अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएं। सरकार को सार्वजनिक परिवहन को मजबूत, सस्ता और आकर्षक बनाना होगा, उद्योगों पर पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा और शहरी विकास की नीतियों को पर्यावरण-संवेदनशील बनाना होगा। वहीं जनता को भी अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा-अनावश्यक वाहन उपयोग से बचना, ऊर्जा की खपत कम करना, एसी और अन्य सुविधाओं का संयमित इस्तेमाल करना और साझा संसाधनों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना होगा।

विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं। सरकारों की नीतिगत विफलता इस बढ़ते वायु प्रदूषण की त्रासदी का बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है।

हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए 'आपात कदम' उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा 'महंगा विकल्प' बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है। वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है। अब समय है कि इस संकट को केवल पर्यावरणीय मुद्दा न मानकर एक सामाजिक और नैतिक चुनौती के रूप में देखा जाए।

फुटपाथों पर गुम जिंदगी

सुरेश सेठ

आजकल हर बात को आध्यात्मिक तेवर देने का जमाना हो गया है। पहले इस संसार को मोह-माया कहते थे, और जीवन को क्षणभंगुर। इसी को अब जिंदगी में उतार लिया गया। इंटरनेट की ताकत मिलने के बाजे बजने लगे। इनसान से बड़ी उसकी बनाई मशीनें हो गईं, जिन्हें रोबोट कहते हैं। अपनी बुद्धि का इस्तेमाल न कर सकने वाले लोग कृत्रिम मेधा का आविष्कार करने चले हैं। आविष्कार तो हो गया, लेकिन उसने समस्या के समाधान से पहले गहरी बनावटी मशीनें इनसान को भेंट कर दीं। इसे 'डीप फ़ेक' कहते हैं। इसे आभासी दुनिया कहते हैं अर्थात किसी भी व्यक्ति के मुंह से अपनी मर्जी के संवाद निकलवा कर, अपनी मर्जी की क्रिया करवा उसका चित्र बना कर आभासी दुनिया पैदा कर दो। इंटरनेट की ताकत मिली है। उससे अंतरराष्ट्रीय ज्ञान-विज्ञान चिकित्सा उपचार के स्थान पर ठगी अंतरराष्ट्रीय हो गई। हावर्ड और आक्सफोर्ड का ज्ञान तो आपकी नई पीढ़ी तक पहुंचा नहीं। हां, अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधों ने अवश्य आपके दरवाजों पर दस्तक दे दी है। दिन-ब-दिन इनके आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं, तो इनके विरुद्ध कार्यवाही के समाचार भी उतने ही मुखर हो गए हैं। मोबाइल की घंटी बजाओ, पहले एक लम्बा भाषण इनके विरुद्ध आपको मिलाया जाता है, नतीजा ठन-ठन गोपाल है। हां, धीरज का पाठ अवश्य मिल गया कि जरूरी से जरूरी बात करने से पहले भी यह भाषण सुनो। हां, जब ठगी हो जाए, तो इसकी शिकायत दर्ज करवाने के लिए दिए गए नंबरों पर घण्टी बजती रहती है। कोई उन्हें नहीं उठाता। सम्पर्क संस्कृति की सहायता से शिकायत दर्ज करवाओ, तो भी कोई नतीजा नहीं। न बैंकों से भुगतान रुकता है, न कभी ठगी करने वाला पकड़ा जाता है बल्कि एक उलाहना अवश्य आस-पड़ोस से मिल जाता है, 'अरे इतने समझदार और पढ़े लिखे होकर भी आप ठगी का शिकार हो गए। डिग्रियां क्या मूर्ख बनने के लिए बटोरी थीं।' जी नहीं, क्रांति की घोषणाएं करने में सक्षम होने के लिए बटोरी थीं। उनके लिए अच्छे संवाद बटोरने के लिए प्राप्त की थीं। घोषणाएं होती हैं। फुटपाथी लोगों के कायाकल्प के वायदों की उम्र पौन सदी हो गई, लेकिन बदलाव वहां का वहां खड़ा है। सडक़का आदमी मिथ्या आंकड़ों से पैदा सफलताओं के उत्सव में गुम हो गया और बहुमंजिली इमारतों के कंगूरे और भी ऊंचे होते गए। खैर, अब तो बनावटी मेधा की मशीनें भी ईजाद हो गईं। अब तो अपनी अक्ल, ज्ञान और अभिव्यक्ति के विकास की भी जरूरत नहीं। मौलिकता लम्बी छुट्टी पर चली गई। असाधारणता इनसे पैदा किए हुए संवादों में गुम हो गई। इनसे पैदा किए हुए नित्य नए संवादों से अब मंचों से क्रांतियों और परियोजनाओं की घोषणा होगी, जिनका असर कभी दिखाई नहीं देगा। अर्थात आपके भाषणों, प्रचार, उनकी घोषणाओं और दावों में मशीनी कलाई की पुलाई और हो जाएगी, और नतीजा ठन-ठन गोपाल होगा। शिक्षा क्रांति घोषणा उम्रदराज हो गई। नया सर्वेक्षण भी बताता है कि चार जमात पढऩे के बाद भी आपको अपनी भाषा की वर्णमाला के शब्द याद नहीं होते। सौ तक की गिनती नहीं कर सकते, न उल्टी न सीधी। दसवीं तक का पहाड़ा नहीं आता। दर और औसत नहीं निकालनी आती। हां, यह प्रचार सुन प्रसन्न होना अवश्य आ गया, कि आपके देश की विकास दर दुनिया में सबसे अधिक हो गई।

पीके खुराना
अध्यात्म कॉलम

बड़े भाग मानुष तनु पावा

इस संसार में तीन उपलब्धियां अत्यंत दुर्लभ हैं। प्रथम तो मनुष्य जन्म मिलना, क्योंकि यह देव-दुर्लभ है। देव योनि भोग योनि है जब तक पुण्य-कर्मों का फल शेष है, देव योनि समाप्त नहीं हो सकती। इधर जब तक पाप कर्मों का फल शेष है, तब तक मनुष्य जन्म नहीं मिल सकता है। यह भगवान की कृपा से ही सुलभ हो पाता है। इसीलिए भक्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसी दास जी कहते हैं कि 'बड़े भाग मानुष तनु पावा।' मनुष्य जन्म कोई जैविक घटना नहीं है। यह केवल मां-बाप के मिल जाने का परिणाम नहीं है। यह अस्तित्व का एक रहस्य है, एक आमंत्रण है, एक द्वार है जो केवल मनुष्य के लिए खुलता है।

समस्या यह है कि जिस चीज को हम बिना प्रयास के पा लेते हैं, उसे हल्का समझ लेते हैं। हम इसी भूल में फंसे हैं। हमें लगता है कि मनुष्य होना एक सामान्य बात है, लेकिन ऐसा नहीं है। चेतना की अनंत यात्रा में यह शरीर, यह मन, यह बुद्धि, यह सब एक दुर्लभ क्षण है। दूसरी दुर्लभ उपलब्धि है किसी सच्चे संत का सत्संग मिलना, यह कठिन इसलिए है क्योंकि यह संसार कर्मक्षेत्र है। इसमें मनुष्य प्रत्यक्ष, किंतु अंततः दुःख देने वाले कर्मों में लिप्त मिलता है। प्रथम तो संतों का मिलना ही कठिन है। मिल भी जाए तो उनको पहचानना कठिन है। तभी गोस्वामी जी ने कहा है 'बिनु हरि कृपा मिलहिं नहिं संता।'

तीसरी और सबसे दुर्लभ उपलब्धि है भगवद् भजन में रुचि होना। संसार के विषयों में आसक्ति जितनी सहज है, भजन में आसक्ति उतनी ही कठिन है। इसलिए आशुतोष भगवान शंकर ने माता पार्वती जी से कहा कि 'सुनहु उमा ते लोग अभागी। हरि तजि होहिं विषय अनुरागी।' निश्चित ही वे लोग अभागे हैं जो मनुष्य शरीर प्राप्त कर पाने के बावजूद भगवद् भजन नहीं करते तथा हरि का परित्याग कर विषयों के प्रति अनुरक्त होते हैं। मनुष्य जीवन कोई सहज घटना नहीं है। यह तो अनंत योनियों की यात्रा के बाद प्राप्त होने वाली एक दिव्य मंजिल है, एक ऐसा अवसर जिसमें चेतना अपने वास्तविक स्रोत को पहचान सकती है। जब संत परंपरा कहती है 'बड़े भाग मानुष तनु पावा', तो यह केवल कोई काव्य पंक्ति नहीं, बल्कि अस्तित्व की सबसे गहरी सच्चाई का उद्घोष है।

सच ही है कि मनुष्य जन्म मांस, रक्त और हड्डियों का ढांचा मात्र नहीं, बल्कि चेतना के जागने की खिडक़ी है। इसे पहचानें, इससे पहले कि सांसों की गिनती अपने अंतिम अंक पर पहुंच जाए। हम जब तक अपने भीतर की ज्योति को नहीं जगाते, तब तक हम संसार की विशाल भीड़ में चलते-फिरते एक अचेतन कण के समान ही हैं। हम चांद पर कदम रख चुके हैं, लेकिन अपने भीतर कदम रखना भूल गए हैं। हमने दुनिया जीत ली है, पर स्वयं को हार गए हैं। हम भूल गए हैं कि विजय बाहर नहीं, भीतर है। यही नहीं, हम यह भी भूल गए हैं कि मनुष्य वह अद्भुत जीव है जिसमें विवेक की ज्योति है, आत्मबोध की क्षमता है। उसमें यह सामर्थ्य है कि वह अपने कर्म, अपने विचार और अपने संस्कारों को बदल सके। पशु जगत में यह परिवर्तन संभव नहीं।

देव लोक में भी यह परिवर्तन दुर्लभ है, क्योंकि वहां भोग की प्रबलता है और विवेक की चुनौती नहीं। यह समझना आवश्यक है कि मनुष्य जन्म वह पुल है, जहां से हम चाहें तो ऊपर जा सकते हैं, ईश्वर की ओर, चाहे तो नीचे गिर सकते हैं, अज्ञान की ओर। यह हमारे भीतर की जागृति पर निर्भर करता है। हम अपनी बुद्धि पर गर्व तो बहुत करते हैं, परंतु जब वह भीतर के अंधकार से सामना होता है, तब हमें अपनी सीमाओं का पता चलता है। गुरु मिलना इसलिए कठिन कहा गया है क्योंकि सच्चा गुरु हमें अपने पीछे चलने को नहीं कहता, बल्कि हमें भीतर की राह पर चलना सिखाता है। भजन का अर्थ केवल नाम जप या कीर्तन नहीं है। भजन का वास्तविक अर्थ है मन को भगवद् चिंतन में स्थिर करना। संसार में आसक्ति तत्काल लगती है क्योंकि वह मन की पुरानी लत है, भजन की रुचि कठिन है क्योंकि वह मन की दिशा बदलने का प्रयास है।

हम बाहर की दिशा में अनुभवी हैं, भोजन, इंद्रियां, आशाएं, इच्छाएं, महत्वाकांक्षाएं और न जाने क्या-क्या? लेकिन भीतर की यात्रा से हम अपरिचित हैं, इसीलिए भजन में रुचि जागना स्वयं में एक क्रांति है। मनुष्य जन्म कठिन है, मिल जाए तो सौभाग्य है, लेकिन जीवन को केवल खाने-पीने, कमाने और मिट जाने की प्रक्रिया बनाकर हम इस सौभाग्य को खुद ही दुर्भाग्य में बदल देते हैं। मनुष्य जन्म आकस्मिक नहीं है, यह संयोग भी नहीं, यह हमारी लंबी-लंबी यात्राओं का सार है। हम इस धरती पर इसलिए आए हैं ताकि हमारे भीतर का बीज वृक्ष बन सके, और यही बात इस वाक्य को जीवित करती है कि बड़े भाग मानुष तनु पावा। हम पूरी जिंदगी यह साबित करने में लगा देते हैं कि हम 'जागे हुए' हैं, लेकिन भीतर कहीं एक कोना जानता है कि हम कहीं गहरी नींद में हैं। एक नींद जो सोचने, दौडऩे, कमाने, संघर्ष करने के बहाने ओढ़ी हुई है। मजेदार बात यह है कि सच्चाई खोजने में लगे लोग बड़े-बड़े तप करते हैं। कुछ लोग हिमालय जाते हैं, कुछ अकेले रहकर आत्मा तलाशते हैं, और कुछ सोचते हैं कि शायद सोलो ट्रिप से ही सब समझ आएगा, लेकिन जागृति किसी लोकेशन का प्रश्न नहीं, यह तो एक आंतरिक क्लिक है जो कभी ध्यान में होता है, कभी टूटे दिल में, कभी किसी मासूम बच्चे को देखकर और कभी-कभी तो हंसते-हंसते भी। अनायास ही एक छोटी सी जागृति की किरण उतरती है। वही क्षण भजन का बीज है।

कौन थे असली धुरंधर मेजर मोहित शर्मा?

जब कोई सैनिक शहीद होता है, तो केवल एक जीवन नहीं जाता-एक दृष्टि, एक अनुशासन, एक आदर्श समाज के सामने प्रश्न बनकर खड़ा हो जाता है। मेजर मोहित शर्मा का नाम आज फिर चर्चा में है, फिल्मों और लोकप्रिय विमर्श के कारण, लेकिन यह याद रखना ज़रूरी है कि वे किसी कथा के पात्र नहीं थे, बल्कि उस वास्तविकता का प्रतिनिधित्व करते थे, जिसे हम अक्सर पर्दे के पीछे छोड़ देते हैं। उनका जीवन और बलिदान यह सवाल पूछता है कि हम वीरता को केवल स्मारकों और फिल्मों तक सीमित क्यों कर देते हैं, जबकि वह हमारे नैतिक ढाँचे का आधार हो सकती है। मेजर मोहित शर्मा उन विरले सैनिकों में थे जिनमें असाधारण साहस और गहरी मानवीय संवेदना एक साथ मौजूद थी। 13 जनवरी 1978 को हरियाणा के रोहतक में जन्मे मोहित का बचपन साधारण था, लेकिन सपने असाधारण। इंजीनियरिंग जैसे सुरक्षित और प्रतिष्ठित मार्ग को छोड़कर उन्होंने सेना को चुना, क्योंकि उनके लिए राष्ट्रसेवा कोई करियर विकल्प नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य थी। यह निर्णय आज के समय में विशेष अर्थ रखता है, जब युवाओं को सफलता के त्वरित और व्यक्तिगत रास्ते अधिक आकर्षित करते हैं। एनडीए और आईएमए में उनका प्रशिक्षण केवल सैन्य दक्षता तक सीमित नहीं रहा। खेल, संगीत और नेतृत्व-हर क्षेत्र में उन्होंने यह सिद्ध किया कि एक सैनिक केवल हथियार चलाने वाला नहीं, बल्कि एक संपूर्ण व्यक्तित्व होता है। घुड़सवारी, बॉक्सिंग, तैराकी और संगीत के प्रति उनका प्रेम इस बात का प्रमाण था कि कठोर सैन्य जीवन के भीतर भी सौंदर्य और संवेदना के लिए स्थान होता है। यही संतुलन आगे चलकर उन्हें एक असाधारण कमांडो और भरोसेमंद नेता बनाता है। कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान मेजर मोहित शर्मा ने जो भूमिका निभाई, वह आधुनिक सैन्य इतिहास में दुर्लभ मानी जाती है। आतंकियों के बीच अपनी पहचान छिपाकर, जान जोखिम में डालकर उन्होंने ऐसे गुप्त अभियान चलाए, जिनमें गलती की कोई गुंजाइश नहीं थी। 'इफ्तिखार भट्ट' के रूप में महीनों तक दुश्मन के बीच रहना केवल साहस नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता, धैर्य और अद्भुत आत्मसंयम की माँग करता है। यह वह क्षेत्र है जहाँ सैनिक केवल बंदूक से नहीं, बल्कि बुद्धि और मनोबल से लड़ता है। उन अभियानों में उन्होंने आतंक की जड़ों को हिलाया, लेकिन कभी इसका सार्वजनिक श्रेय नहीं चाहा। सेना मेडल और प्रशंसापत्र उनके लिए उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि कर्तव्य के स्वाभाविक परिणाम थे। यही दृष्टि उन्हें भीड़ से अलग करती है-जहाँ वीरता प्रदर्शन नहीं, दायित्व बन जाती है। 21 मार्च 2009 का दिन भारतीय सेना के इतिहास में एक और स्वर्णिम, लेकिन पीड़ादायक अध्याय जोड़ गया। कुपवाड़ा के हाफरुदा जंगल में जब गोलियों की बौछार हुई और उनके साथी घायल पड़े थे, तब मेजर मोहित शर्मा ने अपने जीवन से पहले अपने सैनिकों को चुना। घायल अवस्था में भी नेतृत्व करना, दिशा-निर्देश देना और अंतिम क्षण तक लड़ते रहना केवल युद्ध कौशल नहीं, बल्कि उस सैन्य संस्कृति का प्रमाण है, जहाँ अधिकारी अपने जवानों से आगे चलता है, पीछे नहीं। उनकी शहादत के बाद मिला अशोक चक्र केवल एक वीरता पुरस्कार नहीं, बल्कि उस मूल्य-व्यवस्था की पुष्टि है, जिसमें देश सर्वोपरि होता है। उनकी पत्नी मेजर ऋषिमा शर्मा का स्वयं सेना में सेवा करना इस बात का प्रतीक है कि बलिदान केवल एक व्यक्ति का नहीं होता, वह पूरे परिवार का साझा संकल्प होता है। यह तथ्य हमें याद दिलाता है कि हर शहीद के पीछे एक मौन साहस भी होता है, जो अक्सर सुर्खियों में नहीं आता। आज जब उनकी कहानी फिल्मों के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुँच रही है, तो यह अवसर केवल गर्व करने का नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी है। क्या हम ऐसे सैनिकों को केवल युद्ध के समय याद करते हैं? क्या हमारी नागरिक चेतना में उनके बलिदान के प्रति वही गंभीरता है, जिसकी वे अपेक्षा करते थे?

इस स्थान पर बैठकर नहीं करना चाहिए भोजन

ज्योतिषाचार्य पं.अविनाश मिश्र शास्त्री (चित्रकूटधाम)

वास्तु शास्त्र में सुखी जीवन के कई नियम बताए गए हैं. भोजन से जुड़े नियम भी वास्तु शास्त्र में बताए गए हैं. वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि भोजन करने के लिए कौन दिशा शुभ होती है?

वास्तु शास्त्र में ये भी बताया गया है कि किस जगह पर बैठकर खाना नहीं खाना चाहिए? मान्यता है कि जो व्यक्ति वास्तु के नियमों का पालन नहीं करता उसको जीवन में कई परेशानियां आती हैं। उसको अशुभ परिणाम प्राप्त होते हैं. ऐसे में भोजन करते समय या उससे पहले वास्तु शास्त्र के नियमों का विशेष ध्यान रखना चाहिए. आइए जानते हैं कि भोजन के दौरान किन गलतियों को करने से बचना चाहिए? इस स्थान पर बैठकर न करें भोजन-वास्तु शास्त्र के अनुसार, किसी भी व्यक्ति को घर की चौखट पर बैठकर भोजन भूलकर भी नहीं करना चाहिए. मान्यता है कि जो व्यक्ति घर की चौखट पर बैठकर भोजन करता है, उसके घर में नकारात्मक उर्जा प्रवेश कर जाती है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, घर की चौखट पर देवी-देवता वास करते हैं. इसलिए इस जगह पर बैठकर भोजन करने से बचें।

भोजन करने के लिए ये दिशा है शुभ- वास्तु शास्त्र में भोजन करते समय दिशा का विशेष ध्यान रखने के लिए कहा गया है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूर्व दिशा की एवं उत्तर दिशा की तरफ मुंह करके भोजन करना चाहिए. इस दिशा में भोजन करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। वास्तु के अनुसार, बिस्तर (पलंग) पर और दक्षिण दिशा में बैठकर भोजन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है, धन हानि होती है और पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। भूलकर भी नहीं करनी चाहिए ये गलती-भोजन को भगवान का प्रसाद का माना जाता है, इसलिए भोजन करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बर्तन टूटा न हो. क्योंकि वास्तु के अनुसार, टूटे बर्तन में भोजन नहीं करना चाहिए. टूटे बर्तन में भोजन करने से उसका अपमान होता है. ऐसा करने वाला व्यक्ति जीवन में दुर्भाग्य का सामना करता है और अशुभ परिणाम मिलते हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार, भोजन करने के लिए पूर्व दिशा सबसे आदर्श मानी जाती है। इस दिशा में बैठकर भोजन करने से स्वास्थ्य बेहतर रहता है और मानसिक शांति मिलती है। इसके अलावा, यह दिशा पाचन क्रिया को भी सुचारु बनाए रखने में सहायक होती है, जिससे शरीर में ऊर्जा का संचार बेहतर होता है। उत्तर दिशा में बैठकर भोजन करना भी शुभ माना गया है। इस दिशा में भोजन करने से व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है और मानसिक स्पष्टता प्राप्त होती है। साथ ही, यह दिशा धन और विद्या से जुड़े कार्यों के लिए भी अनुकूल मानी जाती है। यदि कोई व्यक्ति इस दिशा में भोजन करता है, तो उसके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, दक्षिण दिशा में बैठकर भोजन करना अत्यंत अशुभ माना जाता है। इस दिशा को मृत्यु और यमराज से संबंधित माना जाता है, इसलिए इस ओर मुख करके भोजन करना अकाल मृत्यु या नकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित कर सकता है।

मैं स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक के. सी. विश्नोई द्वारा के सी प्रकाशन प्रा0 लि0 एस-20 यू.पी.एस.आई.डी.सी. औद्योगिक क्षेत्र सरोजनीनगर जिला लखनऊ से मुद्रित कराकर 109/246 रामकृष्णनगर कानपुर से प्रकाशित
सम्पादकः के. सी. विश्नोई Mob. 9415006460 RNI NO. UPHIN/2014/58320 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों का चयन रिपोर्टरों/पीआरबी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों और समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी)

पीएम ग्राम योजना की चयन कार्ययोजना में मूलभूत सुविधाओं का रखें ध्यानः डीएम

खरी कसौटी ब्यूरो

औरैया। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत जनपद के चयनित लगभग डेढ़ सैकड़ा राजस्व ग्रामों की कार्य योजना के संबंध में कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने संबंधित ग्राम सचिवों को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के अंदर राजस्व ग्रामों में पेयजल अपशिष्ट प्रबंधन, आंगनबाड़ी व स्कूलों की मरम्मत के साथ-साथ निर्माण आदि को समाहित करते हुए कार्य योजना को बनाया जाए कार्य योजना बनाते समय यह भी ध्यान रखा जाए कि संबंधित राजस्व ग्राम की प्रमुख समस्या व मूलभूत सुविधाओं को वरीयता दी जाए और यदि कहीं आवश्यकता है तो सोलर लाइट आदि को भी सम्मिलित किया जाए। उन्होंने यह निर्देश दिए कि उक्त कार्य योजना का अनुमोदन ग्राम स्तरीय समिति के अनुमोदन के पश्चात एक सप्ताह के अंदर जिला पंचायत राज कार्यालय को उपलब्ध करा दी जाए। जिलाधिकारी ने जनपद के ग्राम स्तर पर कराए गए विकास कार्यों में व्यय धनराशि की उपयोगिता निर्धारण के संबंध में जिला स्तरीय सोशल ऑडिट समिति के समक्ष प्रस्तुत प्रस्तरों के संबंध में निर्देश दिए कि जिन ग्रामों के प्रस्तरो में असंतोष जनक/ ऑब्जेक्शन ऑडिट टीम द्वारा लगाए गए उन टिप्पणियों के आधार पर आवश्यक प्रपत्र कल तक उपलब्ध कराते हुए प्रस्तरों का ऑडिट पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी ग्राम सचिवों को निर्देश दिए कि 5वें व 15वें वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि का ग्राम स्तर पर संचालित विकास कार्यों के प्रगति के सापेक्ष व्यय करना सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार, जिला विकास अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकांत यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी औरैया आदित्य कुमार तिवारी सहित ग्राम सचिव व ग्राम प्रधान आदि उपस्थित रहे।

सेमी ऑटोमेटिक मसाला पैकिंग मशीन खरीद के नाम पर किया गया खेल

खरी कसौटी
ब्यूरो

गत 02 फरवरी 2022 को लालमा व्यवसायिक फर्म को भेजे गए थे रुपए, पीएनबी के बैंक मैनेजर के कमीशन खोरी मामला

औरैया। शहर के यमुना रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक के तत्कालीन बैंक मैनेजर द्वारा लोन धारक अंजली देवी के लोन खाते से सेमी ऑटोमेटिक मसाला पैकिंग मशीन खरीद के नाम पर किस्त की धनराशि निकाली गई थी। इसके लिए तत्कालीन बैंक मैनेजर की ओर से की गई जालसाजी में लालमा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड व्यवसायिक फर्म को भुगतान के लिए कोटेशन बिल का इस्तेमाल किया गया था।

बता दें कि यमुना रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा के तत्कालीन बैंक मैनेजर आदित्य कुमार दुबे ने पद पर रहते हुए लोन धारकों के साथ कमीशन खोरी एवं उनके लोन खातों से जालसाजी कर धोखाधड़ी की नीयत से किस्तें हड़प लेने के गंभीर आरोप लगे हैं। तत्कालीन बैंक मैनेजर द्वारा किस्तों की धनराशि हड़प लेने में जो जालसाजी की गई थी, उसकी परतें अब खुलने लगी है। बैंक की लोन धारक अंजली देवी पत्नी राजीव पोरवाल निवासी गुमटी मोहाल औरैया के लोन के मामले में तत्कालीन बैंक मैनेजर द्वारा धोखाधड़ी की सारी हदें पार की गईं थी। अंजली देवी के लोन की किस्त हड़पने के लिए उक्त बैंक मैनेजर द्वारा सेमी ऑटोमेटिक मसाला पैकिंग मशीन खरीद का हवाला दिया गया था। उक्त मशीन की खरीद के लिए बैंक मैनेजर ने फर्जी व्यवसायिक फर्म लालमा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के कोटेशन बिल का प्रयोग करते हुए लोन धारक अंजली देवी के लोन खाते से नेफ्ट के जरिए हड़पी गई किस्त की धनराशि भेजी गई थी। उक्त बैंक मैनेजर द्वारा उक्त धनराशि गत 2 फरवरी 2022 को बैंक ऑफ़ बड़ोदा को भेजी गई थी। उक्त बैंक मैनेजर द्वारा सेमी ऑटोमेटिक मसाला पैकिंग मशीन की कीमत 164 255 रुपए दर्शाई गई है। इसके अलावा उक्त मशीन में की खरीद पर 18 फीसदी 29565 रुपए का जीएसटी भी दर्शाया गया है। इस तरह तत्कालीन बैंक मैनेजर द्वारा की जालसाजी का योग 193820 रुपए दिखाया गया है। कोटेशन बिल में बैंक मैनेजर द्वारा बैंक ऑफ़ बरोदा शाखा फूलगंज औरैया दर्शाई गई है जो कि बैंक का पता पूरी तरह गलत दिखाया गया है।

खरीदी है फुली ऑटोमेटिक मसाला पैकिंग मशीन

औरैया। पंजाब नेशनल बैंक की लोन धड़क एवं तत्कालीन बैंक मैनेजर आदित्य कुमार दुबे द्वारा धोखाधड़ी की शिकार बनी अंजली देवी पत्नी राजीव कुमार निवासी गुमटी मोहाल, औरैया ने दावा किया है कि उन्होंने बैंक मैनेजर द्वारा लखनऊ की ईशा पैकेजिंग फर्म से फुली ऑटोमेटिक मसाला पैकिंग मशीन खरीदी है। इसके लिए तत्कालीन बैंक मैनेजर द्वारा 247800 रुपए डीडी के जरिए उक्त फर्म को भुगतान किया गया था। इसके लिए पीड़ित अंजली का कहना है कि उन्होंने एक मशीन इंदौर की पंजाब इंजीनियरिंग वर्क्स से 109740 रुपए डीडी देकर खरीद की गई थी। लालमा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड व्यवसायिक फर्म से उनकी ओर से न कोई खरीदारी की गई और न ही लोन दस्तावेज में उक्त फर्म से संबंधित कोई कागजात संलग्न किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

युवक को बंधक बनाकर की मारपीट, जूते की माला पहनाकर वीडियो वायरल करने का आरोप

फफूँद/औरैया। थाना फफूँद क्षेत्र में एक युवक को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट, गाली गलौज करने और जूतों की माला पहनाकर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का गंभीर मामला सामने आया है। (वायरल वीडियो की अख़बार पुष्टि नही करता है) पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हरिश्चन्द्र पुत्र स्व. उजियारे लाल, निवासी ग्राम तैयापुर, थाना भरथना, जिला इटावा ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उनके पुत्र उपेन्द्र सिंह उर्फ राजा का प्रेम विवाह दिनांक 29 नवंबर 2025 को कल्पना पुत्री रामबाबू, निवासी बोझा सरावा, थाना भरथना, जिला इटावा के साथ हुआ था। विवाह के बाद उनकी बहू कल्पना अपने ननिहाल ग्राम रामपुर कुंवर, थाना फफूँद, जिला औरैया में अपने नाना हेरताम के यहां गई हुई थी। इसी दौरान उपेन्द्र सिंह को बहू के ननिहाल पक्ष के लोगों ने बुलाया और ग्राम तैयापुर के कुछ लोगों के साथ मिलकर एकराय होकर उसे बंधक बना लिया,राजाराम पुत्र स्व. खुबीर सिंह, आलोक बाबू पुत्र जवर सिंह को नामित कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है द्य पीड़ित का आरोप है कि दिनांक 05 दिसंबर 2025 को दोपहर लगभग 2 से 4 बजे के बीच आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उपेन्द्र सिंह के साथ बेरहमी से मारपीट की, उसे कर पेड़ से बांध दिया तथा जूते-चप्पल की माला पहनाकर उसका वीडियो बनाया। बाद में उक्त वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर युवक की सामाजिक छवि धूमिल की गई। वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ित युवक मानसिक तनाव में आ गया। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

छात्रा से छेड़छाड़ का एक आरोपी गिरफ्तार

फफूंद/औरैया। बीते सोमवार को एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। छात्रा साइकिल से स्कूल पढ़ने जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में सुनसान स्थान पर मुंह ढांके बाइक सवार युवक पहुंचे और छात्रा के साथ छेड़खानी करने लगे। आरोप है कि युवकों ने छात्रा को सरसों के खेत में खींचने का भी प्रयास किया। घटना के बाद पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने एक नामजद आरोपी कन्हैया और दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने गुरुवार तड़के सुबह ककोर रोड पर गांव सलहापुर में जनता इंटर कॉलेज के पास से एक आरोपी को पकड़ लिया और उसकी छात्रा से शिनाख्त कराई। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम कल्लू उर्फ जितेंद्र पुत्र विजय सिंह निवासी गांव रतवा बताया। पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ की जा रही है, जबकि नामजद और एक अज्ञात आरोपी की तलाश जारी है।प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश पाल ने बताया कि अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

शहर बांदा में घना कोहरा, ठंड से बढ़ी ठिठुरन

बांदा। पहाड़ों में शीतलहर के चलते आज एक बार फिर दिसंबर महीने के तीसरे सप्ताह साल के आखिरी महीने में घना कोहरे का असर दिखाई दिया। जहां सुबह से ही घना कोहरा छाया हुआ है जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सर्दी और गलन के चलते लोग परेशान हैं,तो वही सर्दी से बचने के लिए लोग अपने आस-पास आग अलाव जलाकर सर्दी से बचाव कर रहे हैं। और रोड पर चलने वाले वाहन मोटरसाइकिल ,बस ट्रक सहित अन्य वाहन भी अपनी-अपनी डेड लाइट जलाकर धीमी गति से चलते हुए नजर आ रहे हैं। पहाड़ों में शीतलहर के चलते घना कोहरा छाया हुआ है। विजिबिलिटी कम होने से सर्दी और गलन बढ़ गई है। बांदा के कमासिन क्षेत्र में घना कोहरा और कड़ाके की ठंड पड़ रही है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सुबह से छाए घने कोहरे के कारण लोगों को अपने दैनिक कार्यों और बाहर निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ती ठंड को देखते हुए, ब्लॉक प्रमुख रावेन्द्र गर्ग ने ब्लॉक परिसर में अलाव की व्यवस्था की है। यहां क्षेत्रीय ग्रामीणों सहित अन्य लोग ठंड से बचाव के लिए आग ताप रहे हैं। दोपहर 1 बजे तक भी घना कोहरा छाया हुआ है और कड़ाके की ठंड जारी है। लोग जगह-जगह अलाव जलाकर अपने घरों और दरवाजों पर ठंड से बचाव का सहारा ले रहे हैं। साल के आखिरी महीने में यह घना कोहरा पहाड़ों में चल रही शीत लहर का परिणाम बताया जा रहा है। कम विजिबिलिटी के कारण सर्दी और गलन में अत्यधिक वृद्धि हुई है। विशेष रूप से किसानों को इस गलन भरी ठंड में खेतों में पानी लगाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।जसपुरा विकासखंड की ग्राम पंचायत रामपुर में घने कोहरे और कड़ाके की ठंड ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। सुबह से छाए घने कोहरे के कारण लोगों को अपने दैनिक कार्य करने और बाहर निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से किसानों को खेतों में पानी लगाने में कठिनाई हो रही है। किसानों का कहना है कि ऐसे घने कोहरे और गलन में सिंचाई करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार द्वारा रात में बिजली दिए जाने से उनकी परेशानी और बढ़ गई है।

डॉ पी एन वर्मा को निर्देशक बनाया गया

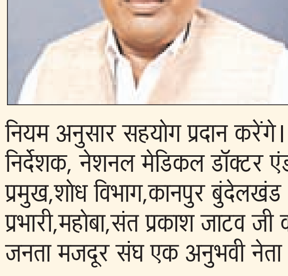

बांदा। भारतीय जनता मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत प्रकाश जाटव ने डॉ. पी.एन. वर्मा को नेशनल मेडिकल डॉक्टर एंड हेल्थ वर्कर वेलफ़ेयर बोर्ड का निर्देशक नियुक्त किया है। डॉ. वर्मा ने अपनी नियुक्ति पर संत प्रकाश जाटव जी का आभार व्यक्त किया है और कहा है कि वे जनहित में नियम अनुसार सहयोग प्रदान करेंगे। डॉ. पी.एन. वर्मा की प्रोफाइल, निर्देशक, नेशनल मेडिकल डॉक्टर एंड हेल्थ वर्कर वेलफ़ेयर बोर्ड,क्षेत्रीय प्रमुख,शोध विभाग,कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र,भाजपा अनुसूचित मोर्चा जिला प्रभारी,महोबा,संत प्रकाश जाटव जी की प्रोफाइल,राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जनता मजदूर संघ एक अनुभवी नेता और सामाजिक कार्यकर्ता।

बांदा मे होगा बागेश्वरधाम का दिव्य दरबार एवं हनुमंत कथाः प्रवीण सिंह

बांदा। मंडल मुख्यालय के निवासी भी तैयार है घोषित मेजबान बनने के लिए और बांदावासी भी तैयार हैं मेजबानी के लिए! आगामी 16 जनवरी से 20 जनवरी तक मवई चौराहे बड़े बाईपास में बाबा बागेश्वरधाम का दिव्य दरबार और दिव्य हनुमंत कथा का दरबार सजेगा। तिथिः16 जनवरी से 20 जनवरी 2026,स्थानः मवई चौराहे,बड़े बाईपास,बांदा,कार्यक्रमः दिव्य दरबार और हनुमंत कथा,बागेश्वर धाम बांदा में स्थित एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, जहां पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा हनुमंत कथा और दिव्य दरबार का आयोजन किया जाता है । बागेश्वर धाम की कथा के आयोजक प्रवीण सिंह एवं सहयोगियों ने प्रेस कांफ्रेंस के द्वारा सभी को अवगत कराया है कि जनपद बांदा में बागेश्वर धाम धीरेंद्र शास्त्री की हनुमंत कथा का भव्य आयोजन 16 जनवरी से 20 जनवरी के लिए किया जा रहा है। जिसका स्थान मवई बायपास चौराहा के समीप कथा पंडाल लगाया जाएगा जिस पर कथा श्रवण करने वाले एवं दर्शनार्थियों के आगमन पर,चारों दिशाओं पर वेरी किडिंग एवं वाहन खड़े करने की व्यवस्था का भी इंतजामात किया गया है। कथा पंडाल में भिन्न-भिन्न कार्यों के लिए समितियां का निर्धारण कर उनके प्रधान का भी चयन किया गया है।

खेलकूद से व्यक्ति मानसिक रूप से सुदृढ़ होने के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य का भी प्राप्त करता है लाभः डीएम

खरी कसौटी ब्यूरो

औरैया। खेलकूद व्यक्ति को मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य तथा अनुशासन बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है इसलिए विद्यालयों में शिक्षा के अतिरिक्त अन्य गतिविधियां यथा-खेलकूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि आयोजित किए जाते हैं जिससे शिक्षार्थियों का पाठ पुस्तक ज्ञान संवर्धन के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक व सामाजिक ज्ञान का भी संवर्धन होता है। उक्त संबोधन जिलाधिकारी डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा श्री सुंदर सिंह इंटर कॉलेज रामगढ़ में आयोजित 02 दिवसीय 28वीं जनपदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ करते हुए प्रतिभागियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि खेल प्रतियोगिता एक प्रतिस्पर्धा है जिसमें एक प्रतिभागी शीर्षस्थ स्थान को प्राप्त करता है तथा अन्य उसके पीछे होते हैं इसका यह अभिप्राय नहीं है कि शीर्षस्थ प्रतिभागी के अतिरिक्त अन्य प्रतिभागी योग्य नहीं है बल्कि सभी प्रतिभागी जो प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग करते हैं वह सभी योग्य होते हैं।उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जो प्रतिभागी प्रथम स्थान पर आता है उसके लिए प्रथम स्थान पर बने रहने की चुनौती होती है और अन्य प्रतिभागियों के पास अवसर होता है कि वह अपनी प्रतिभा में कुशलता लाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा में किसी भी प्रकार की द्वेषभावना का कोई भी स्थान नहीं होता है कार्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा विभिन्न योग मुद्राओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि योग से न केवल हमारा शरीर स्वस्थ होता है बल्कि स्वस्थ्य शरीर के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य व एकाग्रता भी प्राप्त करता है। जिलाधिकारी ने श्री सुंदर सिंह इंटर कॉलेज रामगढ़ में आयोजित 02 दिवसीय 28वीं बाल क्रीडा प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया। जिलाधिकारी द्वारा छात्र-छात्राओं की मार्चिंग परेड की सलामी लेने के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न योग मुद्राएं यथा- अर्धचक्रासन, मक्रासन आदि योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया गया साथ ही दौड़ आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गयी। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने दौड़ प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजीव कुमार, प्रधानाचार्य, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

सर्द बर्फीली हवाओं से जनजीवन बेहाल रोज खाने कमाने वालों का बुरा हाल, नहीं जलते दिख रहे अलाव

बिधूना/औरैया। पिछले दो-तीन दिनों से सर्द बर्फीली हवाएं चलने से बढ़ी कड़ाके की ठंड के चलते जनजीवन बुरी तरह बहाल हो रहा है। ठंड के कारण बेजुबान पशु पक्षी भी कंपकंपाते नजर आ रहे हैं वहीं रोज खाने कमाने वाले दिहाड़ी मजदूरों के साथ फुटपाथों पर खुले आसमान के नीचे जिंदगी बसर करने वाले सबसे अधिक परेशान हैं। भीषण ठंड का प्रकोप होने के बावजूद भी गरीबों को ठंड से बचाने के लिए जिम्मेदारों द्वारा कहीं अलाव जलवाए जाते भी नहीं दिख रहे हैं। पिछले दो-तीन दिनों से अचानक मौसम का मिजाज बदलने और पहले भीषण कोहरे के साथ अब सर्द बर्फीली हवाएं चलने और आसमान में बादल छाए रहने से भीषण सर्दी का प्रकोप हो गया है जिसके चलते जनजीवन बुरी तरह से बेहाल नजर आ रहा है। भीषण ठंड के कारण आलम यह है कि रोज खाने कमाने वाले दिहाड़ी मजदूर कंपकंपाते हुए काम करते देखे जा रहे है। यही नहीं सड़कों फुटपाथों पर खुले आसमान के नीचे जिंदगी बसर करने वाले गरीबों का भी ठंड के कारण बुरा हाल हो रहा है वही इस हाड़ मांस कपांऊ ठंड के कारण बेजुबान पशु पक्षी भी बुरी तरह परेशान नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं इस ठंड के कारण स्कूली बच्चों को स्कूल जाने आने में भारी दिक्कतें हो रही है। सबसे दिलचस्प और गौरतलब बात तो यह है कि वैसे तो जनप्रतिनिधियों व आम सियासतदारों के साथ जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा भी जनता का बहुत बड़ा हिमायती होने के दावे किए जाते हैं लेकिन जमीनी धरातल पर देखने में आ रहा है कि खासकर बिधूना तहसील क्षेत्र में जिम्मेदारों द्वारा अब तक गरीबों को ठंड से बचाने के लिए ना तो कहीं अलाव जलवाए गए नजर आ रहे हैं और ना ही असहायों को गर्म कंबल ही वितरित किए जाते दिख रहे हैं। नगर व क्षेत्र के जागरूक लोगों ने शासन व जिला प्रशासन से जल्द गरीबों को ठंड से बचाने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलवाने और असहाय गरीबों को गर्म कंबल वितरित कराने की मांग की है।

वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति का 18 वां स्थापना दिवस 21 को, डीएम व नगर पालिका अध्यक्ष रहेंगे मौजूद

औरैया। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति का 18 वार्षिक अधिवेशन आगामी 21 दिसंबर रविवार को शहर के मंगलम गेस्ट हाउस में पूर्वाह्न 11:00 बजे से होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी तथा विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अनूप गुप्ता होंगे। कार्यक्रम में 80 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण मिश्रा महामंत्री नागेश पाठक और कोषाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन में वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया जाएगा और आगामी वर्ष के लिए कार्यक्रम तय किए जाएंगे। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों की समस्यायों और उनके निराकरण के संबंध में विचार विमर्श कर कार्य योजना तैयार की जाएगी। इसके अलावा 80 वर्ष से ऊपर उम्र के नागरिकों को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने नगर व जनपद के तमाम वरिष्ठ नागरिक जनों से वार्षिक समारोह में शामिल होने का अनुरोध किया है।

उद्यान विभाग से किसान लाभ लेंः जिला उद्यान अधिकारी

औरैया। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार तिवारी ने बुधवार 17 दिसम्बर को बताया कि किसानों की आय को दोगुना करने के लिए एकीकृत बागवानी मिशन योजना राष्ट्रीय कृषि योजना के अंतर्गत पपीता स्ट्रॉबेरी ड्रैगन फ्रूड व केले की खेती पर 40 प्रतिशत का सरकारी अनुदान मिलता है। यह खरीफ फसल के लिए और रवि फसल के लिए शंकर साग भाजी मसाला खेती प्याज लहसुन इसमें भी 40 प्रतिशत का अनुदान दिया जाता है। इसके लिए जो किसान लाभ लेना चाहते हैं। वह आधार कार्ड खतौनी बैंक डिटेल दें। फोटो और मोबाइल नंबर देकर अपना पंजीकरण करा सकते है। उद्यान अधिकारी ने बताया पोस्ट हार्वेस्ट कार्यक्रम के अंतर्गत एकीकृत पैक हाउस प्याज भंडार गृह राय पैनिंगचैंबर ग्रीन हाउस पाली हाउस सेडहाउस संरक्षित खेती के लिए 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के अंतर्गत ड्रॉप मोर क्राफ्ट माइक्रो इरिगेशन ड्रिप इरीगेशन मिनी स्प्रिंग कलर लघु कृषकों के लिए 90 प्रतिशत तथा अन्य कृषकों के लिए 80 अनुदान दिया जाता है पोर्टेबल स्प्रिंग कलर रेन गन सिंचाई पर 75 प्रतिशत का अनुदान कृषकों को दिया जाता है किसान इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय को दोगुना करें और आत्मनिर्भर बने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का युवा लाभ ले और 10 लख रुपए का अनुदान प्राप्त करे अपनी बेरोजगारी समस्या को दूर करें।

जिलाधिकारी ने मिशन समाधान के तहत सरकारी जमीन को कराया कब्जा मुक्त, आपसी विवाद भी निपटाए

औरैया। जिलाधिकारी डॉ0 इंद्रमणि त्रिपाठी ने मिशन समाधान के तहत सरकारी भूमि, चकरोड तथा नाली/गूल, तालाब,आवासीय पट्टों सहित अन्य सरकारी भूमि पर किसी के द्वारा किए गए अवैध कब्जा एवं आपसी विवादों को निस्तारित कराने के लिए तहसीलवार गठित राजस्व व पुलिस की टीमों द्वारा लगातार की जा रही कार्यवाहियों के तहत ग्राम पंचायत सबलपुर के मजरा पुर्वा समई में पहुंचकर अहिबरन, रघुनाथ, होरी लाल एवं लखमी के आपसी भूमि विवाद बटबारे को सहमति के साथ निस्तारण कराया। उन्होंने संबंधितों को निर्देशित किया कि कब्जा मुक्ति व आपसी मामलों के निस्तारण को नियमानुसार एवं निष्पक्षता के साथ करते हुए स्थाई समाधान सुनिश्चित करें, जिससे पुनः अवैध कब्जा/ विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण के संबंध में की जाने वाली कार्यवाही की फोटो/ वीडियोग्राफी भी कराये और यदि निस्तारण के उपरांत किसी के द्वारा कोई विवाद पैदा किया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही भी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक नीरज प्रसाद,नायब तहसीलदार बिधूना, लेखपाल सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित

औरैया। शासन के मंशा अनुरूप जिलाधिकारी डा0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देशानुसार '' संकल्प हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ बूमेन '' योजना के अन्तर्गत ''मिशन शक्ति 5.0'' 90 दिवसीय विशेष कार्यक्रम के अनुसार जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशन में सदर तहसील सभागार में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 परअभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लालता प्रसाद,ग्रुप लीडर सेवा प्राधिकरण द्वारा महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में बताया गया, रवि कुमार द्वारा पॉस्को एक्ट के बारे में जानकारी प्रदान की गयी श्रीमती सपना देवी, डिस्ट्रिक मिशन कोऑर्डिनेटर, पूजा पाठक, सुपर वाइजर द्वारा विभागीय योजनाओं एवं उनके लाभ के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में पुष्पा यादव, स्टेनो, भागेश कुमारी, नायब नाजिर, दिशा कश्यप लेखपाल, प्रीती राठौर, पी0एल0वी0 एवं आमजनमानस उपस्थित रहें।

आपसी विवाद में युवक से मारपीट, तहरीर दी

अजीतमल, औरैया। कोतवाली अजीतमल क्षेत्र में आपसी पारिवारिक विवाद को लेकर युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित पदुम्म कुमार निवासी आज़ाद नगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आज दिनांक 18/12/2025 दोपहर 12:30 बजे वह हरौली बहादुरपुर से घर लौटा था। इसी दौरान छोटे भाई विपिन कुमार व पिता द्वारा फसल बेचने को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि गाली-गलौज के बाद लाठी से हमला किया गया, जिससे सिर व हाथ के अंगूठे में चोट आई। पीड़ित ने कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

अटसू नगर पंचायत में अतिक्रमण के विरुद्ध सख्ती, नाप-जोख कर हुआ चिन्हांकन

खरी कसौटी ब्यूरो

अजीतमल/औरैया। नगर पंचायत अटसू में जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी एवं उपजिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में अच्छल्दा रोड पर अतिक्रमण के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए ठोस कार्रवाई शुरू कर दी है। लोक निर्माण विभाग और नगर पंचायत की संयुक्त टीम द्वारा सड़क के मध्य से दोनों ओर 30-30 फीट की मानक चौड़ाई के अनुसार नाप-जोख कर अतिक्रमण का स्पष्ट चिन्हांकन किया गया। इस कार्रवाई में लगभग आधा सैकड़ा दुकानदारों एवं अतिक्रमणकारियों को चिन्हित किया गया है। प्रशासन द्वारा सभी को नियमानुसार नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने का अवसर दिया जाएगा। तय समय सीमा के भीतर अतिक्रमण न हटाने की स्थिति में विधिक कार्रवाई किए जाने की चेतावनी भी दी गई है। नाप-जोख एवं चिन्हांकन की प्रक्रिया लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता भारत विजय पाल सिंह एवं अवर अभियंता सतवीर सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस दौरान जे.ए.टी. बिपलानी, नगर पंचायत अटसू के अधिशासी अधिकारी प्रदीप कुमार गौतम, नगर पंचायत के कर्मचारी, क्षेत्रीय लेखपाल राजेंद्र सिंह बघेल, सत्यम गुप्ता सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे। चिन्हांकन के दौरान कुछ अतिक्रमणकारियों ने नाराजगी भी जताई, हालांकि प्रशासन ने संयम, संवाद और शांति के साथ कार्य को आगे बढ़ाया। कई छोटे दुकानदारों ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे प्रशासन की कार्रवाई के विरोध में नहीं हैं, लेकिन आजीविका को ध्यान में रखते हुए उन्हें पर्याप्त समय दिया जाए। दुकानदार विपिन कुमार ने कहा, हम लोग छोटे दुकानदार हैं, सड़क किनारे दुकान लगाकर ही परिवार का पालन-पोषण करते हैं। प्रशासन अगर कुछ समय दे और वैकल्पिक व्यवस्था या सीमांकन स्पष्ट रूप से बता दे, तो हम नियमों का पालन करने को तैयार हैं। वहीं नगर के अनेक नागरिकों और व्यापारियों ने अभियान को जनहित में बताया। उनका कहना है कि सड़क से अतिक्रमण हटने पर यातायात व्यवस्था सुचारु होगी, आए दिन लगने वाले जाम से राहत मिलेगी और नगर की सुंदरता एवं व्यवस्था में सुधार आएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान किसी के विरुद्ध नहीं बल्कि जनहित में चलाया जा रहा है। आमजन की सुविधा, सुरक्षित आवागमन और नगर के व्यवस्थित विकास के लिए आगे भी अतिक्रमण के खिलाफ इसी प्रकार सख्त लेकिन मानवीय दृष्टिकोण के साथ कार्रवाई जारी रहेगी।

शीतलहरी से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी

खरी कसौटी ब्यूरो

औरैया। अपर जिलाधिकारी वि0 रा0 अविनाश चंद्र मौर्य ने अवगत कराया है कि शीतलहरी के दृष्टिगत उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लखनऊ द्वारा विभागवार शीतलहरी के दौरान ''क्या करें-क्या ना करें। एडवाइजरी प्रेषित की गयी है, जिसके माध्यम से कार्यालय जिलाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा शीतलहरी से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की गयी जो इस प्रकार है- पहले रेडियो सुने, टीवी देखें, स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के लिए समाचार पत्र पढ़ें ताकि यह पता चल सके कि क्या शीत लहर होने वाली हैं। पर्याप्त सर्दियों के कपड़े पहनें। कपड़ों की कई परतें शरीर को गर्म रखने में अधिक सहायक होती है। आपातकालीन आपूर्ति आवश्यकता के अनुसार आवश्यक आपूर्ति स्टोर करें एवं तैयार रखें। शीतलहर के दौरान फ्लू, बहती/भरी हुई नाक या नाक से खून जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, जो आमतौर पर ठंड के लंबे समय तक सम्पर्क में रहने के कारण हो जाती है या बढ़ जाती हैं। इस तरह के लक्षणों के लिए डॉक्टर से सम्पर्क करें।

दौरान मौसम की जानकारी और आपातकालीन प्रक्रिया की जानकारी का बारीकी से पालन करें और सलाह के अनुसार कार्य करें। जितना हो सके घर के अंदर रहें और ठंडी हवा के संपर्क में आने से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। भारी कपड़ों की एक परत के बजाय ढीले फिटिंग, हल्के, विंडप्रूफ गर्म ऊनी कपड़ों की कई परते पहने। टाइट कपड़े ब्लड सर्कुलेशन को कम करते हैं। अपने आप को सूखा रखें। अपने सिर गर्दन, हाथों और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से कवर करें क्योंकि शरीर के इन अंगों के माध्यम से शरीर को ठंडक लगने का खतरा अधिक रहता है। दस्तानें पहनें क्योकि दस्ताने ठंडक से गर्मी और इन्सुलेशन प्रदान करते है। क्योंकि उंगलिया अपनी गर्मी साझा करती है। और ठंड के लिए कम सतह क्षेत्र को उजागर करती हैं। ठंडक से बचने के लिए टोपी और मफलर का प्रयोग करें। शरीर के तापमान का संतुलन बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाए। नियमित रूप से गर्म तरल पेय पदार्थ पीए, क्योंकि गर्म पेय पदार्थ ठंडक से लड़ने के लिए शरीर को गर्मी प्रदान करते हैं। तेल, पेट्रोलियम जेली या बॉडी क्रीम से नियमित रूप से शरीर की मालिश करें क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करते हैं। बुजुर्ग लोगों और बच्चों की देखभाल करें और अकेले रहने वाले पड़ोसियों का ख्याल रखें। गैर-औद्योगिक इमारतों के लिए गर्मी इन्सुलेशन का पालन करें। शीतलहर के सम्पर्क में आने पर हाथ पैर की उंगलियों, कानों और नाक की नोक पर सुन्नता, सफ़ेद या पीलापन दिखना, शीतलहर के लक्षण है जिसके प्रति सतर्क रहे। तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें। कंपकपी को नजरअंदाज न करें। शीतलहर के प्रभाव का यह एक महत्वपूर्ण संकेत है। शरीर गर्मी खो रहा हो तो जल्द से जल्द घर के अंदर गर्म स्थान रहने का प्रयत्न करें।

पेड़ से बांधकर पीटा, जूतों की माला पहनाई थी, पुलिस ने शिकायत पर दर्ज किया केस

औरैया। लव मैरिज से खफा लड़की के रिश्तेदारों ने उसके पति को पेड़ से बांधकर पीटा। इसके बाद उसे गांववालों के सामने जूते-चप्पलों की माला पहनाई। हंसते हुए इसका वीडियो भी बनाया। युवक का कहना है कि मुझे गांववालों के सामने पीटा गया। भीड़ के सामने बेइज्जत किया गया। हम दोनों ने अपनी मर्जी से लव मैरिज की थी। कोई गुनाह नहीं किया था। यह घटना 5 दिसंबर को हुई थी, जिसका वीडियो आज सामने आया। पुलिस ने मामले में पीड़ित युवक की शिकायत पर गुरुवार को 4 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इटावा के थाना भरथना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक रहता है। उसके पिता खेती-किसानी करते हैं, जिसमें युवक भी हाथ बंटाता है। पिता ने बताया- मेरे बेटे का भरथना के बोझा सरावा की रहने वाली लड़की से अफ़ेयर था। हम लोगों को कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन लड़की वाले विरोध कर रहे थे। इसके चलते 29 नवंबर को उसने आर्य समाज से लड़की से शादी कर ली थी। इसके बाद बेटा बहू हमारे साथ रहने लगे।

संक्षिप्त खबरें

बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का प्रयास

गोरखपुर। रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 17 दिसम्बर,2025 को गाड़ी संख्या-01025 के टिकट जांच निरीक्षक को टेझन में लगभग 12 वर्ष का एक बालक लावारिस हालत में मिला, जिसे मऊ पोस्ट को सुपुर्द किया गया, वहाँ से बालक को रेलवे चाइल्ड हेल्प लाइन,मऊ भेजा गया। रेलवे सुरक्षा बल प्रयागराज रामबाग को ज्ञानपुर रोड स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या-1 पर लगभग 27 वर्ष की एक महिला लावारिस हालत में मिली, जिसे उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। 16 दिसम्बर,2025 को रेलवे सुरक्षा बल,गोरखपुर को गश्त के दौरान प्लेटफार्म संख्या-2 पर लगभग 12 वर्ष का एक बालक लावारिस हालत में मिला, जिसे चाइल्ड लाइन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 15 दिसम्बर,2025 को गाड़ी संख्या-02563 में महिला यात्री का छूटा हुआ 02 बैग मिला, जिसमें कीमती आभूषण थे। इस बैग को 17 दिसम्बर, 2025 को महिला यात्री के गोरखपुर पोस्ट पर उपस्थित होने पर सुपुर्द किया गया। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को गाड़ी संख्या-22550 में यात्री का छूटा 02 मोबाइल मिला, जिसे गोरखपुर पोस्ट पर जमा कियागया। 16 दिसम्बर को यात्री के गोरखपुर पोस्ट पर उपस्थित होने पर मोबाइल सुपुर्द किया गया।

नए साल में दिखेगा फोरलेन सड़कों और फ्लाईओवर का संजाल, पूरी होंगी परियोजनाएं

गोरखपुर। नए साल में गोरखपुर में फोरलेन सड़कों और फ्लाईओवर का विशाल संजाल नजर आएगा। मार्च 2026 तक फोरलेन सड़कों से जुड़ी पांच महत्वपूर्ण परियोजनाएं पूर्ण हो जाएंगी। इसी अवधि तक चार ओवरब्रिज-फ्लाईओवर बनकर हो तैयार हो जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा की जा रही मनिटरिंग और समीक्षा से निर्माण कार्यों में तेजी आई है। अगले तीन-साढ़े तीन माह में पूरी होने वाली रोड कनेक्टिविटी से जुड़ी फोरलेन और ओवरब्रिज-फ्लाईओवर की परियोजनाओं से शहर के आंतरिक और वाह्य आवागमन को सुगम कर देंगी। देवरिया बाईपास इनमें सबसे पहले बनकर तैयार होने वाली फोरलेन सड़क होगी। देवरिया बाईपास रोड का फोरलेन में चौड़ीकरण, सु.ढ़ीकरण कार्य मार्च 2023 में शुरूहुआ था और जनवरी 2026 के अंत तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है। कुल 9.50 किमी लंबी सड़क को फोरलेन में परिवर्तित करने में 399.24 करोड़ रूपये की लागत आएगी। वर्तमान में निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति 95 फीसद है।पैडलेगंज से फिराक गोरखपुरी चौक होते हुए बेतियाहाता चौराहे तक 1.80 किमी सड़क को भी फोरलेन बनाने का तेजी से हो रहा है। 277.78 करोड़ रूपये की लागत वाली इस फोरलेन सड़क परियोजना के मार्च तक पूरी तरह बन जाने की उम्मीद है।

आशा कार्यकर्ताओं ने निकाला पैदल मार्चः प्रयागराज में सरकार के खिलाफ नारेबाजी

प्रयागराज। गुरुवार को प्रयागराज की हजारों की संख्या में आशा कार्यकर्ता शहर में पैदल मार्च निकालने रहीं हैं। 14 सूत्री मांगों के समर्थन में यह आशा बालसन चौराहे पर पहुंची थी। यहां पर हाथों में बैनर व पोस्टर लेकर कलेक्ट्रेट की तरफ बढ़ी । योगी मोदी हाय हाय, अभी करो अर्जेंट करो हमको परमानेंट करो जैसे नारों के उद्घोष के साथ आशाएं कलेक्ट्रेट पहुंच गई। आशा कर्मियों ने बताया कि प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजनाओं-आयुष्मान भारत, मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम और टीकाकरण जैसे अभियानों में उन्होंने अग्रिम पंक्ति में काम किया। इसके बावजूद न तो समय पर भुगतान हुआ और न ही स्थायी सुविधाएं दी गईं। 6 अप्रैल 2025 को स्वास्थ्य मंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में लंबित मांगों के समाधान का आग्रह किया गया था, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

प्रयागराज के 23 थानों में बनी क्रिटिकल कॉरिडोर टीम

प्रयागराज। लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं और इनमें हो रही मौतों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिले के 23 थाना क्षेत्रों में क्रिटिकल कॉरिडोर टीम का गठन किया गया है। यह टीमें सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, त्वरित सहायता, कारणों की जांच और प्रवर्तन की कार्रवाई करेंगी। उद्देश्य प्रयागराज को सड़क हादसों के मामले में 'जीरो फ़ेटेलिटी जिला' बनाना है। हाल ही में देशभर में हुए एक सर्वे में 100 ऐसे जिलों को चिन्हित किया गया, जहां सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं और मौतें होती हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के 20 जिले शामिल हैं। इस सूची में हरदोई पहले स्थान पर है, जबकि प्रयागराज तीसरे नंबर पर है। इसी को देखते हुए डीजीपी स्तर से जीरो फ़ेटेलिटी अभियान की शुरुआत की गई। अभियान के तहत प्रयागराज में कुल 74 फ्लैश प्वाइंट और 31 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं। ये वे स्थान हैं, जहां सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं या पहले गंभीर हादसे हो चुके हैं।

सर्वदेव आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज में हर्षोल्लास के साथ मनी फ्रेशर पार्टी

खरी कसौटी ब्यूरो

आजमगढ़। सर्वदेव आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज, इटौरा, चण्डेश्वर, आजमगढ़ में फ्रेशर पार्टी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ0 राजेन्द्र यादव (प्रबन्धक) सर्वोदय ग्रुप ऑफ इन्स्टिट्यूशन आजमगढ़ रहे।

जिन्होने कार्यक्रम की शुरूआत भगवान धन्वन्तरी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व दीप पज्जवल्लित कर किया। आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज की प्राचार्य डॉ0 कल्याण कुमार कराडी ने मुख्य अतिथि एवं समस्त अतिथियों का स्वागत किया एवं छात्रध्छात्राओं को आयुर्वेदिक पाठ्यक्रम के द्वारा समाज में आयुर्वेद शिक्षा के महत्व एवं उनके प्रति उत्तरदायित्वों को विस्तृत रूप से समझाया। संस्था के सी0ई0ओ0 श्री संजय कुमार सिन्हा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बताया कि आयुर्वेदिक चिकित्सा एक महत्वपूर्ण व निःस्वार्थ सेवा का क्षेत्र है इसे ज्यादा व्यवसायिक नहीं बनाना चाहिए। इसके उपरान्त आयुर्वेदिक कालेज की छात्र छात्राओं ने कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना से किया इसके उपरान्त छात्राओं ने कई रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये जिसमें आये हुए मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ0 राजेन्द्र यादव (प्रबन्धक) सर्वोदय ग्रुप ऑफ इन्स्टिट्यूशन आजमगढ़ ने बच्चों को आयुर्वेद के महत्व को समझाया एवं उन्होंने सभी छात्रध्छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अन्त में डॉ0 .ष्णमोहन त्रिपाठी (प्रबन्धक) सर्वदेव आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज, ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया और कहा कि कालेज के बच्चों ने जो कार्यक्रम प्रस्तुत किया वह सराहनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी छात्रध्छात्राओं व शिक्षकों के सहयोग व लगन से इस आयुर्वेदिक कालेज को एक अलग पहचान दिया जाना है। इस कार्यक्रम में मिस्टर फ्रेशर धर्मेन्द्र एवं मिस फ्रेशर अंशिका अरूण सिंह (2025-26) हेतु चुने गये। इस कार्यक्रम डॉ0 अरूणा दास, डॉ0 अमरेन्द्र तिवारी (प्राचार्य) धनपत्ती धर्मा डिग्री कालेज, डॉ0 आशीष गुप्ता (प्राचार्य) फार्मेसी कालेज आजमगढ़, डॉ0 मन्जू जॉन (प्राचार्या) आल इण्डिया चिल्ड्रेन केयर एण्ड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसाइटी नर्सिग कालेज एवं डॉ0 योगिता जैन व श्याम सोम दूबे उपस्थित रहे।

एडीए की पहचान बन चुका है भ्रष्टाचार, अनियमितता, अवैध निर्माण को संरक्षण

खरी कसौटी ब्यूरो

आजमगढ़ विकास प्राधिकरण पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए भाजपा नेता गोविन्द द्वारा दिया गया धरना

आजमगढ़। आजमगढ़ विकास प्राधिकरण पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी आजमगढ़ के नेता व उत्तर प्रदेश अभिभावक महासंघ के सचिव गोविन्द दुबे के अगुवाई में चार सूत्री मांगों को लेकर गुरूवार को डा अम्बेडकर पार्क में धरना दिया। धरने में आजमगढ़ विकास प्राधिकरण में व्याप्त भ्रष्टाचार, अनियमताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

धरने को संबोधित करते हुए भाजपा नेता व महासंघ के सचिव गोविन्द दुबे ने कहाकि योगी सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त सपने को आजमगढ़ विकास प्राधिकरण पूरा नहीं होने दे रहा। एडीए की कार्यशैली ऐसी हो चुकी है कि वह भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का पयार्य बन चुका है। इतना ही नहीं, भू-उपयोग परिवर्तन, नक्शा पास कराने, अवैध निर्माण संरक्षण तथा नियमों का खुला उल्लधन किया जा रहा है। एडीए की पहचान भ्रष्टाचार, अनियमितता, अवैध निर्माण को संरक्षण नोटिस दबाव देकर जनता का शोषण करना हो चुका है। जिससे जनता कराह रही है, इस पर अंकुश लगाने तक हम एडीए के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद रखेंगे। शर्मानंद पाण्डेय ने कहा कि तहसील सदर के नीबी के गाटा संख्या 139 का भू-प्रयोग .षिगत हरित जोन दिखाकर उसकी बाउण्डी और अस्थायी निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया और वहीं उसी गाटे की अन्य 12 रजिस्ट्री पर कोई कार्रवाई न कर अपने दोहरी मानसिकता को उजागर कर रही है। ऐसे एकपक्षीय कार्रवाईयों से जनता में गहरा असंतोष व्याप्त हैं। श्री पाण्डेय ने कहाकि हमारी चार सूत्री मांगों में एडीए के सभी संदिग्ध कार्यो की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच हो, दोषी अधिकारियोंध्कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो, नक्शा स्वी.ति एवं निर्माण संबंधी प्रक्रिया को पारदर्शी और आनलाइन और ट्रैक योग्य बनाया जाए व आम जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण शामिल है। समाजसेवी डीएन सिंह ने कहाकि कानून की किताब में व्यवस्थाएं लोकहित में संचालित होती है लेकिन एडीए आजमगढ़ के अधिकारी, कर्मचारी, चपरासी अपने शर्तो पर धनउगाही करते है और जनता को शोषण कर रहे है। जिसे कभी बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। धरने को समर्थन करने वालों में डा राकेश राय, अरूण चौरसिया, अनिल तिवारी, सुजीत मिश्रा, देवनारायण सिंह, बलबीर सिंह, युधिष्ठिर दूबे, संदीप सिंह रिंकू, आशीष तिवारी, दिना मिश्रा आदि शामिल रहे।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शनः नारेबाजी की

प्रयागराज। प्रयागराज में कांग्रेसियों ने नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर ईडी के खिलाफ प्रदर्शन किया। नेशल हेराल्ड मामले में यूपीए की चेयरपर्सन सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अदालत से आए फैसले के बाद कांग्रेसियों ने जश्न मनाया। इसके बाद ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेसियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। गुरुवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ऐलान पर कांग्रेसी सड़कों पर उतरे। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त अध्यक्ष और पदाधिकारीयों ने सिविल लाइन्स सुभाष चौराहे से मार्च निकाला। कांग्रेसी भाजपा कार्यालय तक जाना चाहते थे लेकिन पुलिस ने रोक दिया। आक्रोषित नेताओं ने सड़क पर बैठकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीयों के समझाने के बाद कांग्रेसी सड़क पर से हटे। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ धनशोधन से जोड़कर उन्हें और पार्टी को बदनाम कर रही है।

बडगहन प्राथमिक विद्यालय पर न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की गई जांच बूथों की मानक रिपोर्ट में सुधार का आदेश

खरी कसौटी ब्यूरो

आजमगढ। बरदह आज न्यायिक मजिस्ट्रेट लालगंज, नूपुर सिंह और अतिरिक्त एसडीएम संजय चावला ने बडगहन प्राथमिक विद्यालय में प्रगति रिपोर्ट की जांच की। यह निरीक्षण जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर किया गया था, जिसमें बूथों की स्थिति की गहन समीक्षा की गई।

जांच के दौरान, कई बूथों की मैपिंग रिपोर्ट में अनियोजित त्रुटियां पाई गईं, जिसके चलते न्यायिक मजिस्ट्रेट ने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई और जल्दी सुधार करने का विमर्श दिया। न्यायिक टीम ने बडगहन और अन्य स्थानीय बूथों का दौरा किया और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी सुधार और काम शीघ्रता से पूरे किए जाएं। इस कार्यवाही का मुख्य उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया को सुचारुऔर प्रभावी बनाना है। जनता को इस सुधार प्रक्रिया की जानकारी मिल सके और उन्हें यह विश्वास हो सके कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जिम्मेदारी सुनिश्चित की जा रही है। बडगहन प्राथमिक विद्यालय पर हुई इस जांच का उद्देश्य सभी बूथों की स्थिति का मूल्यांकन करना और आवश्यक सुधार को जल्द से जल्द लागू करना है।

ऑनलाइन क्यू.आर./यू.पी.आई. भुगतान करके आरक्षण की सुविधा उपलब्ध

खरी कसौटी ब्यूरो

गोरखपुर। रेलकर्मियों की सुविधा हेतु पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक कार्यालय तथा यांत्रिक कारखाना,गोरखपुर एवं तीनों मंडल कार्यालयों में नॉन कैश काउण्टर संचालित है, परन्तु इन काउंटरों से केवल सुविधा पास/ड्यूटी पास पर ही आरक्षण की सुविधा उपलब्ध थी। पी.टी.ओ. एवं पास पर किराये के अन्तर का भुगतान करके टिकट बनाने की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इसे ध्यान में रखकर 18 दिसम्बर,2025 से पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक कार्यालय, यांत्रिक कारखाना गोरखपुर तथा तीनों मंडल कार्यालयों में संचालित नॉन कैश काउण्टरों पर पी.टी.ओ. एवं पास पर किराये के अन्तर का ऑनलाइन क्यू.आर./यू.पी.आई. भुगतान करके आरक्षण की सुविधा उपलब्ध करा दी गयी, जिससे रेलवे कर्मचारियों/ अधिकारियों एवं सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों/अधिकारियों को पी.टी.ओ. एवं पास पर किराये के अन्तर का भुगतान करके टिकट बनवाने में काफी सुविधा होगी। इस सम्बन्ध में पूर्वोत्तर रेलवे एवं अन्य जोनल रेलवे द्वारा नॉन कैश काउंटरों पर सुविधा टिकट आदेश/पी.टी.ओ. एवं पास पर किराये के अन्तर का भुगतान करके टिकट बनाने के सम्बन्ध में रेलवे बोर्ड से दिशा-निर्देश की मांग की गयी थी, जिसके फलस्वरूप इस सम्बन्ध में रेलवे बोर्ड द्वारा दिशा-निर्देश प्राप्त हुआ है।

ग्राम पंचायत में नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण

खरी कसौटी ब्यूरो

आजमगढ। सठियांव खण्ड विकास क्षेत्र सठियांव अंतर्गत ग्राम पंचायत गोछा में आगनवाड़ी केंद्र का भवन 12 लाख रूपये की लागत से बनवाया गया है। भवन का लोकार्पण बृहस्पतिवार को दोपहर 3 बजे फीता काट कर पूर्व मंत्री एव विधान परिषद सदस्य यशवंत सिंह ने शिलापट्ट से रेशमी वस्त्र हटा कर किया। आगनवाड़ी के नौनिहाल बच्चों को अब भवन की सुविधा मिली। बाल विकास विभाग की तरफ से नौनिहाल मासूम बच्चों को बेसिक शिक्षा के साथ साथ बाल पुष्टाहार की योजना से लाभावित करने के लिए हर ग्राम पंचायतों की तरह गोछा गांव में भी आगनवाड़ी चलता है। केंद्र पर बच्चों को बाल पुष्टाहार व बेसिक शिक्षा का ज्ञान देने के लिए विभाग की तरफ से आगनवाड़ी कार्यकात्री व सहायिका तैनात की गई है। आंगनवाड़ी केंद्र का संचालन सुचारु रूप से करने के लिए 12 लाख रूपये की लागत से भवन का निर्माण कराया गया जिसका लोकार्पण पूर्व मंत्री विधान परिषद सदस्य यशवंत सिंह ने किया। बतौर मुख्य अतिथि यशवंत सिंह ने कहा कि सरकार नौनिहाल बच्चों को बाल पुष्टाहार व इससे जुड़ी सरकारी योजनाओ का लाभ तो नियमानुसार मिल रहा था। परन्तु बच्चों को भवन नही था जिससे उन्हे असुविधा हुआ करती थी अब बच्चों को अपना भवन होगा जहा वे आसानी से बैठ कर के शिक्षा लेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान तनजीम फातिमा व संचालन प्रमोद दुबे ने किया। इस अवसर पर ब्लक प्रमुख अरबिंद सिंह, अजय सिंह महाप्रधान, एपीओ निर्भय राय, जेई कुंवर अजय सिंह, सर्वेश कुमार, सचिव राम सिंह, पंकज पाण्डेय, सुशील सिंह, हाजी जमाल अहमद, शमशुद्दीन प्रधान, सुनील कुमार, शिव गोविंद सिंह, प्रवीण यादव, सहजाद मैनेजर, राजेश चौहान, विनीत मौर्य, रघुवंश सिंह सहित तमाम लोग रहें।

स्वदेशी मेला शुरूः वासुदेवानंद सरस्वती ने किया उद्घाटन

प्रयागराज। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और देशी उद्योगों को सशक्त करने के उद्देश्य से स्वदेशी जागरण मंच की ओर से संगम नगरी प्रयागराज में स्वदेशी मेले का शुभारंभ किया गया। यह मेला 2 जनवरी 2026 तक उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र परिसर में आयोजित किया जाएगा। मेले का उद्घाटन श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने किया। उद्घाटन अवसर पर बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य लोग, व्यापारी, हस्तशिल्पी और आम नागरिक मौजूद रहे। स्वदेशी मेले की अध्यक्ष डॉ. कृतिका अग्रवाल ने बताया कि मेले का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ देशभर के हस्तशिल्पियों और कारीगरों को सीधा बाजार उपलब्ध कराना है।

दिल्ली-मुंबई मार्ग पर पलवल-मथुरा-नागदा सेक्शन और दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर हावड़ा-बर्धमान सेक्शन पर कवच 4.0 चालू

खरी कसौटी ब्यूरो

गोरखपुर। कवच एक स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है। कवच एक अत्यधिक तकनीकी रूप से गहन प्रणाली है, जिसके लिए उच्चतम स्तर के सुरक्षा प्रमाणन (एसआईएल-4) की आवश्यकता होती है। कवच, लोको पायलट द्वारा ब्रेक लगाने में असफल रहने की स्थिति में स्वचालित ब्रेक लगाकर रेलगाड़ियों को निर्दिष्ट गति सीमा के अंदर चलाने में लोको पायलट की सहायता करता है तथा खराब मौसम के दौरान रेलगाड़ियों को सुरक्षित रूप से चलाने में भी मदद करता है। यात्री ट्रेनों पर पहला परीक्षण फरवरी 2016 में शुरू किया गया था। प्राप्त अनुभव और स्वतंत्र सुरक्षा निर्धारक (आईएसए) द्वारा प्रणाली के स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकन के आधार पर, कवच संस्करण 3.2 की आपूर्ति के लिए 2018-19 में तीन फर्मों को मंजूरी दी गई थी। कवच को जुलाई 2020 में राष्ट्रीय स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली के रूप में अपनाया गया था।कवच प्रणाली के कार्यान्वयन में प्रमुख गतिविधियां प्रत्येक स्टेशन, ब्लॉक सेक्शन पर स्टेशन कवच की स्थापना, संपूर्ण ट्रैक लंबाई में रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) टैग की स्थापना, पूरे खंड में दूरसंचार टावरों की स्थापना, ट्रैक के साथ ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना, भारतीय रेलवे पर चलने वाले प्रत्येक लोकोमोटिव पर लोको कवच का प्रावधान शामिल हैं। दक्षिण मध्य रेलवे पर 1465 मार्ग किलोमीटर पर कवच संस्करण 3.2 की तैनाती और प्राप्त अनुभव के आधार पर इसमें और सुधार किए गए। अंततः, कवच विनिर्देश संस्करण 4.0 को अनुसन्धान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा 16. जुलाई 2024 को अनुमोदित किया गया। कवच संस्करण 4.0 में विविध रेलवे नेटवर्क के लिए आवश्यक सभी प्रमुख विशेषताएँ शामिल हैं। यह भारतीय रेलवे की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारतीय रेलवे ने बहुत कम समय में ही स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली विकसित, परीक्षण और लागू करना शुरू कर दिया है। संस्करण 4.0 में प्रमुख सुधारों में स्थान सटीकता में वृद्धि, बड़े यार्डों में सिग्नल संबंधी पहलुओं की बेहतर जानकारी, ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) पर स्टेशन-से-स्टेशन कवच इंटरफ़ेस और मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम से सीधा इंटरफ़ेस शामिल हैं। इन सुधारों के साथ, कवच संस्करण 4.0 को भारतीय रेलवे में बड़े पैमाने पर लागू करने की योजना है। व्यापक और विस्तृत परीक्षणों के बाद, कवच संस्करण 4.0 को दिल्ली-मुंबई मार्ग पर पलवल-मथुरा-नागदा खंड (633 मार्ग किमी) और दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर हावड़ा-बर्धमान खंड (105 मार्ग किमी) पर 738 मार्ग किमी पर सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया है। कवच का कार्यान्वयन दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा कॉरिडोर के शेष खंडों में भी शुरू किया गया है। दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा कॉरिडोर सहित उच्च घनत्व वाले मार्गों पर कवच की प्रमुख प्रगति - 7129 किमी ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने का कार्य, 860 दूरसंचार टावरों की स्थापना, 549 स्टेशनों पर कवच का प्रावधान, 2674 मार्ग किलो मीटर ट्रैक साइड उपकरणों की स्थापना, 4,154 लोको पर कवच का प्रावधान प्रगति पर है।

संक्षिप्त खबरें

सिविल इंजीनियरिंग परीक्षा में सफलता प्राप्त कर बढ़ाया मान, बधाई देने पहुंचे लगा तांता

आजमगढ़। शाहगढ यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन में सिविल इंजीनियरिंग की परीक्षा में गौरव पाण्डेय ने प्रदेश में 58वां रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। परिजनों और क्षेत्रवासियों में हर्ष व्याप्त है। सफलता पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। विगत माह अगस्त में यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा का आयोजन हुआ था। परीक्षा में सठियांव ब्लाक में कार्यरत ग्राम विकास सचिव एवं बिलरियागंज क्षेत्र के ग्राम पंचायत रसूलपुर नन्दलाल निवासी प्रभाकर पाण्डेय के पुत्र गौरव पाण्डेय ने उक्त परीक्षा में प्रतिभाग किया था। परीक्षा परिणाम घोषित होने पर सिविल इंजीनियरिंग में अट्ठावनवां रैंक हासिल कर उत्.ष्ट प्रदर्शन करने पर परिजनों और क्षेत्रवासियों में हर्ष व्याप्त है।कहा गया है कि होनहार बिरवान के होते चिकने पात।गौरव पाण्डेय इसी पद पर हरियाणा में तैनात थे। अब भारत सरकार में भी उनका रास्ता साफ हो गया है। सिविल इंजीनियरिंग परीक्षा में उत्.ष्ट प्रदर्शन करने पर परिजनों में माता पिता फूले नहीं समा रहे हैं।पिता सरकारी कर्मचारी हैं।तो माता गृह्णी है।अब सिविल इंजीनियरिंग बनकर उन्होंने आज के परिवेश में यह संदेश दिया है। कि परिश्रम से बड़ी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है।बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से आई आई टी की परीक्षा पास करने के यूनियन पब्लिक सर्विस के परीक्षा में पहले प्रयास में वे सफलता की बुलंदियों को छू लिया परिजनों व क्षेत्रवासियों हर्ष व्याप्त है। सफलता पर लोग बधाई देने वालों मे खण्ड विकास अधिकारी हरिमोहन सिंह, एडीओ (पंचायत) सुभाष चंद शर्मा, एडीओ आइसबी राजेश सिंह, सचिव उमाशंकर गौतम, रामसिंह, हरिकेश राय, सन्तोष सिंह, मनोज सिंह ग्राम प्रधान राम अवध चौहान, सुरेन्द्र यादव, जीवनाथ यादव, राजेश यादव, जितेन्द्र कुमार आदि रहें।

ठण्ड एवं घना कोहरा के चलतें विद्यालय समय प्रातः 10.00 बजे से अपरान्ह 3.00 बजे तक निर्धारित

आजमगढ़। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राजीव पाठक ने बताया हैं कि जनपद के बेसिक शिक्षा परिषद के अन्तर्गत संचालित समस्त परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालय, सभी सीबीएसई, आईसीएसई, उप्र बोर्ड, मान्यता प्राप्त मदरसा, सहायता प्राप्त विद्यालय खुलने एवं बन्द होने का समय प्रातः 9.00 बजे से अपरान्ह 3.00 बजे तक निर्धारित है। जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में अत्यधिक ठण्ड एवं घना कोहरा के .ष्टिगत जनपद के समस्त परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालय, सभी सीबीएसई, आईसीएसई, उप्र बोर्ड, मान्यता प्राप्त मदरसा, सहायता प्राप्त विद्यालय शिक्षण कार्य हेतु विद्यालय खुलने एवं बन्द का नियत समय प्रातः 10.00 बजे से अपरान्ह 3.00 बजे तक किया जाता है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने समस्त सम्बन्धित को निर्देशित किया है कि उक्त आदेश का अनुपालन कड़ाई से करना सुनिश्चित करें।

रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा संरक्षा निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण परियोजनाओं के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, वाराणसी मंडल के भटनी-औंड़िहार रेलखण्ड पर दुल्लहपुर-मऊ (21 किमी) खण्ड का विद्युतीकरण सहित दोहरीकरण कार्य पूर्ण होने के उपरान्त 17 दिसम्बर, 2025 को रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल द्वारा संरक्षा निरीक्षण किया गया था। मऊ-शाहगंज दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत अंतिम चरण में मऊ-खुरहट (12 किमी) खण्ड का दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल प्रणजीव सक्सेना ने 18 दिसम्बर, 2025 को इस रेल खण्ड का संरक्षा निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में उनके साथ पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य इंजीनियर नीलमणि, मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन, कार्यकारी निदेशक (रेल विकास निगम लिमिटेड) विकास चन्द्रा, मुख्य परियोजना प्रबंधक (रेल विकास निगम लिमिटेड) आशुतोष शुक्ला सहित मुख्यालय, मंडल तथा रेल विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल प्रणजीव सक्सेना ने अपने निरीक्षण का आरंभ में खुरहट रेलवे स्टेशन पर दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण के अनुरूप इंटरलॉकिंग, संरक्षा गेयरों के बदलाव, स्टेशन वर्किंग रुल, रिले रूम के एक्सटेंशन, यार्ड में पड़ने वाले समपार फाटकों के दोहरीकरण के अनुरूप विस्तार तथा स्टेशन पर दोहरीकरण के अनुरूप प्लेटफार्मों एवं पैदल उपरिगामी पुल के क्लियरेंस तथा मानक सूची और उपलब्धता के अनुसार यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। खुरहट स्टेशन पर उन्होंने वी डी यू पैनल, रिले रूम, इंटिग्रेटेड पावर सप्लाई रूम आदि का निरीक्षण किया तदुपरांत उन्होंने मोटर ट्रॉली से खुरहट यार्ड में ट्रेलिंग पवाइन्ट संख्या 102 बी की हाऊसिंग का निरीक्षण किया तथा गेज परीक्षण कर संरक्षा परखी, इसके पश्चात गेट संख्या 6सी पर पहुंचे और दोहरीकरण के अनुरूप गेट के विस्तार, बूम लॉक, इलेक्ट्रानिक चाभी हस्तांतरण का परीक्षण किया, इसके साथ ही उन्होंने गेट पर सेफ्टी टूल्स का निरीक्षण किया तथा कार्यरत गेट मैन शहनवाज अहमद का संरक्षा ज्ञान भी परखा। इसके बाद कट कनेक्शन के पास पड़ने वाले प्वाइंट संख्या 121ए का गेज परीक्षण, हाऊसिंग एवं फ़ेल सेफ प्रणाली का गहन निरीक्षण किया। तदुपरांत रेल संरक्षा आयुक्त मोटर ट्राली से खुरहट-पालीगढ़ हाल्ट-मऊ रेल खण्ड का का निरीक्षण करते हुए मऊ पहुंचे इस दौरान उन्होंने इस रेल खण्ड पर रेल पथ जड़ाई, बैलास्ट फैलाई, ओवर हेड ट्रैक्शन लाइन एवं पोल्स की मानक स्थिती तथा मार्ग में पड़ने वाले पुलों, समपार फाटकों, अंडर पासों आदि का संरक्षा निरीक्षण किया । निरीक्षण के अंत में रेल संरक्षा आयुक्त ने अपने ओ एम एस ट्रेन से मऊ-खुरहट एवं मऊ-दुल्लहपुर खण्ड का स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा किया गया। ज्ञातव्य हो की मऊ-शाहगंज दोहरीकरण परियोजना मऊ-खुरहट के दोहरीकरण पूर्ण होने के साथ पूरी हो गई है। मऊ -खुरहट रेल खंड के चालू होने के साथ ही, फ़ेफना-इंदारा और मऊ-शाहगंज दोहरीकरण परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। इस मऊ से खुरहट तक नवनिर्मित लाइन को अप मेन लाइन के रूप में नामित किया जाएगा। दोहरीकरण से रेल लाइन क्षमता में वृद्धि होगी, यात्री और माल ढुलाई दोनों सेवाओं के लिए उच्च गति और आवृत्ति में वृद्धि को सक्षम बनाएगी, यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी और रेल यात्रियों की सुविधा में सुधार होगा।

एन. ई. रेलवे गर्ल्स इण्टर कालेज में आवेदन पत्र वितरण प्रारंभ

गोरखपुर। एन. ई. रेलवे गर्ल्स इण्टर कालेज, बौलिया रेलवे कालोनी, गोरखपुर में नये सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 06 से 11वीं तक की कक्षाओं के लिए प्रवेश हेतु आवेदन पत्र वितरण का कार्य 18 दिसम्बर,2025 से प्रारंभ कर दिया गया है। यह प्रवेश आवेदन पत्र कार्य दिवस में 12.00 बजे से 15.00 बजे तक कालेज कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। प्रवेश आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 31 जनवरी, 2026 तथा प्रवेश परीक्षा की तिथि 06 फरवरी,2026 निर्धारित है। सीबीएसई बोर्ड से संचालित इस विद्यालय में योग्य शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा उच्चस्तरीय शिक्षा दी जाती है एवं विद्यालय के प्रत्येक वर्ग की निगरानी सीसीटीवी कैमरा द्वारा की जाती है तथा इस विद्यालय में भौतिक, रसायन एवं बायो-लैब, आधुनिक पुस्तकालय, रीडिंग रूम, ऑडियो की सुविधा उपलब्ध है।

ग्रैटीट्यूड जर्नल के लिए प्लानिंग जरूरी नहीं

लेखकः गौरव तिवारी

हम उन लोगों और घटनाओं को भूल जाते हैं, जिन्होंने हमारे दिन को थोड़ा और बेहतर बनाया। हमें हर छोटी चीज के लिए शुक्रिया कहना चाहिए। अगर दिन में काम की व्यस्तता के बीच ऐसा करना भूल गए हैं तो कोई बात नहीं, एक डायरी और पेन उठाइए। रात में सोने से पहले इन सभी अच्छे पलों को याद करके शुक्रिया लिखिए। इसे ग्रैटीट्यूड जर्नलिंग कहते हैं। इससे कुछ ही दिनों में आपका दुनिया को देखने का नजरिया बदल जाएगा और तमाम बिगड़ी चीजें भी बेहतर होने लगेंगी।

ग्रैटीट्यूड जर्नल क्या है?

ग्रैटीट्यूड जरनल का मतलब है कि हर दिन अपने दिनभर के अच्छे अनुभवों को याद करके उनके लिए आभार व्यक्त करना। इसे आदत से जीवन में सकारात्मकता बढ़ती है और मानसिक शांति मिलती है। हम सभी जिंदगी में सफलता, पैसा और नाम कमाने के लिए दौड़ते रहते हैं। जो लोग ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं, उन ज्यादातर लोगों में एक कॉमन आदत होती है- हर चीज के लिए आभार जताना। ओप्रा विनफ्रे, टोनी रॉबिंस और रिचर्ड ब्रैनसन जैसे सफल लोग हर दिन कुछ मिनट निकालकर वो बातें लिखते हैं, जिनके लिए वे दिल से शुक्रगुजार हैं। भारत के प्राचीन ग्रंथों में आभार प्रकट करना एक महत्वपूर्ण गुण बताया गया है। भगवद्गीता में भी यह संदेश दिया गया है कि हमें हर परिस्थिति में ईश्वर यानी प्रकृति के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए।

ग्रैटीट्यूड से मिलती है खुशी

विज्ञान भी इस बात की पुष्टि करता है कि आभार प्रकट करने से व्यक्ति की मानसिक स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अमेरिका के प्रसिद्ध साइकोलॉजिस्ट रॉबर्ट एमन्स और माइकल मैककुलॉघ को एक स्टडी में पता चला कि जो लोग नियमित रूप से ग्रैटीट्यूड जर्नल लिखते हैं, वे लोग दूसरों की अपेक्षा ज्यादा खुशहाल और संतुष्ट रहते हैं। उनमें निराशा और चिंता का भाव भी कम होता है। ठीक यही बात सेंटर फॉर मेंटल हेल्थ में पब्लिश एक स्टडी में पता चली।

ग्रैटीट्यूड जर्नल लिखने के फायदे

ग्रैटीट्यूड जर्नल लिखने का सबसे बड़ा फायदा ये है कि हम अपने आसपास घट रही सभी चीजों के प्रति आभारी हो जाते हैं। सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हैं। इससे उन सभी लोगों को भी खुशी मिलती है और सभी के भीतर कई बदलाव होते हैं- सकारात्मकता बढ़ती है- जब हम पूरे दिन की अच्छी बातों पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमारी सोच सकारात्मक हो जाती है। तनाव और चिंता में कमी आती है- मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी कहते हैं कि आभार प्रकट करने से स्ट्रेस हॉर्मोन 'कॉर्टिसोल' का स्तर कम होता है। नींद की क्वालिटी में सुधार होता है- सोने से पहले अच्छी चीजें लिखने से मन शांत रहता है और अच्छी नींद आती है। रिश्तों में मजबूती बढ़ती है- जब हम दूसरों की अच्छाइयों को नोटिस करते हैं और उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं तो हमारे रिश्ते मजबूत होते हैं। आत्मविश्वास बढ़ता है- जब हम अपनी उपलब्धियों और खुशियों को पहचानते हैं तो हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है।

कैसे शुरू करें ग्रैटीट्यूड जर्नल?

इसके लिए किसी प्लानिंग की जरूरत नहीं है। आपके पास कोई खाली नोटबुक या डायरी रखी है तो पेन उठाइए और शुरू हो जाइए। अगर पहले दिन आपके पास ये चीजें नहीं हैं तो मोबाइल फोन में ही टाइप कर लीजिए। एक डायरी या नोटबुक लें- रोज आदत में लाने के लिए एक डायरी या नोटबुक लें। इसमें रोज की तारीख लिखकर उस दिन का जर्नल लिखें। अगर आपके पास बहुत पैसे नहीं हैं तो रफ पेज वाली कॉपी भी चलेगी। रोज कुछ मिनट समय निकालें- दिन पूरा होने पर किसी एक निश्चित समय रोज नियमित रूप से इसे लिखें। एक नियम तय कर सकते हैं कि सोने से पहले लिखेंगे या खाने से पहले लिखेंगे। कम से कम तीन चीजें लिखें।

नए साल की छुट्टियों में घूमने के लिए बनाएं प्लान

लेखकः गौरव तिवारी

अगर आप भी नया साल 2026 सेलिब्रेट करने के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन की तलाश कर रहे हैं, तो आप भी अभी से नए साल की छुट्टियों की योजना तैयार कर लें। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए कुछ जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। साल 2025 अब धीरे-धीरे खत्म होने को है। यह साल भी हर साल की तरह अपनी रफ्तार से बीत रहा है। दिसंबर की ठंड जैसे ही नजदीक आ रही है, तो मन में सवाल उठता है कि नए साल पर कहां घूमने के लिए जाएं। बता दें कि नया साल सिर्फ पार्टी करने का दिन नहीं बल्कि बीते साल की थकान को मिटाकर नई उम्मीदों के साथ आगे बढ़ने का भी मौका है। इसलिए जहां कहीं भी जाएं, खुद को खुश रखें और सुकून ढूंढें। ऐसे में अगर आप भी नया साल सेलिब्रेट करने के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन की तलाश कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप भी अभी से नए साल की छुट्टियों की योजना तैयार कर लें।

शिमला

बर्फ के बीच नए साल का स्वागत करना है, तो आपको शिमला जाना चाहिए। वहीं अगर आप भी सर्दियों का जादू और बर्फ की चादर में लिपटी वादियों को देखना चाहते हैं, तो शिमला से बेहतर जगह और कोई नहीं है। यहां पर आप मॉल रोड की रौनक, लाइट्स और बर्फबारी में थिरकती भीड़ आपका दिल जीत लेगी। दोस्तों के ग्रुप और कपल्स के लिए शिमला बेस्ट जगह है। आप यहां पर न्यू ईयर के जश्न के दौरान बोनफायर का भी लुत्फ उठा सकते हैं। आप मॉल रोड पार्टी कर सकते हैं और घूमने के लिए क्राइस्ट चर्च जा सकते हैं।

गोवा

नए साल की पार्टी करनी हो और गोवा का नाम न आए। तो ऐसा हो ही नहीं सकता है। 31 दिसंबर की रात गोवा के बीच पर आतिशबाजी, विदेशी म्यूजिक और डांस फ्लोर की धूम आपको एक अलग ही एनर्जी देने का काम करती है। पार्टी लवर्स के लिए गोवा बेस्ट है और यहां के बीच पर आप पार्टी कर सकते हैं। वहीं सनसेट डिनर और बीच कैंपिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

मनाली

अगर आपको एडवेंचर और सुकून दोनों चाहिए तो मनाली एक परफ़ेक्ट ऑप्शन है। नए साल पर यहां लाइव म्यूजिक, कैफ़े कल्चर, ट्रेकिंग और तारों के नीचे बिताए गई रात कई यादें दे जाएगी। अगर आप मनाली जा रहे हैं, तो सोलांग वैली, कसोल और लाइव कैफ़े का आनंद उठाना न भूलें। इन दिनों आपको हिमाचल के मनाली में भी बर्फबारी देखने का मौका मिल जाएगा। जो भी लोग क्रिसमस के मौके पर घूमने जाना चाहते हैं, वह लाइव स्नोफॉल का मजा उठा सकते हैं। मनाली में बर्फबारी को लेकर एक ओर लोकल लोग काफी खुश हैं और वहां पर सैलानियों की संख्या बढ़ने लगी है। अगर आप अभी भी मनाली जाते हैं, तो आप वहां पर बर्फबारी का नजारा देख सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी का लुत्फ उठाने के लिए आप नारकुंडा भी आ सकते हैं। यह हिमाचल के सबसे अच्छे स्कीइंग स्थलों में से एक है। शिमला शहर से करीब 60 किमी दूर स्थित यह जगह आपको ढेर सारे यादगार एक्सपीरियंस दे सकता है। जब भी हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी देखने की बात होती है, तो सबसे पहले रोहतांग ला का नाम सामने आता है। लाशों के मैदान के रूप में फ़ेमस यह जगह स्लेज घाटियों, गर्म पानी के झरनों और स्की क्षेत्रों से भरा है। यह एडवेंचर प्रेमियों के लिए पसंदीदा जगह है।

जयपुर

अगर आप नए साल का स्वागत रॉयल अंदाज में करना चाहते हैं, तो आपको जयपुर आना चाहिए। यहां की लाइट डेकोरेशन, हेरिटेज होटल और राजस्थानी खाने के साथ 31 दिसंबर की रात राजसी एहसास दिलाएगी। फैमिली और कपल्स के लिए यह जगह बेस्ट है।

आपसी जुड़ाव रस्मी है या भावनात्मक...

कोमल आर हिरानी

परिवार की तस्वीर में जब तक कोई बड़ा झगड़ा न हो, हमें लगता है कि सबकुछ ठीक है। परिवार के असली मायने क्या हैं? साथ रहना या तीज-त्योहार पर सबका साथ आ जाना, खाना मिल-जुलकर खा लेना, कभी-कभार हालचाल पूछ लेना, क्या इतने से ही रिश्ते निभ जाते हैं? कई बार हमारे आसपास के रिश्ते बीमारी की उस अवस्था में पहुंच जाते हैं जहां लक्षण कम दिखते हैं लेकिन अंदर ही अंदर बहुत कुछ मर चुका होता है। आपसी जुड़ाव भावनात्मक है या केवल रस्मी, यह जानने के लिए परिवार की भावनात्मक समीक्षा कर सकते हैं।

समीक्षा क्या है क्यों करें?

रिश्ते भी एक सिस्टम की तरह होते हैं, जिनमें संवाद, सहानुभूति, आदान-प्रदान, स्पेस और इज़्ज़त जैसे भाग होते हैं। इनका समय-समय पर ऑडिट होना ज़रूरी है, वरना रिश्ता सिर्फ़ एक ढांचा बनकर रह जाता है। नीचे दिए गए दस सवालों के जवाब यदि आप और आपके परिवार के सदस्य ईमानदारी से दें, तो यह बता सकता है कि आपका परिवार कितना जुड़ा है- क्या आप बिना डरे, अपने दिल की बात घर में किसी से कह सकते हैं? क्या हर सदस्य को अपनी राय रखने की स्वतंत्रता मिलती है? क्या घर में बातचीत और संवाद हमेशा खुले और ईमानदार रहते हैं और चुप्पी के बजाय विचारों का आदान-प्रदान सामान्य होता है? जब आप घर आते हैं, तो क्या एक अपनापन महसूस होता है या घर लौटने का सुकून लगता है? क्या आप सिर्फ़ ज़िम्मेदारियां निभाने के लिए ही इस परिवार का हिस्सा हैं, या आपके कठिन वक़्त में भी कोई आपका दर्द समझने वाला है? क्या आप जानते हैं कि आपके बच्चों/बुज़ुर्गों की मौजूदा भावनात्मक ज़रूरतें क्या हैं? क्या 'थैंक यू' और 'सॉरी' जैसे शब्द आपके परिवार की बातचीत में हैं? क्या आपके घर में सिर्फ़ ज़रूरी और कामकाजी बातें होती हैं या इससे परे भी आप एक-दूसरे से दिल की बातें करते हैं?

लाल झंडियां-जब रिश्ते सिर्फ़ 'चल' रहे होते हैं

खुलकर बात नहीं होती... जब आप मन की बात कहने से डरें या लगे कि आपको समझा नहीं जाएगा, तो यह रिश्ते में दूरी का संकेत हो सकता है। सब साथ होकर भी मोबाइल पर हों... डिजिटल दूरी धीरे-धीरे रिश्तों को ख़ाली कर सकती है। बातचीत सीमित हो गई है... 'कब आओगे?' 'बिजली का बिल भर दिया?' जैसी बातें तो होती हैं, लेकिन दिल की बातें, हंसी-मज़ाक़ और साथ बिताया समय कम होता जा रहा है। साथ होते हुए भी अकेलापन लगे... यह गंभीर संकेत हो सकता है। भावनाओं में कोई दिलचस्पी नहीं बची... न आप पूछते हैं कि उनका दिन कैसा रहा, न उन्हें फ़र्क़पड़ता कि आप क्या महसूस कर रहे हैं। तकरार या फिर ख़ामोशी... जब संवाद का स्थान तकरार या चुप्पी ले ले, तो धीरे-धीरे रिश्ता थकने लगता है। सोशल मीडिया पर एक्टिव, पर एक-दूसरे से दूरी... दोस्तों के साथ चैट करना तो चलता रहता है, लेकिन घर के लोगों के साथ बात करने की फ़ुर्सत नहीं होती। ये भावनात्मक प्राथमिकताओं का असंतुलन है। सिर्फ़ औपचारिक रिश्ते... अगर रिश्ते केवल जन्मदिन, सालगिरहों और अन्य ख़ास दिनों पर बधाई देने तक सीमित हैं, तो यह दर्शाता है कि रिश्ता सिर्फ़ औपचारिकता बनकर रह गया है, भावनात्मक जुड़ाव ख़त्म हो चुका है।

सुधार की ओर इशारा

माफ़ करने की प्रवृत्ति... जब कोई ग़लती हो और सामने वाला कहे, 'कोई बात नहीं, मैं समझ सकता हूं', तो ये रिश्ते के ठीक होने का संकेत है। मुश्किल समय में साथ देना... असली रिश्ता तब दिखता है जब कोई बीमार हो, तनाव में हो या टूट रहा हो और परिवार बिना कहे मौजूद हो। सब एक-दूसरे को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी करते हैं।

छोटे क़दमों से मज़बूत होंगे संबंध

ईमानदार बातचीत- जब बात करें मोबाइल दूर रखें, एक-दूसरे से सिर्फ़ दिल की बात की जाए। यह छोटा क़दम बहुत बड़ा बदलाव ला सकता है। 'थैंक यू' और 'सॉरी' को फिर से शामिल करें- ये शब्द औपचारिक नहीं, ज़रूरी हैं। इनसे अंहकार टूटता है और अपनापन बढ़ता है। 'माफ़ करना, मैंने तुम्हारा ध्यान नहीं रखा' ये सरल ईमानदार शब्द रिश्ते में गर्माहट लाते हैं। हर महीने एक पारिवारिक गतिविधि- कोई गेम खेलें। फैमिली ट्री बनाएं। उसमें सबकी तस्वीरें लगाएं। फोन नंबर लिखें। घर के छोटों से कहें कि वे भी बड़ों से बात करें। सबकी राय सुनें- परिवार के हर सदस्य से उनके विचार या राय पूछें। छोटे बच्चे, बड़े बुज़ुर्ग सभी की बातों को सुनना परिवार को जोड़ने का सबसे प्रभावी तरीक़ा हो सकता है।

अंत में स्वयं से एक सवाल...

क्या मैंने सिर्फ़ एक ख़ुशहाल परिवार की ख़्वाहिश की है या परिवार की जीवंतता और उसकी ख़ुशहाली के लिए सच में कोई कोशिश की है? क्या मैंने संवाद किया है या सिर्फ़ शिकायतें की हैं और 'विक्टिम मेंटलिटी' अपनाई है, यह सोचकर कि 'मेरे परिवार में तो बस टॉक्सिक लोग हैं? जब परिवार बड़ा होता है और उसमें कई सदस्य, पीढ़ियां और साझा संपत्ति शामिल होती है, तो भविष्य में संपत्ति, व्यवसाय, पैतृक अधिकार या उत्तराधिकार को लेकर विवाद की आशंका हमेशा बनी रहती है।

अपने भावों को स्वीकार कर उन्हें महसूस भी करें

खास पेशकश

आत्मिक स्तर पर स्वयं को ठीक रखना, हमारी आत्मा से एक गहरा संबंध स्थापित करना है। मानसिक स्तर पर हम तब खुश होते हैं जब हम अपने मूल विश्वासों को पहचानते हैं और गहन समझ के लिए स्वयं को खोलते हैं। भावनात्मक उपचार तब होता है जब हम अपने भावों को स्वीकार कर महसूस करते हैं। शारीरिक स्तर पर हम तब चंगे होते हैं जब अपने शरीर का सम्मान कर उसकी देखभाल करते हैं। (मनी एज ए रिफ्लेक्शन)

हम धैर्यवान होने का दिखावा करते हैं

इंतजार एक निष्क्रिय अवस्था है। इसके लक्षण होते हैं- अपनी जिंदगी को रोक देना, यह सोचना कि अगली बड़ी चीज आने वाली है, अपने भीतर के बजाय बाहर देखना। वहीं इसकी तुलना में धैर्य है देरी को स्वीकारना, शांत और विचारशील स्थिति, आत्ममंथन और मौन का समय। धैर्य एक गुण है। यह एक शक्तिशाली मानसिक अवस्था है, लेकिन कभी-कभी हम धैर्यवान होने का दिखावा भी करते हैं। (हाउ टु डिटरमाइन...)

स्वयं को व दूसरों को सहज स्वीकार करें

हमारे जीवन में जो लोग कठिन होते हैं, वे अक्सर बहुत ताकतवर प्रतीत होते हैं। लेकिन यह ताकत हमने उन्हें दी है। हम अपने सुख, स्वतंत्रता और शांति उस कठिन व्यक्ति को सौंप देते हैं। हमें यह भ्रम होता है कि जब वह कठिन व्यक्ति हमारी जिंदगी से चला जाएगा तभी हम खुश होंगे। यह तलाश कितनी निरर्थक है। सच्ची स्वतंत्रता और शांति तब आती है जब हम स्वयं को और दूसरों को स्वीकार करना सीखते हैं।

खुला दिल और दिमाग रखना इसलिए बेहद जरूरी होता है

जब आप किसी के बारे में निर्णय लेते हैं, तो आप अनजाने में घटनाओं की एक शृंखला को गति देते हैं। आप एक ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ जाते हैं, बिना यह महसूस किए कि आपकी ऊर्जा अब ऐसे रास्तों पर जा रही है जहां आप उसे ले जाना नहीं चाहते। निर्णय का मतलब होता है अंतिम बिंदु। एक बार जब आप किसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं, तो एक निश्चित दृष्टिकोण अपनाते हैं और उसके साथ संभावनाओं को सीमित करते हैं। आप एक सोच में अटक जाते हैं और अन्य संभावनाओं के दरवाजे बंद कर देते हैं। (सस्पेंडिंग जजमेंट)

यह बात जरूर स्पष्ट करें आप कैसी सलाह चाहते हैं

क्या आप किसी विचार पर प्रतिक्रिया चाहते हैं? कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर करने के तरीके चाहते हैं या किसी समस्या के वैकल्पिक समाधान चाहते हैं। उदाहरण के लिए, सिर्फ यह न पूछें कि पिछली तिमाही के मेरे रेवेन्यू नंबर कैसे लगे? बल्कि यह पूछें कि अब तक मैंने अ और ब को आजमाया था, लेकिन मुझे मेरी उम्मीदों के अनुसार लक्ष्य नहीं मिला। मेरी जगह अगर आप होते तो यह काम कैसे करते? इस तरह आप यह स्पष्ट कर सकते हैं कि आपको किस तरह की सलाह चाहिए। अगर आप लोगों को भविष्य में आगे होकर मदद करने के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, तो आपकी सलाह अधिक स्पष्ट और उपयोगी हो सकती है। उदाहरण के तौर पर आप यह कह सकते हैं कि क्या आप मुझे कुछ ऐसे सुझाव दे सकते हैं जिससे कि मैं अपनी प्रेजेंटेशन की स्लाइड को और बेहतर व आकर्षक बना सकूं? या क्या आप मुझे कोई ऐसी सलाह दे सकते हैं कि मैं अगली बार क्या बेहतर कर सकता हूं?

रिलेशनशिप

अगर लड़का सिर्फ ब्लेम कर रहा है तो सावधान हो जाएं। सीधे कहें, मुझे कंसिस्टेंसी चाहिए, न मिले तो रिश्ते को समय रहते खत्म कर दें

आगे बढ़ने के लिए सबसे पहले जरूरी है कि हमें इस बात की ठोस समझ हो कि हम इमोशनली अभी किस जगह खड़े

मैं 35 साल की सिंगल वुमन हूं। में बेसिकली बंगाल की रहने वाली हूं, लेकिन अभी नोएडा में जॉब कर रही हूं और अकेले रहती हूं। यहां ऑफिस में एक लड़के के साथ पांच साल तक मेरा अफ़ेयर रहा। पहले वो मुझसे बहुत प्यार करता था या कम-से-कम ऐसा जताता और दावा करता था। उसने शादी का वादा किया था। पिछले तीन साल से हम लगभग पति-पत्नी की तरह ही रह रहे थे। हालांकि वो अपने पेरेंट्स के साथ रहता है, लेकिन हफ्ते में दो-तीन दिन वो मेरे घर पर ही रुकता था। सबकुछ ठीक चल रहा था, लेकिन तीन साल गुजरने के बाद उसका व्यवहार थोड़ा बदलने लगा। मैं जब भी उसे शादी के लिए कहती तो वो कोई-न-कोई बहाना बनाकर टाल देता। हमारे धर्म एक नहीं हैं। मैं बंगाली क्रिश्चियन हूं और वो यूपी का हिंदू है। लेकिन वो कहता तो यही था कि रिलिजन कोई प्रॉब्लम नहीं है। मैं अपने घरवालों को मना लूंगा। मैं भी इसी उम्मीद में थी। लेकिन अभी एक महीने पहले मुझे पता चला कि उसने अपने पेरेंट्स की मर्जी से अपनी कास्ट और रिलिजन में शादी कर ली। उसने मुझे कुछ नहीं बताया। मुझे उसके दोस्तों से पता चला। उसने सोशल मीडिया पर भी मुझे ब्लॉक कर दिया। मैं तब से गहरे सदमे और डिप्रेशन में हूं। बार-बार आत्महत्या के ख्याल आते हैं। मैंने अपनी जिंदगी के 5 साल उसके इंतजार में गंवा दिए और अब मैं बिल्कुल अकेली हूं। प्लीज मेरी हेल्प करिए।

1. खुद का आंकलन

आगे बढ़ने के लिए सबसे पहले जरूरी है कि हमें इस बात की ठोस समझ हो कि हम इमोशनली अभी किस जगह खड़े हैं। हमारा दुख, ट्रॉमा कितना गहरा है। उसी के आधार पर हम अपना अगला एक्शन प्लान बना सकते हैं। इसलिए नीचे दिए सवालों को ध्यान से पढ़ें और उसके हिसाब से खुद को स्कोर दें। स्कोर चार्ट नीचे ग्राफिक में दिया गया है। जैसेकि अगर पहले सवाल का आपका जवाब 'बिल्कुल नहीं' है तो खुद को 0 नंबर दें, अगर जवाब 'कभीऽकभार' है तो 2 नंबर दें और अगर जवाब है 'हर समय' है तो 3 नंबर दें। इन सवालों को पढ़ें और खुद को स्कोर दें मुझे हर समय दुखी या निराश महसूस होता है। मुझे नींद बिल्कुल नहीं आती या बहुत ज्यादा नींद आती है। मन में बार-बार आत्महत्या के विचार आते हैं। मेरा आत्मसम्मान बहुत गिर गया है। मैं इस स्थिति के लिए खुद को दोषी मानती हूं। मुझे किसी से बात करने या बाहर जाने का मन नहीं करता। मुझे लगता है कि फिर किसी से प्यार नहीं हो पाएगा। मैंने खुद को सोशल मीडिया या दोस्तों से अलग कर लिया है। मैं बार-बार उसकी यादों और धोखे को दोहराती रहती हूं।

2. सेल्फ हेल्प प्लान

काउंसिलिंग और प्रोफ़ेशनल मदद के साथ-साथ आपके पास हर वक्त एक सेल्फ हेल्प प्लान भी होना चाहिए। आपको पहले से पता होना चाहिए कि जब भी आपको ज्यादा परेशानी हो या मन में आत्महत्या के ख्याल आएं तो ऐसे में आपको तुरंत क्या जरूरी कदम उठाना है। इस तरह के केसेज में जो पहला ख्याल हमारे मन में आता है, वो खुद को दोष देने, अपनी गलती निकालने का होता है। हमें लगता है कि हम ही बुरे हैं, हमारे भीतर ही कुछ कमी है। लेकिन ये सच नहीं होता। इसलिए जब भी मन में ऐसे ख्याल आएं तो खुद को उसका सही जवाब देना और बार बार रीअश्योर करना जरूरी है।

जर्नलिंग एक्सरसाइज

हर दिन अपनी डायरी में ये लिखिए- आज की तीन अच्छी बातें। उस रिश्ते से मैंने क्या सीखा। अब आगे मैं अपने लिए क्या करना चाहती हूं। रिश्ते का कैसे करें अंत 'क्लोजर रिचुअल' सब चीजें आखिर हमारे दिमाग में ही होती हैं। हमें अपने ब्रेन को ये मैसेज देने और समझाने की जरूरत है कि वो रिश्ता खत्म हो चुका है। जीवन पीछे नहीं, आगे है। ये करने का एक आसान तरीका कुछ क्लोजर रिचुअल फॉलो करना है। ये एक सरल प्रक्रिया है, जिससे हम अपने दिमाग और दिल को ये मैसेज देते हैं कि पुराना चैप्टर बंद हो चुका है। अपने एक्स के नाम एक पत्र लिखें (ये भेजना नहीं है)। इसमें अपनी सारी भावनाएं, तकलीफें, दर्द, सवाल सबकुछ को व्यक्त करें। पत्र के अंत में लिखें, अब मैं इस तकलीफ, इस दर्द को विदा देती हूं। इस पत्र को जला दें या फाड़ दें। यह एक तरह का प्रतीकात्मक क्लोजर है। ऐसा करने से आपके दिल दिमाग को ये समझने में मदद मिलेगी। सोशल मीडिया से दूरी और रिश्तों में सीमाएं बनाना ब्रेकअप के बाद कुछ समय के लिए सोशल मीडिया, एक्स के दोस्तों और जानीऽपहचानी सर्कल से दूरी बनाना बहुत जरूरी है।

भविष्य की सीख और तैयारी

इस पूरी बातचीत का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा ये है कि पिछले अनुभवों से आपने क्या सीखा। भविष्य में किन गलतियों को नहीं दोहराना है। अगले रिश्ते में किन बातों का ध्यान रखना है और क्या सावधानियां बरतनी हैं। रेड फ्लैग 1 फ्यूचर और कमिटमेंट से जुड़े सवाल टालना। अर्थ वो आपको लेकर गंभीर नहीं हैं या कुछ छिपा रहे हैं। क्या करें अगर हर बार यही जवाब मिले तो ये पैटर्न है। वो रिश्ते को लेकर गंभीर नहीं है। इस बात को आप गंभीरता से लें। रेड फ्लैग 2 लव बॉम्बिंग यानी जरूरत से ज्यादा प्यार जताना। ये जल्दी से दिल जीतने की मैनिपुलेशन टैक्टिस है। बाउंड्री बनाएं, कहें कि आप धीरेधीरे कदम बढ़ाना चाहती हैं। सीधे पूछें, मुझे फ्रेंड्सऽफैमिली से मिलना है। उनका रिएक्शन नोट करें। पूछें कि पिछले रिश्ते से तुमने क्या सीखा। अगर लड़का सिर्फ ब्लेम कर रहा है तो सावधान हो जाएं। सीधे कहें, मुझे कंसिस्टेंसी चाहिए। न मिले तो रिश्ते को समय रहते खत्म कर दें। ओपेन एंडेड सवाल पूछें। अपनी गट फीलिंग पर भरोसा करें।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया 115वां स्थापना दिवस

सेवा ही संकल्पः सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया सामाजिक उत्तरदायित्व की सशक्त मिसाल

खरी कसौटी ब्यूरो

नई दिल्ली। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के 115वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली दक्षिण द्वारा कात्यायनी बालिका आश्रम, झंडेवालान, नई दिल्ली में आदिवासी बालिकाओं के सर्वांगीण कल्याण हेतु एक विशेष सामाजिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बालिकाओं के दैनिक जीवन एवं शिक्षा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वॉशिंग मशीन, स्कूल बैग, व्यक्तिगत उपयोग की आवश्यक सामग्री सहित अन्य उपयोगी वस्तुओं का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम श्री अनिल अग्निहोत्री, क्षेत्रीय प्रमुख एवं श्री मनदीप कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्री तरुण शर्मा, सुश्री सारिका, सुश्री अनुभा सहित बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे, जिनकी सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को और अधिक सार्थक बनाया।

इस अवसर पर श्री अनिल अग्निहोत्री ने बालिकाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु प्रेरित किया तथा समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण के प्रति सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिबद्धता को दोहराया। यह पहल बैंक की सामाजिक उत्तरदायित्व, समावेशी विकास एवं सामुदायिक कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से दर्शाती है। 115 वर्षों की गौरवशाली सेवा यात्रा के इस महत्वपूर्ण अवसर पर बैंक द्वारा उठाया गया यह कदम बैंकिंग के साथ सामाजिक सहभागिता की भावना को जीवंत करता है।

भारत रोक रहा चेनाब नदी का पानी, घबराए पाक ने भारत को लिखा खत, लगाई गुहार

इस्लामाबाद। भारत के सिंधु जलसंधि को निलंबित करने के बाद से ही पाकिस्तान की सरकार बौखलाई हुई है। लगातार एक के बाद एक बयान दे रही है और संयुक्त राष्ट्र तक से यह मुद्दा उठा चुकी है। ताजा मामले में पाकिस्तान की सरकार ने गुरुवार को आरोप लगाया कि चेनाब नदी का पानी लगातार कम हो रहा है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस संबंध में भारत को एक पत्र लिखा गया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन अंद्राबी ने चेनाब नदी के पानी के बहाव में 'अचानक से भिन्नता' आ रही है। उन्होंने पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से दावा किया कि भारत ने चेनाब नदी में पानी भी छोड़ा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान चेनाब नदी के पानी में आ रहे इस बदलाव को बहुत ही ज्यादा चिंता और गंभीरता से ले रहा है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत बिना पूर्व चेतावनी दिए ही चेनाब नदी में पानी छोड़ रहा है। अद्राबी ने कहा, 'हमारे सिंधु जल आयुक्त ने अपने भारतीय समकक्ष को एक पत्र लिखा है।

राजनीति › कट्टरपंथ और पाकिस्तान को महंगा पड़ेगा कदम, पाकपरस्त यूनुस लायेंगे नई तबाही

बांग्लादेश की नसों में भारत विरोधी जहर कौन भर रहा?

खरी कसौटी ब्यूरो

नई दिल्ली। जैसे-जैसे बांग्लादेश फरवरी 2026 के चुनावों की ओर बढ़ रहा है, भारत के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण हो रहे हैं। एक समय था जब भारत और बांग्लादेश के रिश्ते बेहद प्रगाढ़ हुआ करते थे। शेख हसीना के प्रधानमंत्री रहते हुए दोनों देशों के बीच घरेलू रिश्ता था। हालांकि आज हालात बिल्कुल बदल चुके हैं। पड़ोसी मुल्क में लगातार ऐसी कार्रवाई सामने आ रही जो खून खौला दे।

कभी वहां हिंदू अल्पसंख्यकों को टारगेट किया जाता है, तो अब राजधानी ढाका स्थित भारतीय हाई कमीशन को घेरने की कोशिश हुई है। दिल्ली में बांग्लादेश के राजदूत को तलब किया और पूरे मामले पर सवाल खड़े किए। ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) अब्दुल्लाहिल अमान आजमी ने कहा था कि बांग्लादेश में शांति तभी आएगी जब भारत टुकड़ों में बंटेगा। ये बयान ऐसे समय आए जब ढाका पहले ही पाकिस्तान और चीन के करीब जा रहा। जिस तरह से ये घटनाक्रम सामने आ रहे सवाल उठ रहे कि आखिर बांग्लादेश की नसों में भारत

विरोधी जहर कौन भर रहा। कहा तो यही जा रहा कि बांग्लादेश में इन हालात के लिए कट्टरपंथी सोच अहम वजह है। कहीं न कहीं पाकिस्तान के भी बांग्लादेश में बढ़ते दखल को एक वजह माना जा सकता है। हाल के समय भारत के इन दोनों ही पड़ोसी देशों के बीच बैठकों और मुलाकातों का कई दौर चला है।

ऐसे में ये चर्चा है कि पाकिस्तान का भी रोल बांग्लादेश में इस बिगड़ते माहौल के लिए अहम है। यही वजह है कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश में बिगड़ते सुरक्षा माहौल पर गहरी चिंता जताई है। बिगड़ते हालात को देखते हुए भारत में बांग्लादेश के हाई कमिश्नर रियाज हमीदुल्लाह को तलब किया गया। जिसमें कुछ कट्टरपंथी लोगों की तरफ से बांग्लादेश में भारतीय हाई कमीशन के आसपास कुछ चिंताजनक हालात पैदा करने की बात कही गई। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार, ढाका स्थित भारतीय वीजा ऑफिस के बंद होने की जानकारी दी गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेशी राजदूत का ध्यान खासतौर पर उन कट्टरपंथी लोगों की गतिविधियों की ओर दिलाया, जिन्होंने ढाका में भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा को लेकर अप्रिय स्थिति बनाने की योजना की घोषणा की है। इसके अलावा, भारत ने बांग्लादेश में हाल की कुछ घटनाओं के बारे में कट्टरपंथी लोगों की ओर से बनाई जा रही झूठी कहानी को पूरी तरह से खारिज कर दिया।

भारत ने यूनुस की अंतरिम सरकार से कहा कि वह अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारियों के हिसाब से बांग्लादेश में भारतीय मिशन और पोस्ट की सुरक्षा सुनिश्चित करें। इससे पहले रविवार को, भारत ने यूनुस सरकार के दावों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उसने पड़ोसी देश में शांतिपूर्ण माहौल में निष्पक्ष, स्वतंत्र, सबको साथ लेकर चलने वाले और भरोसेमंद चुनाव कराने का लगातार समर्थन किया है। भारत की ओर से यह टिप्पणी शेख हसीना के हालिया बयान को लेकर बांग्लादेश में भारतीय राजदूत को तलब किए जाने के बाद आई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने कभी भी अपनी जमीन का इस्तेमाल बांग्लादेश के लोगों के हितों के खिलाफ कामों के लिए नहीं होने दिया है। भारत बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के 14 दिसंबर 2025 के प्रेस नोट में किए गए दावों को पूरी तरह से खारिज करता है। हम उम्मीद करते हैं कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अंदरूनी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी।

शेख हसीना ने बताया यूनुस क्यों जा रहे पाकिस्तान के करीब

खरी कसौटी ब्यूरो

नई दिल्ली। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर हमला बोला है। भारत में सवनिर्वासन में रह रहीं हसीना ने आरोप लगाया कि मोहम्मद यूनुस देश को अस्थिरता में धकेल रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने पर यूनुस पर राजनीतिक वैधता के लिए पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ाने का आरोप लगाया है। एगग-न्यूज 18 को दिए एक खास इंटरव्यू में हसीना ने कहा कि यूनुस के पास कूटनीति करने करने के न तो जनादेश है और न ही अनुभव है।

इस दौरान अवामी लीग नेता ने भारत के धैर्य की तारीफ की और कहा कि ढाका और नई दिल्ली के रिश्ते बांग्लादेश के शासन में एक अस्थायी और अवैध रुकावट के कारण खराब हुए हैं। शेख हसीना ने बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल से मौत की सजा सुनाए जाने और पार्टी पर प्रतिबंध लगाए जाने पर जवाब दिया। उन्होंने कहा यह मौत की सजा एक ऐसी कंगारू कोर्ट ने दी है जो गैर-चुनी हुई अंतरिम सरकार के इशारे पर काम कर रही है। हमें उम्मीद है कि जल्द ही बांग्लादेश में लोकतंत्र आएगा और हमारी पार्टी को सही भूमिका मिलेगी। हसीना ने आगे कहा कि 'हमें बैन करने से वे लोग नहीं खत्म हो जाएंगे जो हमारा समर्थन करते हैं। अवामी लीग को हमारे लोगों ने 9 बार चुना है, क्योंकि हम हर गांव और मोहल्ले से जुड़े हुए हैं।' उन्होंने बांग्लादेश के लोगों के लिए कानूनी, कूटनीतिक और शांतिपूर्ण तरीकों से लड़ाई जारी रखने की बात कही। पाकिस्तान से यूनुस की नजदीकी और भारत को उकसाने के सवाल पर शेख हसीना ने कहा कि लाखों बांग्लादेशी लोग उनके खेल को समझने लगे हैं। यूनुस का पाकिस्तान की तरफ भागना उनका अंतरराष्ट्रीय मान्यता के लिए तड़प दिखाता है। उन्होंने कहा कि यूनुस के पास न तो कूटनीति करने की विशेषज्ञता है और न ही अधिकार।

मेष :- योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। मस्त-मौला मन ब्यर्थ के कार्य में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा।

वृषभ :- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कार्य के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जरूरी कार्य की समय से पूर्ति करें।

मिथुन :- नये क्षेत्रों मे प्रयास से लाभ संभव। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता बरतें।

कर्क :- सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। रोजगार में क्षमता का पूर्ण लाभ मिलेगा।

सिंह :- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कन्या :- मन को सकारात्मक दिशा की ओर केंद्रित करें। भाग्य से प्राप्त अच्छी बुरी सभी स्थितियों के साथ समझौतावादी बने। अपने सुख-दुख छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। आलस्य कतई न करें।

तुला :- पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक :- भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। आज के दिन किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

धनु :- मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में न जाया करें। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकते हैं। आज के दिन जरूरी कार्य की पूर्ति समय से करें।

मकर :- सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरूचि का शिकार होगा। रोजगार में लाभ के नये अवसर मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी मेहमान के आगमन से घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कुंभ :- किसी की अस्वस्थता से परिवार में कष्टप्रद माहौल होगा। महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य के प्रति आलस्य न करें। रोजगार में आ रही समस्याओं से निराश न हों।

मीन :- प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

लोकतंत्र के मंदिर में ई सिगरेट पीना कीर्ति आजाद पर पड़ सकता है भारी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में ई-सिगरेट पीने का वीडियो वायरल होने के बाद टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद की मुश्किलें बढ़नी तय हैं। उनकी पार्टी ने भी जो रुख दिखाया है, उससे साफ है कि इस मुद्दे पर उन्हें ममता बनर्जी का उस तरह से साथ नहीं मिलने वाला, जिस तरह से पार्टी की एक और सांसद महुआ मोइत्रा को मिला था। अब सबकुछ लोकसभा स्पीकर ओम बिरला पर निर्भर है कि वह इस मामले में क्या कदम उठाते हैं। अगर देश में ई-सिगरेट के प्रतिबंध से जुड़े कानून से लेकर संसद सदस्यों के आचरण से संबंधित नियमों को देखें तो कीर्ति आजाद का आगे का रास्ता फिलहाल उतना आजाद नहीं दिख रहा है।

टीएमसी एमपी कीर्ति आजाद का जो वीडियो बुधवार (17 दिसंबर, 2025) को वायरल हुआ और जिसे बीजेपी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर शेयर किया, उसका धुआं लोकसभा के अंदर 11 दिसंबर को ही उठने लगा था। तब बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने शून्य काल में यह मुद्दा उठाया था और बिना नाम लिए स्पीकर से मांग की थी कि टीएमसी के संबंधित सांसद पर सदन में ई-सिगरेट पीने के लिए कार्रवाई हो।

उन्होंने स्पीकर से मांग की थी कि लोकसभा के नियमों के तहत 'संबंधित सदस्य के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई' की जाए। इसपर स्पीकर ने उन्हें तत्काल भरोसा दिया कि अगर लिखित शिकायत दर्ज की जाती है तो वो कार्रवाई करेंगे। अगले ही दिन अनुराग ठाकुर ने लिखित शिकायत भी दर्ज की जिसमें लिखा था, 'सत्र के दौरान सदन में बैठे टीएमसी के एक सांसद को सरेआम ई-सिगरेट पीते हुए देखा गया।'

बुधवार को ही अनुराग ठाकुर की शिकायत को लेकर लोकसभा में टीएमसी के नेता अभिषेक बनर्जी से जब सवाल हुआ तो पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा था कि अगर आरोपों से संबंधित भरोसेमंद और पूर्ण वीडियो एविडेंस मिलेंगे तो पार्टी उचित कार्रवाई करेगी। उन्होंने साफ किया कि 'हम ऐसे व्यवहार को प्रोत्साहित नहीं करते। संसद स्मोकिंग की जगह नहीं है, कम से कम सदन के अंदर। हम संसद की गरिमा और नियमों का सम्मान करते हैं।' बाद में वह वीडियो भी सामने आ गया, जिसकी टीएमसी ने मांग की थी।

संयोग से बुधवार को ही राज्यसभा में भी ई-सिगरेट को लेकर मुद्दा उठा और सरकार की ओर से इसपर लिखित जवाब दिया गया। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में कहा कि 'देश में प्रोहिबिटेशन ऑफ इलेक्ट्रोनिक सिगरेट ऐक्ट, 2019 के तहत ई-सिगरेट का उत्पादन, निर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, बिक्री, वितरण, जमा करने और प्रचार करने पर प्रतिबंध है।' इस कानून की तामील करने की जिम्मेदारी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की एजेंसियों की है। लेकिन, एक बड़ा पेच है। यह कानून ई-सिगरेट का इस्तेमाल करने और इस्तेमाल करने के लिए रखने को अपराध की श्रेणी में नहीं रखता। स्क्रीन पर वेपिंग करते दिखना भी तकनीकी तौर पर कोई अपराध नहीं हो सकता, भले ही इसका बनाना और बेचना गैर-कानूनी क्यों न हो।

ग्लोबल कूटनीतिक रिश्ते में पीएम मोदी का सबसे जुदा स्टाइल

खरी कसौटी ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'कार डिप्लोमेसी' एक बार फिर चर्चा में है। इससे पहले भी वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे जैसे कई बड़े नेताओं के साथ कार में सफर कर चुके हैं। यह 'कार डिप्लोमेसी' नेताओं के बीच भरोसे और व्यक्तिगत संबंधों को दर्शाती है।

पीएम मोदी कई देशों के प्रमुखों के साथ कार में यात्रा कर चुके हैं। इनमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे जैसे दिग्गज नेता शामिल हैं। 'कार डिप्लोमेसी' का मतलब है कि नेता एक-दूसरे की कार में बैठकर यात्रा करते हैं। यह नेताओं के बीच गहरे भरोसे और व्यक्तिगत संबंधों को दिखाता है। हाल ही में, जॉर्डन के क्राउन प्रिंस अल हुसैन बिन अब्दुल्ला ने पीएम मोदी को जॉर्डन म्यूजियम तक अपनी कार में ले गए। वहीं, इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली ने खुद पीएम मोदी का हवाई अड्डे पर स्वागत किया और उन्हें होटल तक छोड़ा। यह दिखाता है कि कैसे ये नेता पीएम मोदी के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव महसूस करते हैं। हाल ही में एसईओ समिट के दौरान, पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक से पहले उनकी कार में सफर किया था। 2014 में जब पीएम मोदी अमेरिका गए थे, तब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उन्हें अपनी स्ट्रेच लिमोजीन में मार्टिन लूथर किंग जूनियर मेमोरियल तक ले गए थे। यह लगभग 10-12 मिनट की ड्राइव थी, जिसमें दोनों नेताओं ने बातचीत की। पीएम मोदी और जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के बीच बहुत गहरी दोस्ती थी। साल 2017 में गुजरात के अहमदाबाद में दोनों नेताओं ने एक मारुति सुजुकी जिप्सी में 8 किलोमीटर लंबा रोड शो किया था।

गाजा पर मुनीर के कदम से पाक में आयेगा भूचाल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सत्ता हासिल करने की राजनीति में शायद ही कोई दौर ऐसा आया हो जब सेना प्रमुख की शक्ति इतनी केंद्रित और निर्विवाद रही हो। सीडीएफ बने आसिम मुनीर आज न केवल सुरक्षा नीति, बल्कि आंतरिक राजनीति और विदेश नीति के निर्णायक चेहरा बन चुके हैं।

लेकिन यही अभूतपूर्व शक्ति अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां एक गलत कदम पूरे तंत्र को हिला सकता है। यह है गाजा के लिए प्रस्तावित 'इंटरनेशनल स्टैबिलाइजेशन फोर्स' की डिमांड। ये चर्चा में इसलिए है क्योंकि ये वही पाकिस्तान है जहां तहरीक-ए-लब्बैक और अन्य कट्टरपंथी संगठनों के लोग सड़कों पर और मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इजरायल

और अमेरिका के खिलाफ आवाज बुलंद करते रहे हैं। अब उन्हें ही गाजा में अहम भूमिका निभाने को कहा जा रहा है। अमेरिका चाहता है कि गाजा में हमास को हथियार विहिन करने का काम पाकिस्तानी सेना करे। रॉयटर्स ने दो विश्वस्त सूत्रों से बताया कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर आने वाले हफ्तों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने के लिए वाशिंगटन जा सकते हैं। छह महीनों में यह उनकी तीसरी मुलाकात होगी, जिसमें शायद गाजा फोर्स पर फोकस किया जाएगा। दावा है कि इन सूत्रों में से एक जनरल की आर्थिक कूटनीति में एक अहम भूमिका निभाता है। अब आते हैं पाकिस्तान की घरेलू समस्याओं पर। इस देश के लिए गाजा महज एक अंतरराष्ट्रीय संकट नहीं, बल्कि वैचारिक पहचान से जुड़ा मुद्दा है। दशकों से फिलिस्तीन समर्थक रुख ने राजनीति, धर्म और जनभावना–तीनों को आकार दिया है। ऐसे में किसी भी सैन्य तैनाती को अगर अमेरिका-इजरायल एजेंडा से जोड़ा गया, तो वह सीधे घरेलू विस्फोट का कारण बन सकती है। सैनिक भेजने का फैसला सैन्य-तकनीकी नहीं, राजनीतिक-भावनात्मक होगा–और यही सबसे खतरनाक संयोजन है।

असीम मुनीर की ताकत का स्रोत राजनीति पर नियंत्रण, विपक्ष की कमजोरी, और संस्थानों का केंद्रीकरण–अब जोखिम में बदलता दिखता है। यदि फैसला लिया गया और विरोध भड़का, तो जिम्मेदारी किसी निर्वाचित सरकार पर नहीं, सीधे सेना प्रमुख पर आएगी। यह पाकिस्तान के लिए असामान्य स्थिति होगी, जहां सेना अक्सर परदे के पीछे रहकर निर्णयों का बोझ साझा करती रही है।

जिसकी किस्मत में परमात्मा ने जी भर कर यात्रा लिखी हो, फिर वह एक स्थल पर टिक कर कैसे बैठ सकता है ?

मेरी एक न भूलने वाली गौमुख पदयात्रा-3

मनमोहन मिश्र

गतांक से आगे...

रोकने के बाद बस चालक बोला बस यहाँ दस मिनट रुकेगी जिसे चाय-वाय पीनी हो पी आये। लेकिन मुश्किल से तीन चार सवारी बस से उतरी होगी। बाकि सारी सोने में लगी पडी थी। यह चम्बा एक पहाडी चौराहे का कार्य करता है क्योंकि यहां से एक मार्ग नरेन्द्रनगर होते हुए ऋषिकेश जाता है जिस से हम आ रहे थे।

दूसरा उल्टे हाथ बाजार से होकर धनौल्टी होते हुए मसूरी व देहरादून चला जाता है तीसरा नई टिहरी के लिये ऊपर चला जाता है। बचा चौथा मार्ग जो पहले पुरानी टिहरी होता हुआ उत्तरकाशी जाता था। आजकल उस मार्ग के टिहरी झील में समाने के कारण नया मार्ग बनाया गया है जो पहले वाले मार्ग से थोडा सा यही कोई दस-बारह किमी लम्बा हो गया है। आगे जाकर यह पहले वाले मार्ग में मिल जाता है। दस मिनट रुकने के बाद हमारी बस सीधी चलती हुई ढलान पर उतरने लगी थी।

यह ढलान लगभग बीस-पच्चीस किमी से ज्यादा लम्बी थी। यह ढलान सीधी पुराने टिहरी शहर में जाकर समाप्त होती थी। मैंने तीन बार पुराने टिहरी शहर की यात्रा की है। अगर पहले किसी को सीधा गंगौत्री जाना होता था तो उसे टिहरी शहर जाने की आवश्यकता नहीं होती थी। क्योंकि टिहरी शहर गंगौत्री मार्ग से कुछ पाँच-छः किमी अलग हटकर था। बस से यात्रा करने वालो की तो मजबूरी थी कि उसे टिहरी शहर आने-जाने के लिये कम से कम एक घन्टा फालतू में खराब करना होता था। टिहरी शहर में एक विशाल घन्टाघर था जो दूर से दिखाई देने लगता था। टिहरी में घुसने से पहले भागीरथी/गंगा पार करने के लिये अंग्रेजों का बनाया हुआ लोहे वाला पुल पार करना होता था। उस पुल से एक समय में एक ही बस आर-पार जा सकती थी।

यहाँ बस लगभग आधा घन्टा रुका करती थी। यहाँ बस अडडे के ठीक सामने एक समौसे वाले की दुकान थी जिससे मैंने हर बार समौसे लेकर खाये थे। जब मैंने यह यात्रा की थी तो उस समय टिहरी बांध का कार्य अपने पूरे चरम पर था। वैसे तो जहाँ से मार्ग टिहरी के लिये अलग कट जाता था, आधे से ज्यादा मार्ग कच्चा हो गया था क्योंकि बांध बनाने के कारण असली मार्ग उखाड दिया गया था। और कच्चे मार्ग पर धूल ना उडे, उसके लिये कम्पनी के पानी वाले ट्रक उस कच्चे मार्ग पर पानी के फुव्वारे लेकर चलते रहते थे, जिससे कच्ची मिट्टी जम जाती थी।

यहाँ से बस जब वापिस चलती थी तो ठीक उसी तिराहे पर उसी जगह पहुँचती थी जहाँ से एक मार्ग चम्बा जाता था दूसरा गंगौत्री जाता था। यहाँ से सडक एक मोड पर उतराई आने के बाद काफ़ी दूर तक सीधी थी। इसके बाद बस काफ़ी देर तक चलती रहती थी। बीच में खेत खलियान आदि आते रहते थे। पहाड के बीच में कई

जगह बडे-बडे मैदान भी आ जाते थे, जिसके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। जहाँ भी थोडा सा मैदान आता था वही पर आबादी भी जरुर आती थी।

आजकल यह मार्ग तो टिहरी झील में दफन हो चुका है जिस कारण अब नया मार्ग बनाया गया है जो टिहरी झील के ऊपर-ऊपर होता हुआ आगे धरासू की ओर बढता है। यहाँ नये वाले मार्ग से टिहरी झील का शानदार नजारा दिखाई देता है अगर कोई यहाँ नये वाले मार्ग से पहली बार जा रहा हो तो उसे कुछ देर रुक कर झील को निहारना चाहिए। यहाँ से आगे का सारा सफर गंगौत्री तक, भागीरथी के किनारे-किनारे ही चलता रहता है। आगे चलने पर बीच में आगराखाल नाम का बाजार आता था जहाँ बस कुछ देर रुका करती थी। सडक कोई खास ज्यादा चौडाई की नहीं थी। आजकल तो फ़िर भी काफ़ी चौडाई वाली सडक बना दी गयी है। बीच में चिन्यालीसौड नाम का कस्बा भी आता था। इसी मार्ग में आगे चलते हुए जब धरांसू नाम का कस्बा आता था तो यहाँ बस में थोडी सी हलचल हो गयी थी।

वैसे कस्बे में तो कोई नहीं उतरा लेकिन जब धरांसू कस्बे से डेढ-दो किमी आगे धरासू बैंड/मोड नाम की जगह आयी थी तो बस से लगभग दस-बारह सवारी उतर गयी थी। यहाँ आकर मुझे पहली बार पता लगा कि यहाँ से यमुनौत्री जाने के लिये मार्ग है और इसी धरांसू मोड से यमुनौत्री जाने वाली बस (बहुत कम) व जीप आसानी से मिल जाती है। मैंने दो बार बाइक पर इस रुट से यमुनौत्री तक की यात्रा की है। एक बार अपनी नीली परी पर व एक बार पैसन बाइक पर।

शेष अगले अंक में जारी...